हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जिंदगी मुस्कुराई...

फोटोः हेमंत वर्मा

पत्रकारिता का असली सुख...

रायपुर/धरसींवा। जब 44 डिग्री पारा हो...लोहे के कंटेनरों में इंसानियत सिसक रही हो, तब एक खबर कैसे बदलाव की ठंडी बयार बन सकती है, यह हमने महसूस किया। झुलसा देने वाली गर्मी में लोहे के जिन कंटेनरों में मासूमों और मजदूरों की सांसें अटक रही थीं, वहां... हरिभूमि की खबर के बाद 'कूलर' की ठंडक और 'ग्रीन मैट' की छांव है। हमारे लिए यह सिर्फ एक खबर का असर नहीं, बल्कि उन चेहरों पर लौटी मुस्कान है, जो पत्रकारिता का असली सुख और कलम की सार्थकता बयां करती है। यह क्षण हमें हरिभूमि की जमीनी पत्रकारिता के लिए प्रेरणा देते हैं...धरसींवा श्रम समिति और श्रम विभाग के उन सभी जिम्मेदारों को धन्यवाद...जिन्होंने मजदूरों की दिक्कत महसूस की।

पहले की स्थिति

लोहे के कंटेनरों पर ग्रीन मैट

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹103903/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹126900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹138523/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

जोरदार धमाके की वजह से जवानों को संभलने का मौका तक नहीं मिला

75 किलो गन पाउडर को नष्ट करते वक्त हुआ धमाका, चार जवान शहीद

कांकेर-नारायणपुर सीमा में शनिवार को सुबह बारूदी विस्फोट में डीआरजी और बस्तर फाइटर के चार जांबाज जवान शहीद हो गए। कांकेर जिले के छोटेबेठिया थाना से उनकी टीम निकली थी। आत्मसमर्पित नक्सलियों की सूचना पर टीम गई थी। करीब 75 किलो गन पाउडर को नष्ट करने का प्रयास कर रही थी, उसी दौरान जोरदार धमाका हुआ और मौके पर तीन जवान शहीद हो गए। चौथे जवान ने इलाज के दौरान दम तोड़ा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

2 मई की सुबह लगभग 4 बजे थाना छोटेबेठिया से डीआरजी और बस्तर फाइटर की संयुक्त टीम निरीक्षक सुखराम वट्टी के नेतृत्व में रवाना हुई थी। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों से सूचना मिली थी कि एक निश्चित स्थान पर नक्सलियों ने हथियार और विस्फोटक सामग्री का डंप कर रखा है। इसी सूचना के आधार पर टीम सर्च ऑपरेशन के लिए जंगल की ओर निकली थी। बताया जा रहा है कि जवान जैसे ही संदिग्ध स्थल के पास पहुंचे, वहां से 15-15 किलो के पांच बोरी गन पाउडर बरामद किया गया। बीडीएस टीम की सहायता से इस डंप को बाहर निकालकर सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की तैयारी की जा रही थी। इस दौरान संभवतः अधिक तापमान एवं रासायनिक रिएक्शन के कारण गन पाउडर में जोरदार विस्फोट हो गया। जिसने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि डीआरजी और बस्तर फाइटर के चार जवान उसकी चपेट में आ गए। इस भीषण हादसे में निरीक्षक ▶▶|शेष पेज 7 पर

मौके पर ही तीन जवानों की जान गई, चौथे ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

छोटेबेठिया थाना का मामला: नक्सलियों के डंप खोजने के दौरान हुई दुर्घटना

सुखराम वट्टी

कृष्ण कुमार कोमरा

परमानंद कोर्राम

संजय गढ़पाले

एक बीजापुर और तीन कांकेर जिला से शहीद

ब्लास्ट में शहीद हुए निरीक्षक 40 वर्षीय सुखराम वट्टी बीजापुर जिले के थाना भैरमगढ़ के ग्राम चिहका के रहने वाले थे और 2008 में सर्विस ज्वाइन किया था। आरक्षक 35 वर्षीय कृष्ण कुमार कोमरा पिता प्यारीलाल कोमरा कांकेर जिला के ग्राम लोहत्तर के निवासी थे और 8 नवंबर 2011 में सर्विस ज्वाइन किया था। बस्तर फाइटर के आरक्षक 29 वर्षीय संजय गढ़पाले कांकेर जिला के चारामा थानांतर्गत के ग्राम हाराडुला के थे और 2022 में सर्विस में थे। बस्तर फाइटर के आरक्षक 29 वर्षीय परमानंद कोर्राम कांकेर जिला के ग्राम बरेठिनबाहरा पोस्ट मनसुली के रहने वाले थे और 2022 में सर्विस ज्वाइन किया था।

छिपे हुए विस्फोटक गंभीर खतराः पुलिस महानिरीक्षक

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम के अनुसार, हाल के महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों से मिली जानकारी के आधार पर सैकड़ों आईईडी बरामद कर निष्क्रिय किए गए हैं। बावजूद इसके, यह घटना दर्शाती है कि क्षेत्र में अभी भी छिपे हुए विस्फोटक गंभीर खतरा बने हुए हैं।

खबर संक्षेप

रोहित आरबीआई के डिप्टी गवर्नर नियुक्त

नई दिल्ली। सरकार ने रोहित जैन को तीन साल के कार्यकाल के लिए आरबीआई का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। जैन, टी रबी शंकर का स्थान लेंगे, जिनका विस्तारित कार्यकाल समाप्त हो गया। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने तीन मई या उसके बाद पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन साल के लिए उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

नहर में डूबने से दो भाइयों की गई जान

ईरोड। ईरोड जिले में गर्मियों की छुट्टियों में अपने रिश्तेदार के यहां आए दो नाबालिग भाइयों की एक नहर में डूबने से मौत हो गई। तिरुचिरापल्ली जिले के मुसिरी गांव के निवासी 17 वर्षीय संतोष और उसका 15 वर्षीय भाई संजय, क्रमशः 12वीं और 10वीं की परीक्षा देने के बाद कुछ दिन पहले अरचलूर के पास गोपालिपराई बस्ती में अपने एक रिश्तेदार के घर आए थे। दोनों लड़के पास की एक नहर में नहाने गए थे लेकिन वे गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गए।

पुलवामा में आतंकवादियों का 'ओवरग्राउंड वर्कर' गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को आतंकवादियों के एक

'ओवरग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया। ओजीडब्ल्यू वे लोग होते हैं, जो आतंकवादियों को साजो-सामान उपलब्ध कराते हैं। गुप्त गतिविधियों के संचालन में उनकी मदद करते हैं।

डंपर की टक्कर के कारण दो भाइयों की मौत

कानपुर। कानपुर में शनिवार सुबह दो डंपर की आपस में टक्कर के कारण दो भाइयों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब छह बजे नौबस्ता बाईपास फ्लाईओवर पर हुई जब रेत से लदे डंपर चालक को कथित तौर पर झपकी आ गई और वह सड़क किनारे खड़े एक अन्य ट्रक से टकरा गया। हादसा इतना भीषण था टक्कर मारने वाले डंपर का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और जालौन जिले के निवासी कमलकांत (27) और उनका छोटा भाई दीपक (25) उसमें फंस गए।

सामरी के ग्राम भुताही की घटना

नदी में नहाते समय डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत

नानी के घर गया था अमरजीत

मृतकों की पहचान ग्राम भुताही निवासी 4 वर्षीया कुमारी श्रीमती कोरवा आ. उदयशंकर कोरवा व सबाग निवासी 5 वर्षीय अमरजीत कोरवा आ. रामसाय कोरवा के रूप में की गई है। अमरजीत कोरवा अपने माता-पिता के साथ नानी के घर भुताही गया हुआ था। बच्चों की मौत के बाद परिजन द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद सामरी थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को अस्पताल भेजा। शनिवार को बच्चों के शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बलरामपुर जिले के सामरी थाना क्षेत्र के भुताही में हृदयविदारक घटना में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। बच्चे गांव के नदी में नहाने के लिए गए हुए थे। इस दौरान गहराई में जाने से दोनों बच्चे डूब गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बच्चों को नदी से बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इस मामले में सामरी पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किया गया है। इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है और परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि ▶▶|शेष पेज 7 पर

क्षेत्र में शोक

इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है जबकि परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि बच्चों की पानी में डूबने से मौत हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है और घटना की जांच चल रही है।

अभनपुर के ठाकुर पेट्रो कैमिकल के मालिक ने चोरी के टेंकर खाली किए

रायपुर के 8 डीलरों के साथ मिलकर 100 टन एलपीजी की चोरी, एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महासमुंद पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अभनपुर के ठाकुर पेट्रो कैमिकल से जुड़े एक व्यक्ति को सुपुर्दनामे में मिली डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत की 100 टन से ज्यादा एलपीजी गैस अफरा-तफरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जब्त एलपीजी गैस की अफरा-तफरी 31 मार्च से 6 अप्रैल के बीच किए जाने का पुलिस ने दावा किया है। जालसाजों ने रायपुर के आठ डीलरों के माध्यम से खपाने का काम किया है। जिन डीलरों के माध्यम से माल खपाया गया है, पुलिस ने उन डीलरों के नाम का खुलासा अब तक नहीं किया है। मामले का खुलासा होने पर पेट्रो कैमिकल ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

आखिर कौन है फर्जीवाड़ा का डीलर

पुलिस की विवेचना में साबित हो गया है कि ठाकुर पेट्रो कैमिकल के संचालक संतोष सिंह ने रायपुर के आठ एलपीजी डीलरों के साथ मिलकर अमानत में खयानत की है। ऐसे में सवाल उठता है कि रायपुर के उन आठ एलपीजी डीलरों को पुलिस ने आरोपी क्यों नहीं बनाया। इस संबंध में पुलिस जांच के बाद आरोपी बनाए जाने की बात कह रही है। ठाकुर पेट्रो कैमिकल के मालिक ने रायपुर के जिन आठ एलपीजी डीलरों की मदद से एलपीजी को खपाया है, उनके नाम का उल्लेख दस्तावेजों के माध्यम से हो गया है, ऐसे में एलपीजी डीलरों से पूछताछ करने का क्या औचित्य।

एक साथ बजे सायरन मोबाइल पर संदेश

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को सेल ब्रॉडकास्ट चेतावनी प्रणाली की शुरुआत की। इसके बाद देशभर में मोबाइल फोन पर चेतावनी संदेश आने लगे। यह प्रणाली आपात स्थिति और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों को उनके क्षेत्र में तुरंत सतर्क करने के लिए विकसित की गई है। दूरसंचार विभाग ने 29 अप्रैल को इस सेवा के परीक्षण के ▶▶|शेष पेज 7 पर

आज से लगेगी साय की चौपाल, अचानक पहुंचेंगे किसी गांव में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की चौपाल रविवार से प्रदेश के किसी गांव में लगेगी। सरकार की योजनाओं और आम लोगों की समस्या जानने मुख्यमंत्री का उड़नखटोला अचानक प्रदेश के किसी गांव में उतरेगा। गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की की समस्या सुनेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे के साथ ही जिले के अधिकारियों को वहां पहुंचने के कुछ देर पहले ही सूचना मिलेगी।

राज्य सरकार ने 1 मई से 10 जून तक संचालित होने वाला यह अभियान शासन और आमजन के बीच ▶▶|शेष पेज 7 पर

सुशासन तिहार में अब मुख्यमंत्री संभालेंगे मोर्चा

योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे

मुख्यमंत्री सुशासन तिहार के तीसरे दिन से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में चौपाल लगाएंगे। बताया गया है कि वे उस जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर सरकार की योजनाओं की समीक्षा भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों ने बताया कि जिस जिले में मुख्यमंत्री जाएंगे वहां पर रात्रि विश्राम भी कर सकते हैं। सभी अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्र में दौरा कर योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने कहा गया है।

निर्माण गुणवत्ता में जरा भी लापरवाही नहीं चलेगी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा जिले के नगर पंचायत दाढ़ी क्षेत्र में हाल ही में निर्मित सीसी रोड के अल्प समय में ही क्षतिग्रस्त होने संबंधी खबर पर तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही पूर्णतः अस्वीकार्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बेमेतरा की कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे प्रकरण की विस्तृत ▶▶|शेष पेज 7 पर

शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में 10 मई को मैच

आरसीबी और मुंबई इंडियंस के मैच का डिजिटल टिकट, 2000 रुपए से शुरू होंगे टिकटों के दाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में 10 मई को होने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के महामुकाबले के टिकटों की बिक्री आज से शुरू हो जाएगी। क्रिकेट प्रेमी आधिकारिक वेबसाइट shop.royalchallengers. com/ticket के जरिए अपनी सीट बुक कर सकेंगे। शनिवार को मैनेजमेंट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इसके बाद 4 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुऔर कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले मैच के टिकट भी उपलब्ध होंगे। ▶▶|शेष पेज 7 पर

हरिभूमि फॉलोअप

खास बातें

- फर्जीवाड़ा रोकने मैनेजमेंट ने बनाए सख्त नियम, लेकिन अनाधिकृत वेबसाइट्स पर बुकिंग से पहले ही बिक रहे ब्लैक में टिकट
- मैच से कुछ घंटे पहले ही ऐप पर जनरेट होगा क्यूआर कोड, इसे स्कैन करने पर मिलेगा प्रवेश

स्टेडियम से प्लेटिनम स्टैंड से हटाए गए कांच के पैनल अब बिना रुकावट के करीब से मैच देख सकेंगे दर्शक

मैच वाले दिन ही जनरेट होगा एंट्री क्यूआर कोडः टिकटों की कालाबाजारी और स्क्रीनशॉट के जरिए होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने के लिए डिजिटल टिकट में गेट और सीट नंबर ▶▶|शेष पेज 7 पर

बुकिंग के वक्त दिखेगा थ्रीडी स्टैंड और मैप

वेबसाइट पर टिकट खरीदते समय आपको स्पष्ट दिखेगा कि स्टैंड स्टेडियम में किस जगह पर है। मैच के दिन भीड़ से बचने के लिए टिकट के साथ स्टेडियम का मैप भी दिया जाएगा। इसमें पार्किंग, ▶▶|शेष पेज 7 पर

टिकटों की कालाबाजारी शुरू, 40 में प्लेटिनम टिकट

फ्रेंचाइजी ने टिकटों की कालाबाजारी रोकने के कड़े दावे किए हैं, लेकिन आधिकारिक बुकिंग शुरू होने से पहले ही 'वियागोगो' जैसी वेबसाइट्स पर ब्लैक में टिकटों की धड़ल्ले से बिक्री शुरू हो गई है। यहां तक कि ऐसी वेबसाइट्स शत-प्रतिशत कन्फर्म टिकट मिलने का भी दावा कर रही हैं। बता दें कि अनधिकृत वेबसाइट पर प्लेटिनम टिकट 40 हजार रुपये और गोल्ड टिकट 30 हजार रुपये में बेचे जाने का दावा किया जा रहा ▶▶|शेष पेज 7 पर

मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट ने दिया झटका

काउंटिंग में केंद्रीय कर्मियों की तैनाती पर रोक से इंकार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में मतगणना की प्रक्रिया को लेकर ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी (टीएमसी) को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों को 'काउंटिंग सुपरवाइजर' नियुक्त करने के फैसले के खिलाफ टीएमसी ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन कोर्ट ने इस मामले में दखल देने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग (ईसीआई) को अपने अधिकारी चुनने का पूरा अधिकार है और वह उनके काम में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

क्या है पूरा विवाद?

चुनाव आयोग ने 30 अप्रैल को एक निर्देश जारी किया था जिसके अनुसार मतगणना की हर टेबल पर सुपरवाइजर या असिस्टेंट में से कम से कम एक कर्मचारी केंद्र सरकार या पब्लिक सेक्टर (पीएसयू) का होना अनिवार्य है। टीएमसी का आरोप है कि केंद्र सरकार के कर्मचारी बीजेपी के प्रभाव में काम कर सकते हैं, जबकि कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस आशंका को खारिज करते हुए आयोग के फैसले को वैध बताया था।

13 अप्रैल का सर्कुलर ही रहेगा प्रभावी : सभी पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस जे. बागची की बेंच ने कहा कि इस मामले में किसी नए आदेश की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग द्वारा 13 अप्रैल 2026 को जारी किए गए सर्कुलर का पूरी तरह से पालन किया जाए। कोर्ट के इस रुख से साफ है कि काउंटिंग सुपरवाइजर की नियुक्ति की प्रक्रिया में अब कोई बदलाव नहीं होगा और यह चुनाव आयोग के मौजूदा नियमों के तहत ही संपन्न होगी। इस फैसले को ममता बनर्जी की सरकार के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है, जो लगातार मतगणना प्रक्रिया में राज्य के कर्मचारियों की भागीदारी की मांग कर रही थी।

सिब्बल की दलील और कोर्ट की टिप्पणी

सिब्बल ने चुनाव आयोग के नियमों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब पहले से ही माइक्रो ऑब्जर्वर के रूप में केंद्र सरकार का एक प्रतिनिधि मतगणना प्रक्रिया में मौजूद है, तो दूसरे प्रतिनिधि की काउंटिंग एजेंट के तौर पर क्या जरूरत है? इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान सभी दलों के काउंटिंग एजेंट वहां मौजूद रहेंगे, जो एक सामान्य प्रक्रिया है। सुनवाई के दौरान एक बड़ा मुद्दा काउंटिंग सुपरवाइजर और एजेंटों की निष्पक्षता को लेकर उठा। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि काउंटिंग सुपरवाइजर और एजेंट केंद्र या राज्य सरकार के कर्मचारी हैं, तो उनकी नियुक्ति को गलत कैसे कहा जा सकता है? कोर्ट ने आगे कहा कि सरकारी कर्मचारी तो सरकारी कर्मचारी होते हैं— उनकी निष्ठा किसी एक राजनीतिक दल के प्रति कैसे हो सकती है? चुनाव आयोग (ईसीआई) की ओर से वकील दामा शेषाद्रि नायडू ने अदालत को बताया कि मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) अंततः राज्य सरकार के ही होते हैं और वही यह तय करते हैं कि काउंटिंग सुपरवाइजर कौन होगा। दूसरी ओर, कपिल सिब्बल ने टीएमसी की दलील को मजबूती से रखते हुए चुनाव आयोग के 13 अप्रैल के सर्कुलर का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि आयोग का खुद का नियम यह कहता है कि काउंटिंग सुपरवाइजर की नियुक्ति में 'रैंडमाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

165 एडिशनल काउंटिंग और 77 पुलिस ऑब्जर्वर किए नियुक्त

चुनाव आयोग का बंगाल को लेकर बड़ा फैसला

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के खत्म होने के बाद और वोट काउंटिंग से पहले स्टॉन्ग रूम और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस बीच चुनाव आयोग ने शनिवार (2 मई, 2026) को बड़ा कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल में 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। आयोग ने कहा कि जिन 165 विधानसभा क्षेत्रों में एक से ज्यादा काउंटिंग हॉल हैं, वहां काउंटिंग ऑब्जर्बर की मदद के लिए अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति के दौरान सभी ऑब्जर्ब्स आयोग के अधीन रहेंगे और आयोग की नियंत्रण और नेतृत्व में कार्य करेंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि काउंटिंग सेंटर्स पर तैनात पुलिस ऑब्जर्बर किसी भी हालत में वोटों की गिनती के दिन और दौरान काउंटिंग हॉल में नहीं जाएंगे। पुलिस पर्यवेक्षक वोट काउंटिंग प्रक्रिया के दौरान मतगणना पर्यवेक्षकों और अन्य तैनात चुनावी मशीनरी के साथ मिलकर काम करेंगे।

टीएमसी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी: ममता

मतगणना से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल हुआ तेज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच आरोप प्रत्यारोप का खेल तेज हो गया है। तृणमूल कांग्रेस ने ईवीएम और बैलेट पेपर से छेड़छाड़ का आरोप लगाया तो भाजपा ने इसे ममता बनर्जी का चुनाव में हार से पहले का भय बताया है। गुरुवार रात मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अचानक सखावत मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया था। यह वही स्थान है जहां भवानीपुर सीट की ईवीएम मशीनें रखी गई हैं। मुख्यमंत्री देर रात तक वहां मौजूद रहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कई स्थानों से ईवीएम में गड़बड़ी की जानकारी मिली है, जिसके बाद वह खुद स्थिति देखने पहुंचीं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा है कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है और सभी स्ट्रॉन्ग रूम चौबीस घंटे सीसीटीवी निगरानी में हैं, जिसे बाहर से भी देखा जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना ठोस प्रमाण के लगाए गए आरोप निराधार हैं। इसी बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्वाचन आयोग का अधिकार क्षेत्र है और इसमें कोई अवैधता नहीं है।

अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को बताया तथ्यहीन और भ्रामक

राज्य की 294 विधानसभा सीटों में 23 और 29 अप्रैल को हुआ था मतदान, 4 को होगी मतगणना

संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत : अधिकारी

वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को पूरी तरह तथ्यहीन और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि ईवीएम को लेकर संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत है और यह उनकी संभावित हार के डर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव से पहले ऐसे आरोप लगाना तृणमूल कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा बन चुका है।

ममता ने लगाया है पक्षपात का आरोप

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि शुरुआत में केंद्रीय बलों ने उन्हें अंदर जाने से रोका, लेकिन निर्वाचन नियमों के अनुसार उम्मीदवार और चुनाव एजेंट को सील कक्ष तक जाने की अनुमति होती है। बाद में उन्होंने संबंधित अधिकारी से अनुमति लेकर अंदर प्रवेश किया। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच यह भी कहा कि उनकी पार्टी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि उनके दल के एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है तथा कई जगह एकतरफा कार्रवाई हो रही है।

टीएमसी ने डाक मतपत्रों की अनधिकृत छंटाई का लगाया आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने कोलकाता के एक ईवीएम स्ट्रॉन्गरूम में डाक मतपत्रों की अनधिकृत छंटाई का आरोप लगाते हुए शनिवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर डेरा डाले तृणमूल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि डाक मतपत्रों से भरे आठ बक्से तड़के चार बजे लाए गए और उन्हें एक ऐसे कमरे में ले जाया गया, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। तृणमूल के एक सदस्य ने सवाल किया, "हम मांग करते आ रहे हैं कि ईवीएम और डाक मतपत्रों वाले हर एक मिलीमीटर स्थान पर सीसीटीवी निगरानी रखी जाए। लेकिन जब इन बक्सों को अंदर ले जाया गया, तो यह साफ हो गया कि उन्हें सीसीटीवी की पहुंच से दूर कमरे में ले जाया गया। आखिर ऐसा क्यों?" उत्तरी और पूर्वी कोलकाता के कई विधानसभा क्षेत्रों की मतदान मशीनें खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्गरूम में रखी हैं। तृणमूल कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बीच भाजपा की श्यामपुकुर से उम्मीदवार पूर्णिमा चक्रवर्ती अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गईं, जिससे तनाव और बढ़ गया। दोनों पक्ष नारेबाजी करने लगे, जबकि पुलिस स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश करती रही। चक्रवर्ती ने दावा किया कि हार के डर से तृणमूल कार्यकर्ता स्ट्रॉन्गरूम के बाहर हंगामा कर रहे हैं। बाद में तृणमूल ने कहा कि उसने इस मामले में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज करा दी है।

प. बंगाल की दो सीटों के 15 केंद्रों पर पुनर्मतदान

पुनर्मतदान में भी हंगामा, बवाल शाम तक 87 प्रतिशत वोटिंग

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

वोटिंग के दौरान भी आरोप प्रत्यारोप का दौर चला। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर सीट के चंदा प्राथमिक स्कूल स्थित मतदेय केंद्र संख्या-179 पर एक दिव्यांग मतदाता और उसकी मां के साथ केंद्रीय बलों ने दुर्व्यवहार किया। इस कथित घटना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। एक निर्वाचन अधिकारी ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस की नेता मनमोहिनी विश्वास और प्रतीक उर रहमान मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को बेवजह की उत्पीड़न बताया। वहां मौजूद हमारे अधिकारियों ने मामले को संभाल लिया है।' उन्होंने बताया कि इसके अलावा क्षेत्र के 15 मतदेय केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

धांधली की मिली थी शिकायत

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शाम 5 बजे तक 86.90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 और डायमंड हार्बर के चार मतदान केंद्रों पर वोटिंग कुल मिलाकर शांतिपूर्ण तरीके से हुई। चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को इस सीट पर पुनर्मतदान का आदेश दिया था। अधिकारी ने बताया कि मगराहाट पश्चिम में 86.11 प्रतिशत और डायमंड हार्बर में 87.60 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर दक्षिण 24 परगना जिले की दो सीटों में हो रहा है दोबारा मतदान

आयोग का फैसला, फाल्ता में भी होगा पुनर्मतदान

निर्वाचन आयोग ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्ता विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र पर 21 मई को पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया। एक अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में 29 अप्रैल को फाल्ता में हुए मतदान में 'गंभीर चुनावी गड़बड़ियों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के उल्लंघन' के कारण पुनर्मतदान का आदेश दिया गया है। आयोग ने कहा कि फाल्ता सीट के सभी 285 बूथ पर 21 मई को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक फिर से मतदान होगा। आयोग के अधिकारी ने बताया कि इस निर्वाचन क्षेत्र के मतों की गणना 24 मई को होगी। बता दें, पूरे फाल्ता निर्वाचन क्षेत्र में दोबारा मतदान की मांग भाजपा ने तब उठाई थी, जब यह आरोप लगाया गया कि कुछ बूथों पर भाजपा उम्मीदवार के नाम और फोटो के बगल में मौजूद ईवीएम के बटन सफेद टेप से ढके हुए थे। इसके अलावा, भारत निर्वाचन आयोग ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की डायमंड हार्बर जिला पुलिस को निर्देश दिया कि वे फाल्ता विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करें। ग्रामीणों ने इन सहयोगियों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भाजपा को वोट देने पर उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है।

खबर संक्षेप

टीसीएस केस : आरोपी निदा को झटका

नासिक। नासिक के बहुचर्चित टीसीएस केस में शनिवार को नासिक रोड न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी. इस निर्णय को मामले की जांच के लिए अहम माना जा रहा है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पहले आदेश सुरक्षित रखा था, जिस पर आज फैसला सुनाया गया। इस मामले में सरकारी पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अजय मिसर न्यायालय में उपस्थित रहे। वहीं आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता राहुल कासलीवाल ने अपनी दलीलें पेश कीं। 29 अप्रैल को इस याचिका पर बंद कक्ष में सुनवाई हुई थी।

चीन ने 53 अफ्रीकी देशों के लिए खत्म किए टैरिफ

बीजिंग। चीन ने अफ्रीका के 53 देशों के लिए टैरिफ खत्म करने का बड़ा फैसला लिया है। यह नई पॉलिसी 1 मई 2026 यानी शुक्रवार से लागू हो गई है और 30 अप्रैल 2028 तक जारी रहेगी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि, चीन के साथ डिप्लोमैटिक संबंध रखने वाले देशों के प्रोडक्ट्स पर जीरो टैरिफ लगेगा। इस कदम के जरिए चीन खुद को अफ्रीका का मजबूत आर्थिक साझेदार और ओपन मार्केट वाले देश के तौर पर पेश करना चाहता है।

सहाय बने रक्षा मंत्रालय के नए वित्त सचिव

नई दिल्ली। वर्ष 1990 बैच के भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विश्वजीत सहाय रक्षा मंत्रालय के नए रक्षा वित्त सचिव नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने 1 मई को रक्षा मंत्रालय में रक्षा वित्त सचिव का पद संभाला। इससे पहले वह कंट्रोलर जनरल ऑफ डिफेंस अकाउंट्स के पद पर कार्यरत थे। विश्वजीत सहाय लॉ ग्रेजुएट भी हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार सहाय के पास रक्षा वित्त और प्रशासन के क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है।

राघव के साथ भाजपा ज्वाइन करने वाले सांसद के खिलाफ दो एफआईआर

पाठक को गिरफ्तार करने दिल्ली पहुंची पंजाब पुलिस

एजेंसी ▸▸ चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी छोड़कर अभी हाल ही में भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक पर पंजाब में दो एफआईआर दर्ज हुई हैं। संदीप पाठक के खिलाफ यह एक्शन पंजाब के दो अलग-अलग जिलों में हुआ है। राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के खिलाफ दोनों ही एफआईआर गैर-जमानती धाराओं में उनके खिलाफ दर्ज हुई हैं। ऐसे में अब संदीप पाठक पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच, संदीप पाठक अपने दिल्ली के घर से जल्दबाजी में निकलते नजर आए। करीब आठ दिन पहले राघव चड्ढा समेत सात सासंदों के साथ संदीप पाठक भी भाजपा में शामिल हुए हैं।

घर से निकल चुके थे पाठक

वहीं, पंजाब पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास तक पहुंची थी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी तक पुलिस या संबंधित एजेंसियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि मामले की खबर सार्वजनिक होने से पहले ही संदीप पाठक अपने घर से निकल गए थे। एएनआई से फोन पर बात करते हुए पाठक ने कहा कि मुझे ऐसी किसी एफआईआर की कोई जानकारी नहीं है, न ही किसी पुलिस अफसर ने मुझको इस बारे में सूचित किया है। पाठक ने कहा कि यदि मेरे जैसे किसी शख्स के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू की गई है, तो यह सिर्फ उनकी दहशत को दर्शाता है। मैं इसको लेकर और कुछ नहीं कहना चाहता।

अब आप के पास केवल 3 सांसद शेष

गौरतलब है, 24 अप्रैल 2026 को आम आदमी पार्टी (आप) के 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने और विलय की मंजूरी मिलने के बाद, अब आप के पास केवल 3 सांसद शेष बचे हैं। पार्टी के प्रमुख नेताओं में संजय सिंह शामिल हैं, जबकि राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, विक्रम साहनी और नरेंद्र गुप्ता बीजेपी में शामिल हो चुके हैं।

गुप्ता के फैक्ट्रियों पर भी हुई थी छापामारी

इससे पहले उद्योगपति राजिंदर गुप्ता पर भी एक्शन हुआ है। वह भी आम आदमी पार्टी छोड़ बीजेपी में शामिल हुए हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने हाल ही में उनकी फैक्ट्रियों पर छापामारी की थी। मामला हाई कोर्ट पहुंचने पर 4 मई तक के लिए कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है।

नहीं रहे उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता

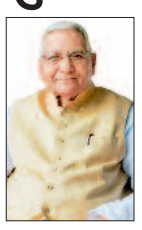

कोलकाता। होजरी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी, डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस, विख्यात उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता का शनिवार को कोलकाता में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण स्वर्गवास हो गया। उनका निधन कंपनी के साथ-साथ भारतीय होजरी और परिधान उद्योग के एक युग के अंत का प्रतीक है। उनके मार्गदर्शन में, डॉलर इंडस्ट्रीज 1700+ करोड़ से अधिक के बड़े व्यापारिक समूह के रूप में उभरी। हरियाणा के भिवानी जिले के मनहेरू गाँव में 13 सितंबर, 1937 को एक साधारण और बड़े परिवार में जन्मे श्री गुप्ता का जीवन दृढ़ता, जुझारूपन और बड़े सपने देखने की शक्ति का प्रमाण था। वर्ष 1962 में कोलकाता (तब कलकत्ता) आकर उन्होंने खरीदारों के बजट और आवश्यकताओं के अनुरूप होजरी उत्पादों का निर्माण और बिक्री शुरू की। गुप्ता के परिवार में उनकी पत्नी, चार बेटे और पोते-पोतियां हैं, जो वर्तमान में डॉलर इंडस्ट्रीज के व्यापारिक साम्राज्य का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने निर्माण और फिनिशिंग सुविधाओं के समानांतर विकास, बिक्री केंद्रों और खुदरा विक्रेताओं के नेटवर्क के निर्माण और अन्य कंपनियों द्वारा उपेक्षित बाजारों के प्रत्यक्ष विकास के माध्यम से इसे संभव बनाया।

बाजमांडू जंगल में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, हथियारों का जखीरा जब्त

एजेंसी ▸▸ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने एक गुप्त आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ करते ही आतंकवाद के मुद्दे पर बड़ी सफलता हासिल की है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई जिले के चतरू इलाके में एक विशेष तलाशी अभियान के दौरान की गई। सुरक्षा बलों ने सिगड़ी भाटा क्षेत्र के बाजमांडू जंगल में छिपे इस ठिकाने को ढूंढ निकाला, जिससे क्षेत्र में सक्रिय आतंकी गतिविधियों को बड़ा झटका लगा है। जांच में यह बात सामने आई है कि यह ठिकाना एक खूंखार आतंकवादी कमांडर का था, जिसे सेना ने पहले ही एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया है।

सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह ठिकाना आतंकियों द्वारा हथियार और विस्फोटक छिपाने के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में उपयोग किया जा रहा था। तलाशी के दौरान बरामद किए गए हथियारों और रसद का जखीरा सुरक्षा बलों की सतर्कता को दर्शाता है।

कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

बरामद हुए खतरनाक हथियार

सुरक्षाबलों द्वारा जब्त किए गए हथियारों की बात करें तो इसमें मैगजीन के साथ एक कार्बाइन बंदूक एक पिस्तौल, एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल), 51 मिमी का रॉकेट, चार डेटोनेटर लगभग एक किलोग्राम विस्फोटक, 9 मिमी के 97 कारतूस और 7.62 मिमी के 18 कारतूस मिले हैं। इसके अलावा ये भी बताया गया कि एक स्लिंग और संचार के लिए एक केनवुड रेडियो सेट व दो मोटोरोला रेडियो सेट छापेमारी के स्थल से बरामद हुआ है।

सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता

अधिकारियों का मानना है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक और रेडियो सेट की बरामदगी से किसी संभावित साजिश को नाकाम कर दिया गया है। फिलहाल, सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी है और अन्य संदिग्ध ठिकानों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी रखा है।

ऑपरेशन ग्लोबल हंट: सीबीआई को मिली बड़ी कामयाबी

करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप, इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अहम सफलता मिली है।

लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई भारत सरकार के 'ऑपरेशन ग्लोबल हंट' के तहत विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई। पारेख के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक कर हिरासत में लिया गया। भारत के औपचारिक अनुरोध और दोनों देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया।

कमलेश पारेख

कई बैंकों के साथ की धोखाधड़ी

जांच एजेंसियों के अनुसार, कमलेश पारेख पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। इस घोटाले में देश के कई बैंकों के समूह को भारी नुकसान हुआ, जिसकी अगुवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) कर रहा था। अनुमान है कि इस मामले में सैकड़ों करोड़ रुपये की रकम का दुरुपयोग किया गया। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि पारेख ने अन्य प्रमोटरों और निदेशकों के साथ मिलकर बैंक से लिए गए फंड को विदेशों में स्थित कंपनियों के जरिए डायवर्ट किया।

150 से अधिक वांछित अपराधियों का भारत लाया गया

सीबीआई, जो भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में कार्य करती है, 'भारतपोल' प्लेटफॉर्म के जरिए देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। इसी सहयोग का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है। यह ताजा कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है।

पारेख का कई देशों में कारोबार

आरोपी ने यूएई सहित कई देशों में फैले अपने कारोबारी नेटवर्क का इस्तेमाल कर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच एजेंसियां अब उससे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

23 अवैध बंकर नष्ट किए, 18 आईईडी सहित हथियार जब्त

एजेंसी ▸▸ इंफाल

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में मणिपुर के उखरुल जिले में अवैध रूप से निर्मित 23 बंकर नष्ट कर दिए है और तेंगनौपाल जिले में 18 आईईडी बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि लिटन पुलिस थाना क्षेत्र के मोंगकोट चेपू, शोंगफेल, मुल्लम, सिराराखोंग और रिंगु के पहाड़ी गांवों में गुरुवार को बंकर नष्ट किए गए।

बयान में बताया गया कि 12 बोर की एक 'पंप-एक्शन शॉटगन', 17 कारतूस और 111 खोखे भी जब्त किए गए। इस साल फरवरी में उखरुल जिले में तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़कने के बाद से गोलीबारी की विभिन्न घटनाओं में कम से कम सात लोग मारे गए थे और 30 से अधिक घरों को जला दिया गया था। इसी बीच, बुधवार को एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस थाने क्षेत्र के टी बोंगमोल गांव में हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा जब्त किया।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कबीरधाम जिले के पंडरिया जनपद पंचायत में राज्य के अंतिम छोर पर स्थित बिरहुलडीह पंचायत का आश्रित ग्राम कुंडापानी में बूंद-बूंद पानी के लिए ग्रामीण संघर्ष कर रहे हैं। मध्यप्रदेश सीमा से सटे इस दुर्गम पहाड़ी गांव में 200 लोग रहते हैं। यहां विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा रहते हैं, जो पीने के पानी के लिए झिरिया पर निर्भर हैं। वह भी उन्हें रोज करीब 3 किलोमीटर जोखिम भरी पैदल यात्रा के बाद नसीब होता है।

जल स्रोत प्रमुख समस्या

इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता दिलीप राजपूत ने बताया कि क्षेत्र में जलस्रोत की समस्या है, लेकिन हैंडपंप में अतिरिक्त पाइप डालने और नई मशीन की स्वीकृति मिल चुकी है, जिसे जल्द स्थापित किया जाएगा।

खतरनाक पहाड़ी रास्ते से कई किलोमीटर चलकर लाना पड़ता है पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पंडरिया (कवर्धा)

गांव में स्थापित सरकारी हैंडपंप लंबे समय से बंद पड़ा है, जबकि पानी टंकी केवल दिखावे तक सीमित है। नल-जल योजनाओं के दावे यहां पूरी तरह खोखले नजर आते हैं। ग्रामीणों को मजबूरी में पहाड़ी से नीचे उतरकर प्राकृतिक जलस्रोतों तक पहुंचना पड़ता है और फिर भरी मटकी के साथ खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि "आमाचुआ' और "उमरझोरी" नामक झिरिया ही उनके जीवन का सहारा हैं, जिन्हें उन्होंने स्वयं श्रमदान से तैयार किया है। हालांकि इन तक पहुंचने का रास्ता बेहद खतरनाक और उबड़-खाबड़ है, जिससे ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि लगातार

योजनाएं कागजों में, गांव में सूखा

सरकार द्वारा जल जीवन मिशन और अन्य योजनाओं के तहत करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन कुंडापानी जैसे गांवों में इनका कोई असर नहीं दिखता। गांव में लगा हैंडपंप महीनों से खराब पड़ा है और पानी टंकी केवल शोपीस बनकर रह गई है। न तो पाइपलाइन से पानी पहुंच रहा है और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं हुआ। यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही और निगरानी की कमी को उजागर करती है, जहां योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं और ग्रामीण आज भी मूलभूत जरूरतों के लिए जूझ रहे हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

प्रसून जोशी को प्रसार भारती के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। प्रख्यात गीतकार, लेखक प्रसून जोशी को भारत के

सार्वजनिक प्रसारक 'प्रसार भारती' का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जोशी के कार्यों में प्रशंसित फिल्मी गीत, विज्ञापन लेखन और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां शामिल हैं, जो देश भर के विविध दर्शकों से जुड़ती हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में प्रसून जोशी की नियुक्ति पर मेरी हार्दिक बधाई।

अमेरिका में आंध्र के युवक ने की आत्महत्या

कुरनूल। आंध्र प्रदेश में कुरनूल जिले के 26-वर्षीय एक युवक ने अमेरिका में कथित तौर पर कर्ज के बोझ से परेशान होकर हाल ही में आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गुप्त रखी जाए, क्योंकि उसके माता-पिता बुजुर्ग हैं और कई बीमारियों से पीड़ित हैं। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने शोक व्यक्त किया। मृतक के पार्थिव शरीर को स्वदेश वापस लाने में सहायता का आश्वासन दिया। लोकेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

बस पलटी, दो तीर्थयात्रियों की मौत, 15 अन्य घायल

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में एक बस के पलट जाने से

दो महिलाओं की मौत हो गई और कम से कम 15 अन्य यात्री घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब एक नीलगाय अचानक सड़क पर आ गई। यह बस लगभग 40 यात्रियों को लेकर भावनगर से द्वारका और सोमनाथ की यात्रा पर जा रही थी। यह दुर्घटना मंगरोल कस्बे से कुछ किलोमीटर दूर रहीज गांव के पास दोपहर तीन बजे हुई, जब चालक ने सड़क पर अचानक आई नीलगाय को देखा और वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा।

करंट लगने से छात्र समेत तीन ने दम तोड़ा

बरेली। बरेली जिले के ग्रामीण इलाकों में दो अलग-अलग घटनाओं में करंट लगने से एक छात्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश और अधीक्षण अभियंता ग्रामीण ज्ञानेश सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये घटनाएं तकनीकी कारणों से हुईं तथा प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। पहली घटना में अलीगंज थानाक्षेत्र के सूदनपुर गांव में सुबह 11 हजार वोल्ट का करंट घरों में आ गया।

शांति की कोशिश को झटका, मिडिल ईस्ट में फिर युद्ध की आहट

अमेरिका पर रत्तीभर भरोसा नहीं, ट्रंप ने ऑफर ठुकराया तो ईरान ने दिए फिर जंग के संकेत

एजेंसी ⏭ तेहरान/दुबई

मिडिल ईस्ट में शांति की कोशिशों के बीच बड़ा झटका लगा है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। शनिवार को ईरानी सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ कहा कि दोनों देशों के बीच दोबारा युद्ध छिड़ सकता है। उन्हें ट्रंप पर भरोसा नहीं है। यह बयान तब आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

ईरानी सशस्त्र बल मुख्यालय के उप प्रमुख मोहम्मद जाफर असदी ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी समझौते के प्रति ईमानदार नहीं है। असदी के मुताबिक, ईरानी सेना पूरी तरह सतर्क है और अगर अमेरिका कोई नई हरकत करता है तो उसका जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी अधिकारियों के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया को ध्यान में रखकर दिए जाते हैं। उनका कहना है कि इन बयानों का मकसद तेल की कीमतों में गिरावट को रोकना और अपनी बनाई हुई स्थिति से बाहर निकलना होता है।

इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन उसकी शर्तें स्वीकार करने लायक नहीं हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान का नेतृत्व बिखरा हुआ है और एकजुट नहीं है। वह इस प्रस्ताव से खुश नहीं हैं और मौजूदा शर्तों पर कोई समझौता संभव नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का कड़ा बयान

दरअसल, इस पूरे मामले में हलचल तब और बढ़ गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बेहद कड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने साफ-साफ कह दिया कि हम पागलों के हाथ में परमाणु हथियार नहीं दे सकते। ट्रंप की इस एक लाइन ने पहले से चल रही खींचतान में आग में घी डालने का काम किया है। उनके इस बयान को सीधे तौर पर ईरान के लिए एक बड़ी चेतावनी माना जा रहा है, जिसने दोनों देशों के बीच के माहौल को और भी ज्यादा गंभीर बना दिया है।

ट्रंप बोले-हम पागलों के हाथ में परमाणु हथियार नहीं दे सकते
ईरान ने कहा-दोनों देशों के बीच दोबारा छिड़ सकता है युद्ध

स्थिति तनावपूर्ण, दुनिया की नजरें टिकीं

फिलहाल हालात काफी नाजुक बने हुए हैं। एक तरफ अमेरिका सख्त रुख अपनाए हुए है, तो दूसरी तरफ ईरान भी पीछे हटने के मूड में नहीं दिख रहा। ऐसे में यह देखना अहम होगा कि आने वाले दिनों में बातचीत का रास्ता निकलता है या फिर टकराव और बढ़ता है।

ईरान का साफ संदेश- हम तैयार हैं

ईरान की तरफ से यह भी कहा गया है कि उनकी सेना पूरी तरह अलर्ट पर है। अगर हालात बिगड़ते हैं या अमेरिका की तरफ से कोई नई कार्रवाई होती है, तो उसका जवाब देने के लिए वे तैयार हैं। असदी ने कहा कि अगर कोई 'नई हरकत या गलती' होती है, तो ईरान पीछे हटने वाला नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका के कई बयान सिर्फ दिखावे के लिए दिए जा रहे हैं।

अमेरिका ने चीन स्थित कच्चे तेल टर्मिनल संचालक पर लगाया बैन

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन स्थित एक कच्चे तेल टर्मिनल संचालक पर ईरानी संस्थाओं से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करने पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका ने चेतावनी भी दी है कि अगर किसी अन्य ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए तेहरान को कोई 'शुल्क' दिया, तो उसे भी ऐसे ही परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने एक बयान में कहा, अमेरिका ईरान के अवैध तेल व्यापार को बाधित करने के लिए निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। यह व्यापार ईरानी शासन की आय का मुख्य स्रोत है, जिससे आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता को वित्तीय मदद मिलती है। पिगॉट ने कहा कि मंत्रालय ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के व्यापार में शामिल कई संस्थाओं, एक व्यक्ति और एक पोत पर प्रतिबंध लगाए हैं। इस कार्रवाई के तहत चीन स्थित पेट्रोलियम टर्मिनल संचालक क्विंगदाओ हाइये ऑयल टर्मिनल कंपनी लिमिटेड को निशाना बनाया गया है।

बरगी बांध में क्रूज हादसा

दो और बच्चों के शव मिले अभी भी दो लोग लापता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

बरगी बांध में क्रूज डूबने की घटना ने पूरे प्रदेश को रुला दिया। हादसे की भयाभयता और मां बेटे के लिपटे हुए शव लोगों की आंखों में तैर रहे हैं। तीसरे दिन भी जारी सर्च ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू टीम को शनिवार शाम 4 साल के विराज सोनी एवं 6 साल का तमिल का शव बरगी डैम से बरामद हुआ। दिनभर तलाश के बाद शाम को यह सफलता मिली। प्रशासन के अनुसार अभी भी तीन लोग लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। घटनास्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी गई है।

तो, मैं क्रूज को पानी में उतारता ही नहीं

जबलपुर में पकड़े गए क्रूज पायलट महेश पटेल ने हादसे के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि मौसम की पहले से जानकारी नहीं थी, नहीं तो क्रूज को पानी में नहीं उतारते। एमपी टूरिज्म के अधिकारियों को पूछताछ में पटेल ने बताया है कि उसने हादसे के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकारते हुए माफी मांगी है।

तेज लहरें और क्रूज पलट गया

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज हवाओं के कारण पानी में तेज लहरें उठने लगीं जिससे यात्रियों ने शोर मचाया और चालक दल से क्रूज को किनारे ले जाने की मांग की। क्रूज में मौजूद रहे एक व्यक्ति ने चालक दल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अंतिम समय में लाइफ जैकेट के लिए अफरा-तफरी मच गई थी।

तंबाकू खाने वाले पुरुषों का राष्ट्रीय औसत 38 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 43 महिलाओं का राष्ट्रीय औसत 8.9 प्रतिशत, जबकि छत्तीसगढ़ में 17.3

तंबाकू के नशे में भी छत्तीसगढ़ आगे, राष्ट्रीय औसत से अधिक और महिलाएं भी खैनी की शौकीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में तंबाकू शौक से आगे बढ़कर नशे का रूप लेता जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के पुरुष एवं महिलाएं, दोनों ही राष्ट्रीय औसत से ज्यादा तंबाकू का सेवन करते हैं। पुरुष करीब 3 फीसदी ज्यादा तंबाकू खाते हैं वहीं महिलाओं का आंकड़ा चिंता में डालता है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं राष्ट्रीय औसत से दोगुना तंबाकू चबा रही हैं। भारत में तंबाकू के सेवन को लेकर जारी किए गए ताजा आंकड़े छत्तीसगढ़ के लिए चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे एनएफएचएस -5) की रिपोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में तंबाकू का सेवन करने वाले पुरुषों और महिलाओं, दोनों की संख्या राष्ट्रीय औसत से काफी ⏭शेष पेज 7 पर

खास खबर

क्षेत्र	पुरुष	महिला
छत्तीसगढ़	43.1	17.3
भारत (औसत)	38.0	8.9
मध्य प्रदेश	46.4	10.3
उत्तर प्रदेश	44.0	8.5
महाराष्ट्र	33.8	11.0
दिल्ली	26.2	2.2

आंकड़ों की जुबानी, छत्तीसगढ़ बनाम भारत

सर्वेक्षण के अनुसार, जहां भारत में औसतन 38 प्रतिशत पुरुष तंबाकू का सेवन करते हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में यह आंकड़ा 43.1 प्रतिशत है। महिलाओं के मामले में स्थिति और भी गंभीर है। देश में तंबाकू सेवन का औसत 8.9 प्रतिशत है, जबकि छत्तीसगढ़ में यह लगभग दोगुना 17.3 प्रतिशत दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी और स्थानीय स्तर पर बीड़ी, गुटखा और खैनी की आसान उपलब्धता ने इस नशे को घर-घर तक पहुंचा दिया है। दक्षिण भारतीय राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में तंबाकू का प्रसार लगभग दोगुना पाया गया है।

राष्ट्रीय औसत से दोगनी महिलाएं यहां खाती हैं खैनी

महिलाओं में बढ़ता रुझानः छत्तीसगढ़ में महिलाओं द्वारा तंबाकू का उपयोग (17.3 प्रतिशत) राष्ट्रीय औसत (8.9 प्रतिशत) से लगभग(8.4 प्रतिशत) अधिक है। यह लक्षद्वीप और उत्तर-पूर्वी राज्यों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों से ज्यादा है। छत्तीसगढ़ की स्थिति उत्तर-पूर्वी राज्यों (जैसे मिजोरम (73.1 प्रतिशत) और त्रिपुरा (57.2 प्रतिशत) से तो बेहतर है, लेकिन मुख्य भूमि के विकसित राज्यों की तुलना में यहाँ नशे का प्रसार बहुत अधिक है। जानकारों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी और स्थानीय स्तर पर बीड़ी व गुटखा की आसान उपलब्धता इस उच्च औसत का मुख्य कारण हो सकती है।

इलाके में सनसनी

जज ने लगाई फांसी बाथरूम में मिला शव

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के ग्रीन पार्क इलाके में एक जज ने आत्महत्या कर ली। 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा कड़कड़डूमा अदालत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के रूप में कार्यरत थे। वे अपने घर में मृत पाए गए। उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या की। घटना के बाद सनसनी फैल गई।

पिता को फोन कर बताया, मैं बहुत परेशान चल रहा हूं

मृतक के रिश्तेदार राजेश शर्मा ने बताया कि अमन शर्मा ने रात 10 बजे अपने पिता को फोन किया था और बोला था मै बहुत परेशान हूं, मेरा जीना मुश्किल हो गया है। पिता ने अमन का हौसला बढ़ाया और पूछा बेटा क्या हुआ? रात में ही पिता अलवर से दिल्ली के लिए निकल गए।

40 हजार से ज्यादा होंगे शामिल

नीट आज, कड़ी जांच के बाद केंद्रों में मिलेगी एंट्री

हरिभूमि न्यूज/ रायपुर। एमबीबीएस, बीडीएस में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-2026) का आयोजन रविवार को होगा। इसके लिए राज्य में 26 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 40 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा में शामिल होने वालों को हल्के कपड़े पहनकर आने, पारदर्शी पानी की बोतल लाने, चप्पल अथवा कम हील वाले जूते पहनने की इजाजत दी गई है। परीक्षा का निर्धारित समय दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक है। सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताओं को देखते हुए छात्रों को सुबह 11 बजे से ही केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में डेढ़ बजे के बाद प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थियों के लिए गाइडलाइन जारी की गई है कि वे पारदर्शी पानी की बोतलें साथ ले जा सकते हैं।

महिला टी20 विश्व कप टीम

यास्तिका नंदिनी की एंट्री प्रतिका-अमनजोत बाहर

एजेंसी ⏭ मुंबई

भारत ने शनिवार को इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में 'अनकैप्ड' (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला ⏭शेष पेज 7 पर

पाक से भिड़ेगी भारतीय टीम

यह टीम विश्व कप से पहले मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 28 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी हिस्सा लेगी। भारत 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ मैच से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। फाइनल पांच जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

समोसा अब 30 रुपए प्लेट, नाश्ता भी महंगा, कई शहरों में बढ़ गए 5 रुपए

तपती गैस, महंगा तेल...समोसा-कचौड़ी का बिगड़ा खेल

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में करीब 1000 रुपए के भारी उछाल ने छत्तीसगढ़ जायके का गणित बिगाड़ दिया है। आसमान छूती गैस की कीमतों के कारण होटल और ठेलों पर समोसा-कचौरी अब 5 से 10 रुपये तक महंगे हो गए हैं। औसत कीमत, प्रति प्लेट समोसा और कचौड़ी 30 रुपए है। कुछ जिलों में कीमत बढ़ गई है वहीं कुछ जगह कीमतों में दस से बीस फीसदी तक इजाफे की तैयारी है। धमतरी समेत कई जिलों में प्रति प्लेट 5 रुपए बढ़ा दिए हैं। महंगे सिलेंडर का असर खाने पीने की सभी चीजों पर पड़ा है। होटल व्यावसायी भारी दबाव में हैं। एक तरफ ग्राहकों की चिंता है वहीं दूसरी तरफ मुनाफे को बचाने की फिक्र है।

जिलों का हालः स्थानीय संचालकों की जुबानी

अलग खबर

रायपुर। राजधानी में होटल व्यवसायी भारी दबाव में हैं। कटोरा तालाब स्थित 'न्यू नेता जी स्वीट्स' के हर्षद चंदानी ने बताया कि पूर्व में दाम बढ़ाकर समोसा 30 से 35 रुपये किया गया था। वहीं अपने स्वाद के लिए पहचाने जाने वाले मधु स्वीट्स के यश नारायण अग्रवाल समोसा 17 रुपये नग और शंकर नगर स्थित 'न्यू दिल्ली ⏭शेष पेज 7 पर

भिलाई (दुर्ग): शहर में नाश्ता 50 फीसदी तक महंगा हो गया है। सुपेला चौक स्थित 'पूजा नाश्ता सेंटर' और रामनगर स्थित 'छोटू स्वीट्स' सहित कई दुकानों में नई दरें लागू कर दी गई हैं। यहां 20 रुपये में मिलने वाली समोसा-कचौरी की प्लेट अब 30 रुपये की हो गई है।

कोरबा व बालोद
कोरबा के संचालकों का कहना है कि सिलेंडर की किल्लत और बढ़ी कीमतों के कारण 15-20 दिनों में 10 से 20 फीसदी रेट बढ़ सकते हैं। बालोद में भी होटल संचालक वर्तमान 20 रुपये की प्लेट को जल्द ही 30 रुपये करने पर विचार कर रहे हैं।

धमतरी: शहर के होटलों में समोसा प्रति प्लेट 5 रुपये महंगा हो गया है। प्रीति स्वीट मार्ट के संचालक पवन जाधव, 'जनार्दन होटल' के संचालक और 'भगवती होटल' के रूपेश राजपूत का कहना है कि कमर्शियल सिलेंडर 2325 से बढ़कर 3328 रुपये का हो गया है, ऐसे में 25 रुपये प्लेट मिलने वाला समोसा अब 30 रुपये में बेचना मजबूरी है।
कांकेर: जिला मुख्यालय में 'वृंदावन होटल' के संचालक भरत केशवानी और 'जय हिंद होटल' के गोलू मंगलानी ने बताया कि वे पहले से ही 30 रुपये प्लेट समोसा बेच रहे हैं, इसलिए फिलहाल दाम नहीं बढ़ाए हैं। वहीं 'यादव होटल' के किशन यादव और 'मोहब्बतें होटल' के संचालक अब भी 25 रुपये के पुराने रेट पर ही नाश्ता दे रहे हैं।

चुनाव खत्म होते ही देश की राजनीतिक धड़कनें तेज हो जाती हैं और इसी के साथ एग्जिट पोल का दौर शुरू होता है। टीवी स्क्रीन, डिजिटल प्लेटफॉर्म व सोशल मीडिया पर आंकड़ों की बाढ़ आ जाती है, जहां हर एजेंसी अपने-अपने अनुमान पेश करती है। ये आंकड़े न सिर्फ राजनीतिक दलों के लिए रणनीतिक संकेत होते हैं, बल्कि आम मतदाता के लिए भी जिज्ञासा और बहस का विषय बन जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या एग्जिट पोल वास्तव में जनादेश का सटीक प्रतिबिंब हैं या महज एक अनुमान, जो कई बार हकीकत से काफी दूर होता है? पिछले कुछ वर्षों में एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। कई चुनावों में इनके नतीजे वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खा पाए, जिससे जनता के बीच अविश्वास की भावना बढ़ी है। खासकर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में, जहां सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक जटिलताएं अधिक हैं, एग्जिट पोल अक्सर वास्तविक जनमत को पकड़ने में असफल रहे हैं। दरअसल, भारत जैसे विशाल देश में कुछ हजार लोगों के सैंपल के आधार पर करोड़ों मतदाताओं के रुझान का सटीक आकलन करना चुनौतीपूर्ण है। फिर भी एग्जिट पोल पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। वे चुनावी प्रवृत्तियों, मतदाता मनोविज्ञान और संभावित राजनीतिक दिशा का एक प्रारंभिक संकेत जरूर देते हैं। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।*

केवल प्रतिक्रियाओं के अनुसार मत न बनाएं

एग्जिट पोल

अवधेश कुमार

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों व कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। इसलिए केवल प्रतिक्रियाओं के आधार पर ही मत नहीं बनाएं।

भारत में ओपिनियन पोल यानी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण हो या एग्जिट पोल मतदान के बाद का सर्वेक्षण ऐसा कोई वर्ष नहीं जब इस पर जबरदस्त विवाद तथा तू -तू -मैं -मैं न होती हो। मतदान के बहुमत की प्रवृत्ति या दिशा जिस पार्टी या समूह के विरुद्ध दिखाई जाती है यानी जिसके पराजित होने की संभावना व्यक्त होती है वह इसका विरोध करता है। हालांकि विरोध सामान्य या तथ्यों के आधार पर प्रश्न उठाया जाए या कोई तार्किक आपत्ति हो तो समस्या नहीं। अगर किसी एजेंसी या मीडिया संस्थान को ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल करने और उसे सामने लाने का अधिकार है तो संबंधित पार्टियों को भी विरोध करने का। किंतु पिछले कुछ वर्षों से ऐसी सभी एजेंसियों और संस्थाओं को भाजपा द्वारा या सरकार द्वारा प्रायोजित बता कर उसकी साख को भी समाप्त करने का अभियान चलता है।

पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल पर तृणमूल कांग्रेस की प्रतिक्रियाएं देख लीजिए। हालांकि इनमें भी ज्यादातर एजेंसियों ने तृणमूल और भाजपा के मतों मटन एवं सीटों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखाया है। हां, ज्यादातर में भाजपा के विजय कि प्रवृत्ति अवश्य दर्शायी गई है। इनमें अंतर इतने महीन हैं कि इन एग्जिट पोलों के आधार पर भी आप निश्चयात्मक नहीं मान सकते कि हां यही परिणाम आएगा। केवल एक एजेंसी टुडेज चाणक्या ने भाजपा को तृणमूल से मतों एवं सीटों दोनों में काफी आगे बताया है। तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेत्री ममता बनर्जी से लेकर अभिषेक बनर्जी, उनके मंत्री, सांसद और यहां तक कि टीवी पर बैठने वाले प्रवक्ता व पैनलिस्ट एजेंसियों और चैनलो पर हमले कर रहे हैं। एक एजेंसी ने घोषणा कर दिया कि पश्चिम बंगाल का एग्जिट पोल नहीं दिखाएंगे और इसके कारण दिए हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों तथा कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक

गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। राजनीतिक दलों, एक्टिविस्टों और पत्रकारों के एक वर्ग की अपनी समस्या है। उन्हें केवल एग्जिट पोल को नकारना है। 2024 लोकसभा चुनाव परिणाम में एग्जिट पोलों के द्वारा दिए गए आंकड़ों से परिणाम भिन्न आए। आवाज यहां तक उठी कि एग्जिट पोल को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। कोई नेता या संगठन दावा करे कि हम इतनी सीटें प्राप्त करेंगे तो उन पर चुनाव प्रक्रिया के बीच आचार संहिता के माध्यम से भी रोक नहीं लग सकती, लेकिन कोई एजेंसी या मीडिया संस्थान ऐसा न करे यह कहां का न्याय होगा? लोकसभा चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश और ओडिशा के ज्यादातर एग्जिट पोल लगभग सही साबित हुए। आंध्र में तेलुगू देशम के नेतृत्व में राजग तथा ओडिशा में भाजपा के लिए बहुमत का आंकड़ा दिया था और परिणाम वहीं आया। 2024 लोकसभा चुनाव में कुल सीटों के अनुसार अवश्य एग्जिट पोल विफल हुए, भाजपा बहुमत से 32 सीट पीछे रह गई। बावजूद भाजपा लोकसभा में इतनी बड़ी पार्टी बनी कि इसके आसपास कोई दल नहीं है। अधिकतर एग्जिट पोल 2024 लोकसभा चुनाव में मुख्यतः तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में विफल साबित हुए। अन्य राज्यों के आंकड़े देखें तो उन्हें आप विफल नहीं कर सकते। 2014, 2019 लोकसभा चुनावों में एग्जिट पोल और परिणाम की दिशा एक रही।

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल वर्तमान चुनाव प्रणाली में मतदाताओं की मनः स्थिति समझने का माध्यम है। ओपिनियन पोल में आप अलग-अलग क्षेत्र में जाते हैं, लोगों से बातें करते हैं और गणना करते हुए निष्कर्ष निकालते हैं। केवल किसको मत देंगे और क्यों देंगे यही प्रश्न नहीं होता। मुद्दों, उम्मीदवारों, नेताओं, उनके कार्यों, विकास आदि इतने प्रश्न होते हैं कि उनसे काफी कुछ धरातली वास्तविकता समझा जा सकता है। तब भी ओपिनियन पोल परिणाम चुनाव परिणाम की प्रवृत्ति से अलग हो सकते हैं। कारण, ये मतदान पूर्व होते हैं और चुनाव अभियानों से लेकर मतदान तक लोगों का मन बदल सकता है। वैसे भी अब आचार संहिता लागू होने के बाद ओपिनियन पोल नहीं दिखाया जा सकता। सर्वेक्षण में पारदर्शिता भी होनी चाहिए। पारदर्शिता का अर्थ है कि आपके सैंपल साइज यानी कितने लोगों से अपने मत पूछा और उनमें किन-किन क्षेत्रों से और किस श्रेणी के लोग थे। आपके सर्वेक्षण करने का तरीका क्या था आदि आदि। पहले मतदान केंद्र के बाहर ही एजेंसियां अपना छाया मतदान पेटी लगाती थी जिसमें निकलने वाले लोग मत डालते थे। बाद में लैपटॉप और टैब से यह काम किया जाने लगा। जहां लैपटॉप टैब नहीं लगा सकते वहां मतदान कर निकलने वालों से पूछ कर नोट किया जाता है या ऑडियो विजुअल टेप रहता है। अगर ईमानदारी और पेशेवर तरीके से एग्जिट पोल हो तथा उनमें आए तथ्यों का आंकड़ों में ठीक से आकलन जाए तो परिणाम की दिशा अवश्य सामने आ जाएगी। चाहे ओपिनियन पोल हो या एग्जिट पोल उनमें आरंभ से ही ईमानदारी और पेशे की वास्तविक समझ की आवश्यकता है। फिर आपके पास सर्वेक्षण आ गए और उनको आंकड़ों में परिवर्तन करने में आप पारंगत नहीं है तो गड़बड़ी हो सकती है। मतदान प्रतिशत के बाद उन्हें सीटों में प्रेषित करना सबसे कठिन काम है। अगर मतदान प्रतिशत में 2,3,4 प्रतिशत का अंतर हो तो परिणाम किसी दिशा में पलट सकता है। इसलिए मत प्रतिशत को सीटों में बदलना जोखिम भरा है। सामान्यतः लोग मत प्रतिशत नहीं सीटें देखते हैं और परिणाम आने के बाद उसी को लेकर हमला करने लगते हैं। तृणमूल कांग्रेस के शासन में विरोधियों के विरुद्ध हुई भयानक हिंसा, भ्रष्टाचार , सत्ता और निहित स्वार्थी तत्वों तथा सिंडिकेट के जुड़ाव के कारण लोगों में असंतोष हो ही नहीं ऐसा कैसे संभव है? इसलिए पार्टियों की आलोचना के आधार पर हम ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल के बारे में मत न बनायें। वैसे भी सोशल मीडिया के माध्यम से नॉरेटिव के हल्ला बोल वाले दौर में सच को झूठ और झूठ को सच बनाना आसान हो गया है। इसलिए स्वयं संबंधित प्रदेश या क्षेत्र के शासन के प्रभावों का मूल्यांकन कर निष्कर्ष निकालें कि वहां क्या हो सकता है। फिर एग्जिट पोल या ओपिनियन पोल के साथ उसकी तुलना करें निष्कर्ष स्वयं निकल जाएगा।

पारदर्शिता से काम करें सर्वे कंपनियां

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

बीते दशकभर में अब एग्जिट पोल्स पर से लोगों का भरोसा उठता हुआ दिखने लगा है। कारण यह है कि एग्जिट पोल्स सटीक तरीके से चुनाव नतीजों के साथ मेल नहीं खा रहे। पिछले कुछ चुनावों में कुछ एग्जिट पोल तो बिल्कुल ही गलत साबित हुए हैं। जैसा कि अभी हाल ही में पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं तो सबकी निगाह यहां बनी हुई है। हाल ही में तमिलनाडु, असम, केरल,पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल हुए चुनावों के एग्जिट पोल जो दिखाए जा रहे हैं, लेकिन इस बार लोग उस पर विश्वास नहीं कर रहे। इस कारण भी सबके सामने हैं, लेकिन अब सवाल यही उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? पहले केवल विधानसभा या लोकसभा एक हजार लोगों से राय लेते थे और उससे ही उस सीट की जीत व हार तय करते थे, लेकिन अब पांच व दस हजार लोगों से राय लेकर भी एग्जिट पोल्स सटीक नहीं बैठ रहे। और ज्ञात हो कि चुनाव संपन्न होने के बाद ही सर्वे कंपनियां अपना रिजल्ट बता दी थी, लेकिन अब पहले चरण में हुए चुनाव से ही अपने रिजल्ट रख देते हैं व इसके अलावा अब आरोप यह लगने लगे कि सर्व कंपनियों को किसी भी पार्टी के पक्ष में हवा बनाए रखने के लिए गलत रिपोर्ट देने लगी जिससे की पार्टी को फायदा हो। दूसरा पहलू यह है कि एग्जिट पोल के सर्वे इस बात पर आधारित होते हैं कि वोटिंग करके मतदान केंद्रों से निकल रहे लोग सही जवाब देंगे लेकिन ऐसा होता नहीं है। कुछ मतदाता वास्तव में झिझकते हैं व कुछ गोलमोल जवाब देते हैं तो कुछ गलत भी बताते हैं। समझा यह भी जाता है कि मतदाता दबाव, डर, सामाजिक परिस्थितियों के चलते खुलकर अपने मत का खुलासा नहीं करते। एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियां सभी मतदान केंद्रों को कवर नहीं कर पातीं। रैंडम सैंपलिंग की कमी और छोटी सैंपल साइज के कारण भी परिणाम गलत हो सकते हैं। अक्सर सर्वे एजेंसियां वोट शेयर का अनुमान तो सही लगा लेती हैं, लेकिन वह वोट किस सीट पर कितना प्रभावी होगा इसका सटीक अनुमान नहीं लगा पातीं। कई बार एग्जिट पोल का इस्तेमाल सत्ताधारी पार्टी माहौल बनाने के लिए किया जाता है। सर्वेक्षकों के पक्षपातपूर्ण रवैये और सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में झुकाव होने के कारण भी परिणाम वास्तविक नतीजों से अलग हो सकते हैं। मतदान के अंतिम चरणों या वोट डालने से ठीक पहले के रुझान सर्वे में कैद नहीं हो पाते जिससे अंतिम परिणाम सर्वे में बताए हुए परिणामों के व विपरीत दिखते हैं। यह बात लगातार दिखने लगी और इस वजह से सर्व की गंभीरता कम होने लगी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले चार दशकों में 833 सर्वेक्षणों जिसमें 386 पूर्व मतदाता पोल यानी ओपिनियन पोल व 447 एग्जिट पोल शामिल है जिसमें लगभग तीन तिहाई सर्वेक्षणों ने सही विजेता पार्टी का अनुमान लगाया। एग्जिट पोल की सफलता दर भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत बताई गई है जाती रही है जबकि पूर्व-मत सर्वेक्षण की सफलता दर सत्तर प्रतिशत से भी ज्यादा थी। कुछ आंकड़ों के अनुसार भारत में एग्जिट पोलों का सटीकता काफी सीमित मानी जाती थी लेकिन अब सबसे ज्यादा अविश्वास हमारे देश में उत्पन्न होने लगा है। एक कहावत भी है कि अति हर चीज की बुरी होती है इसलिए सर्व कंपनियों की कार्यशैली पर लगातार सवालिया निशान खड़े होने से जनता मन में एग्जिट पोल्स की गंभीरता खत्म होने लगी। सर्वे कंपनिया लाखों-करोडों रुपयों खर्च कर सर्व कराती है जिससे चुनाव से पहले एक रोमांच पैदा होने लगा था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। यदि विश्वसनीय को बनाए रखना हो तो सर्व कंपनियों को अपना पैटर्न बदलना होगा जिससे कि उनका काम चलता रहे साथ ही उनके सर्वे पर विश्वसनीयता भी बनी रहे। अन्यथा फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, चेक गणराज्य में भी निर्वाचन स्थल पर एग्जिट पोल भारत में प्रतिबंधित न हो जाए। चूंकि इन देशों का मानना है कि किसी भी चुनाव का पहले से रिजल्ट से देश या राज्य में एक नकारात्मकता फैलती है और जो भी निर्णय होगा वो नेता या पार्टी को स्वीकार करना चाहिए। वहीं इससे किसी भी नेता या पार्टी जीतने व हारने को लेकर सट्टेबाज करोडो का सट्टा लगाते हैं जिससे अव्यवस्था फैलती है। एक नजरिये से यह सही लगता है सर्वे नही होना चाहिए चूंकि निर्णय की जिज्ञासा का बना रहना जरूरी है। इसलिए सर्वे हो तो इसकी विश्वसनीयता बनी रही या फिर न हों।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का माध्यम हैं, लेकिन घटती सटीकता व पक्षपात के आरोपों ने भरोसा कमजोर किया है। विश्वसनीय बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, बेहतर सैंपलिंग और निष्पक्षता जरूरी है, अन्यथा इनकी उपयोगिता पर सवाल उठते रहेंगे।

एग्जिट पोल की सटीकता पर उठते गंभीर सवाल

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

चुनाव खत्म होते ही देशभर में सबसे ज्यादा चर्चा अगर किसी चीज की होती है, तो वह है एग्जिट पोल। वोटिंग खत्म होने के कुछ घंटों बाद टीवी चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर सीटों के अनुमान आने लगते हैं। लोग यह जानने को उत्सुक रहते हैं कि आखिर किसकी सरकार बन सकती है। राजनीतिक दल भी एग्जिट पोल पर नजर रखते हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या एग्जिट पोल पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है? दरअसल, भारतीय चुनावों में एग्जिट पोल के परिणाम अक्सर वास्तविक नतीजों से अलग पाए जा रहे हैं, जिससे उनकी सटीकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले कुछ चुनावों का इतिहास दर्शाता है कि कई बार एग्जिट पोल के अनुमान गलत साबित हुए हैं। पश्चिम बंगाल इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जहां 2021 और 2016 के विधानसभा चुनावों में एग्जिट पोल ने कांटे की टक्कर या अलग परिणाम दिखाए थे, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। दरअसल, कई बार एग्जिट पोल और असल नतीजों में मामूली अंतर होता है। लोगों के मन में सवाल है कि एग्जिट पोल स्टीक क्यों नहीं हो पाते हैं। करीब 100 करोड़ के मतदाताओं वाले देश में चंद हजार लोगों से बातचीत के आधार पर एग्जिट पोल का सर्वे किया जाता है। एग्जिट पोल में शामिल होने वाला मतदाता क्या सच बोल रहा है या नहीं ये भी एक बड़ा सवाल है। वहीं, विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में कई पोलिंग बूथ होते हैं। एग्जिट पोल का सर्वे करने वाली एजेंसियां क्या सभी पोलिंग बूथ पर मतदाताओं से बात करती हैं या कुछ एक बूथ पर ही जाती हैं। हर पोलिंग बूथ और क्षेत्र में मतदाताओं का रुझान अलगः अलग होता है। पिछले तीन दशक में ऐसे कई मौके आए हैं जब एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरा है। बता दें, एग्जिट पोल की शुरुआत भारत में सबसे पहले 1970 अंत और 1980 के दशक के शुरू में हुई थी। ये शुरुआती पोल बहुत ही बुनियादी थे और कुछ अग्रणी संगठनों और मीडिया घरानों द्वारा संचालित किए गए थे। वे काफी हद तक प्रयोगात्मक थे और परिष्कृत नमूनाकरण तकनीकों और डेटा विश्लेषण उपकरणों की कमी के कारण हमेशा सटीक नहीं होते थे। 1990 के दशक में एग्जिट पोल की संख्या और दायरे में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और निजी टेलीविजन चैनलों के आगमन के साथ, मीडिया घरानों ने राजनीतिक कवरेज और विश्लेषण में अधिक निवेश करना शुरू कर दिया। इस अवधि में विशेषीकृत मतदान एजेंसियों का उदय भी हुआ। अपनी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, इस समय के दौरान एग्जिट पोल को अक्सर उनकी अशुद्धियों और मतदाता व्यवहार पर संभावित प्रभाव के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया पर एग्जिट पोल के संभावित प्रभाव पर ध्यान देना शुरू किया। 1998 में आयोग ने मतदाताओं को प्रभावित करने से बचने के लिए मतदान के कुछ चरणों के दौरान एग्जिट पोल के प्रकाशन को प्रतिबंधित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, मतदान एजेंसियों ने अधिक परिष्कृत तरीके अपनाना शुरू कर दिया। कम्प्यूटरीकृत डेटा संग्रह और विश्लेषण ने एग्जिट पोल की सटीकता और विश्वसनीयता में कुछ हद तक सुधार अवश्य हुआ। इस अवधि में भारत में अध्ययन के एक सम्मानित क्षेत्र के रूप में सेफोलॉजी का उदय भी देखा गया। स्पष्ट है, जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है-एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही- इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं। यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं; लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें। क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का उपयोगी माध्यम हैं, लेकिन सीमाएं व त्रुटियां नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। इन्हें अंतिम परिणाम मानना भ्रम पैदा करता है। बेहतर होगा कि इन्हें केवल संकेत के रूप में देखें।

चुनाव विश्लेषण : नतीजों से पहले परिणाम की जंग

चिंतन

चरणजीत 'चरण'
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में चुनाव विश्लेषण (एग्जिट पोल) सरकार के बदलने विधायक, सांसद, बदलने की सम्भावना प्रक्रिया मात्र नहीं है, बल्कि भारत का एग्जिट पोल अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग तरह से उसका विश्लेषण करने गुना-भाग करने और परिणाम घोषित होने से पहले अपने आकड़ों पर डिबेट करने का एक माध्यम है। भौतिक रूप से बेशक इसका कोई फायदा नज़र न आता हो, लेकिन तकनीकी रूप से इस प्रक्रिया के द्वारा भी लोकतंत्र की मज़बूती का मार्ग प्रसस्त होता है। जो लोग चुनाव में थोड़े निष्क्रिय रहते हैं वो भी अपने पसंद के उम्मीदवार और पार्टी तय कर लेते हैं। इन सभी चुनावी प्रक्रियाओं में वोटिंग से लेकर रिजल्ट आने तक के चार पांच दिनों में मतदाता कहीं थका हुआ या ठगा मासूस ना करे तो उसके लिए चुनाव वाले दिन या उससे एक दो दिन आगे एग्जिट पोल की व्यवस्था है। एग्जिट पोल की के माध्यम से ये जानने की कोशिश की जाती है कि मतदाता का रुझान किस तरफ है। वह वर्तमान सरकार को बदलना चाहता है या उसे एक मौक़ा और देना चाहता है। चुनावी विशेलषक या सेफोलॉजिस्ट एग्जिट पोल के द्वारा जुटाए गए आकड़ों के माध्यम से मतदाता के मनोविज्ञान को जानने की कोशिश करते हैं। हालांकि भारतीय मतदाता अपने सात दशकों के लोकतंत्र में इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा। शायद यही कारण है कि कई बार एग्जिट पोल बुरी तरह उलट जाते हैं। एग्जिट पोल के इतिहास में ऐसा अनेक बार हो चुका है जब अधिकतर एग्जिट पोल जिधर इशारा करते हैं परिणाम उसके बिलकुल उलट होता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे समाज में ये संभव ही नहीं है कि कोई विश्लेषक एग्जिट पोल के सटीक परिणाम तक पहुंच सके। इसके पीछे अनेक कारण हैं। जहां एक विधानसभा में मतदाताओं की संख्या तीन से चार लाख तक होती है वहां पांच सौ या हज़ार लोगों की पसंद के आधार पर पूरी विधान सभा का विश्लेषण करना कठिन है। इसके अतिरिक्त

भारतीय मतदाता इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा।

भारत में भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र, स्त्री, पुरुष, किसान, मजदूर, युवा, नौकरी-पेशा बेरोजगार, गांव, शहर में बंटे मतदाता की समस्याएं और उसके विचार अलग हैं। इसी आधार पर लोग वोट भी करते हैं। इसलिए चुनाव के पश्चात कुछ लोगों की राय के आधार पर हार-जीत का विश्लेषण करना चुनौती पूर्ण रहता है। पिछले कई वर्षों के एक्सिटपोल के आकड़ों पर यदि नज़र डाले तो जहां दो पार्टियों में कांटे का मुकाबला होता है वहां 1% का मतान्तर भी आकड़े को 40/60 में बदल देता है। अगर यही अनुपात तीन चार प्रतिशत तक चला जाए तो एक पार्टी को दो तिहाई बहुमत तक मिल जाता है ऐसी स्तिति में किसी भी सेफोलॉजिस्ट के लिए कुछ सैंपल साइज़ के आदर पर सटीक आकड़े देना बहुत कठिन कार्य है। 2023 और 2024 के छत्तीसगढ़ और हरियाणा के चुनाव इसका सटीक उदाहरण है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव में जहां लगभग सभी एग्जिट पोल जिस पार्टी के पक्ष में थे उसे हार का सामना करना पड़ा। उसी तरह 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी एक्सिटपोल जिस रूलिंग पार्टी के विपरीत जा रहे थे उसे तीसरी बार बहुत मिला। कई सेफोलॉजिस्ट का मानना है कि भारत में जातीय और धार्मिक रूप से पिछड़े, दबे, कुचले मतदाता अपनी राय सार्वजानिक करने से डरते हैं। या उनके मन में थोड़ी हिचकिचाहट रहती है। इस भाव को सर्पिल ऑफ साइलेन्स कहा जाता है। 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव इसका सटीक उदाहरण है जहां अधिकतर पोल महागठबंधन की जीत का पूर्व आंकलन नहीं कर सके और परिणाम परिणाम एग्जिट पोल के बिलकुल विपरीत निकले। क्योंकि बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अक्सर दलित और पिछड़े मतदाता अंतिम क्षण तक खुलकर बात नहीं कर पाते। कुल मिलाकर निष्कर्ष ये निकलता है कि एग्जिट पोल मतदाता की मनःस्थिति का आंकलन नहीं है। बल्कि संभावित परिणाम का मात्र एक चित्र है। एक सेफोलॉजिस्ट समाज के भीतर चल रहे विचार, समस्या और संभावनाओं का आंकलन करता है। आकड़ों को सटीकता तक पहुंचाना हमेशा चूनौतीपूर्ण ही रहेगा। क्योंकि भारत का विविधतओं से भरा समाज व मर्यादाओं में बंधी संस्कृति शायद कभी एक मतदाता को ये इजाज़त नहीं देगी कि वह अपने मत की गोपनीयता को भंग कर दे। भारत में मतदाता की चुप्पी एक तरह से पुरे चुनाव को व्यावहारिक और रोमांचक बनाती है। और यह चुप्पी बनी रहनी चाहिए यही लोकतंत्र के हित में भी है।

रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग से कयासों के भंवर में दल

दृष्टिकोण

अम्बरीष प्रजापति
स्वतंत्र स्तंभकार

पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में इस बार का मतदान प्रतिशत एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर चुका है, जिसने दुनिया भर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। 23 और 29 अप्रैल को संपन्न हुए दो चरणों के इस महाकुंभ में जनता ने जिस तरह दिल खोलकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह इस बात का साक्ष्य है कि बंगाल का मतदाता अपने भविष्य को लेकर कितना जागरूक और मुखर है। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब और लंबी-लंबी कतारें महज एक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि एक बड़े बदलाव या एक बड़े समर्थन की मौन पदचाप थीं, जिसका असली खुलासा अब 4 मई को होगा। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां अपनी 'माटी और मानुष' की राजनीति को सुरक्षित रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है, वहीं बीजेपी ने बंगाल में भगवा परचम लहराने के लिए अपनी पूरी सांगठनिक शक्ति झोंक दी है। इस बार के चुनावों में मतदान का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना दोनों ही खेमों के लिए कशमकश और कयासों का केंद्र बना हुआ है। राजनीतिक गलियारों में यह बहस छिड़ गई है कि आखिर यह बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत किसके हक में जाएगा। क्या यह सत्ता विरोधी लहर का प्रतीक है या फिर मौजूदा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। चुनाव के संपन्न होते ही बंगाल की आबोहवा में दावों और प्रतिदावों का दौर शुरू हो गया है। टीएमसी का मानना है कि महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं, ग्रामीण विकास और स्थानीय अस्मिता के मुद्दे ने जनता को घरों से बाहर निकाला है। उनका तर्क है कि जब जनता बड़े पैमाने पर वोट करती है, तो वह अक्सर स्थिर सरकार और लोकप्रिय नेतृत्व के पक्ष में होता है। दूसरी ओर, बीजेपी के खेमे में भी उत्साह की कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, यह भारी मतदान परिवर्तन की आकांक्षा का सूचक है। बीजेपी का मानना है कि जनता भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों पर आक्रोशित है और इसी

पोल ऑफ पोल्स की स्थिति इतनी धुंधली है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को बढ़ा रही है।

आक्रोश ने उन्हें मतदान केंद्रों तक खींचा है। दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक, हर कोई अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त तो दिख रहा है, लेकिन भीतर ही भीतर एक अनजाना डर और संशय भी बना हुआ है। बंगाल का यह चुनाव कई मायनों में अनूठा रहा। अब एग्जिट पोल के आंकड़ों ने इस कशमकश को और भी बढ़ा दिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में जहां कुछ एजेंसियां बीजेपी को बहुमत के करीब दिखा रही हैं, वहीं कुछ अन्य टीएमसी की वापसी की भविष्यवाणी कर रही हैं। 'पोल ऑफ पोल्स' की स्थिति भी इतनी धुंधली है कि किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना फिलहाल जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को द्विगुणित कर रही है। जब 4 मई को मतपेटियां खुलेंगी और ईवीएम के बटन दबेंगे, तब पता चलेगा कि जनता ने वास्तव में किसे अपना भाग्य विधाता चुना है। क्या ममता बनर्जी की 'हैट्रिक' के बाद चौथी बार सत्ता की चाबी उनके पास रहेगी या फिर सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी बंगाल की सत्ता के गलियारों में पहली बार प्रवेश करेगी। इस बार के चुनावों में निर्वाचन आयोग की भूमिका और सुरक्षा इंतजामों की भी चर्चा लाजिमी है। छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़ दें, तो मतदान की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे पार कर लिया गया है। मतदाता सूची में किए गए संशोधनों और विशेष सर्वेक्षणों के कारण इस बार मतदाताओं की संख्या में जो बदलाव आए, उसने भी प्रतिशत के आंकड़ों को प्रभावित किया है। लेकिन इन तकनीकी पहलुओं से परे, सबसे महत्वपूर्ण पहलू मतदाता का वह मौन संकल्प है जो उसने ईवीएम के अंदर दर्ज किया है। बंगाल की जनता अपनी चुप्पी के लिए जानी जाती है और अक्सर यह चुप्पी बड़े-बड़े दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य को धाराशायी कर देती है। अंततः बीजेपी और टीएमसी के बीच की यह कसमकश इस बात का प्रतीक है कि लोकतंत्र में कोई भी पद स्थायी नहीं है और जनता ही सर्वोपरि है। तब तक कयासों का बाजार गर्म रहेगा, चर्चाएं चलती रहेंगी और धड़कनें बढ़ी रहेंगी। बंगाल ने अपना फैसला सुना दिया है, बस उसका सार्वजनिक होना बाकी है। सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा, यह तो वक्त की कोख में है, लेकिन इस रोमांचक मुकाबले ने यह जरूर साबित कर दिया है कि बंगाल की राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है।

क्या 'भूत बंगला' में किरदार छोटा होने से खफा हैं तब्बू..?

मुंबई। फिल्म 'भूत बंगला' सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 'हेरा फेरी' (2000) के बाद, अक्षय कुमार और तब्बू ने इस फिल्म से 25 साल बाद साथ में वापसी की है। काफी वक्त से चर्चा थी कि फिल्म में कथित तौर पर किरदार छोटा किए जाने के कारण तब्बू निर्माताओं से खफा हैं। यह भी कहा गया कि अक्षय ने उनका किरदार छोटा कराया था। अब निर्देशक प्रियदर्शन ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। पिंकविला से बातचीत में, निर्देशक ने दावों को खारिज करते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि ये नकारात्मक खबरें कौन और क्यों फैला रहा है। मैं 'भूत बंगला' का निर्देशक हूं।

लाइफ Style

सान्या

'पगलैट' बनकर करेंगी दमदार वापसी

एजेंसी ⏭ मुंबई

सान्या मल्होत्रा ने अपने करियर में हमेशा अलग-अलग तरह की भूमिका निभाकर दर्शकों को प्रभावित किया है। साल 2021 में उनकी फिल्म 'पगलैट' आई थी जो एक डार्क कॉमेडी ड्रामा थी। इस फिल्म में अभिनेत्री ने एक ऐसा चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया था जो शादी के तुरंत बाद विधवा हो जाती है।

ताजा खबर है कि नेटफ्लिक्स पर आई यह फिल्म सीक्वल के साथ दोबारा दर्शकों का मनोरंजन करने लौटेगी। यह सिखिया एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स इंडिया की साझेदारी का प्रतीक होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सिखिया एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स इंडिया अपनी डार्क ड्रामा-कॉमेडी फिल्म के सीक्वल 'पगलैट 2' के लिए साथ आ रहे हैं। सीक्वल पर काम शुरू हो चुका है और सान्या अपने किरदार 'संध्या गिरी' के रूप में वापसी करेंगी। मूल फिल्म के निर्देशक उमेश बिष्ट ही सीक्वल का निर्देशन करेंगे और कहानी को एक नए दृष्टिकोण से आगे बढ़ाएंगे। हालांकि यह तय नहीं हुआ है कि सीक्वल पहले भाग की कहानी को आगे बढ़ाएगा या नई कहानी लाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं द्वारा सीक्वल में पहले भाग की तरह ही हास्य और भावनात्मक गहराई का अनूठा मिश्रण बरकरार रखा जाएगा। फिल्म की शूटिंग अगस्त या अक्टूबर, 2026 के आसपास से शुरू होने की उम्मीद है। काम की बात करें, तो सान्या को आखिरी बार राजकुमार राव की फिल्म 'टोस्टर' में देखा गया था। यह फिल्म हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। आने वाले दिनों में अभिनेत्री बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' (5 जून, 2026) में दिखेंगी।

हॉलीवुड मसाला

पहले ही दिन 1.95 करोड़ की

कमाई की...

लॉस एंजिल्स। 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। लोगों की तरफ से फिल्म को लेकर पॉजिटिव रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' का सीक्वल है, जिसे नए अंदाज में बनाया गया है। आइए जानते हैं फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस और वर्ल्डवाइड कितना कलेक्शन किया है। हॉलीवुड फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' एक मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रिलीज के बाद से ही फिल्म सुर्खियों में थी। फिल्म ने भारत में खबर लिखे जाने तक टोटल नेट 1.95 करोड़ की कमाई कर ली है। फिलहाल इसके आंकड़ों में बढ़ोतरी हो सकती है।

नशा और बेकाबू रफ्तार पर ब्रिटनी पर आरोप तय...

लॉस एंजिल्स। पॉप स्टार ब्रिटनी स्पीयर्स पर कैलिफोर्निया में शराब और ड्रग्स के प्रभाव में गाड़ी चलाने का औपचारिक आरोप दर्ज किया गया है। ये मामला मार्च 2026 की उस घटना से जुड़ा है, जब उन्हें अपनी कार को लापरवाही से चलाने के लिए रोका गया था। फिलहाल, ब्रिटनी स्वेच्छा से एक रिहैब सेंटर में अपना इलाज करा रही हैं, जबकि इस मामले में उनकी कोर्ट में सुनवाई सोमवार को होनी तय हुई है। सोमवार 4 मई को होने वाली सुनवाई में उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की जरूरत नहीं है, उनकी जगह वकील पक्ष रखेंगे। कैलिफोर्निया के वेंचुरा काउंटी जिला अटॉर्नी कार्यालय ने उन पर शराब और ड्रग्स के संयुक्त प्रभाव में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया है।

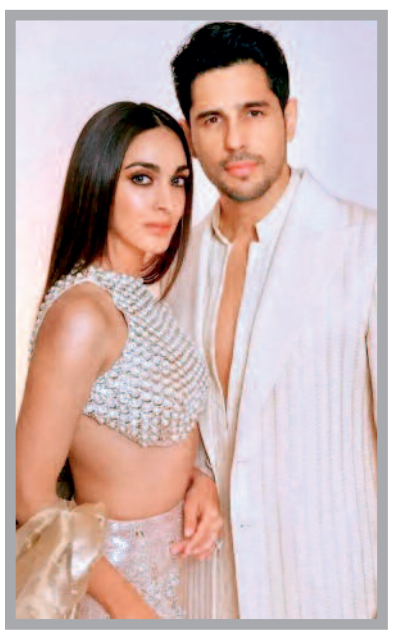

सिद्धार्थ- कियारा की पर्दे पर होगी वापसी

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी अब एक बेटी के माता-पिता बन चुके हैं। हालांकि उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत फिल्म 'शेरशाह' (2021) के सेट पर हुई थी और दोनों की जोड़ी को फैंस ने खूब पसंद किया था। लगता है कि यह जोड़ा एक बार फिर फिल्मी पर्दे पर साथ आने की तैयारी कर रहा है। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि अभिनेता की ताजा इंस्टाग्राम पोस्ट देखकर लोगों ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया है। सिद्धार्थ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शूटिंग की एक तस्वीर साझा की है। पीछे से ली गई तस्वीर में उनके साथ कियारा भी मौजूद हैं और दोनों कैमरे की ओर देख रहे हैं। जहां अभिनेता ने सफेद शर्ट के साथ नील जींस पहनकर कैजुअल लुक लिया, तो वहीं कियारा ने गुलाबी धारीदार शर्ट और सफेद पैंट पहनी है।

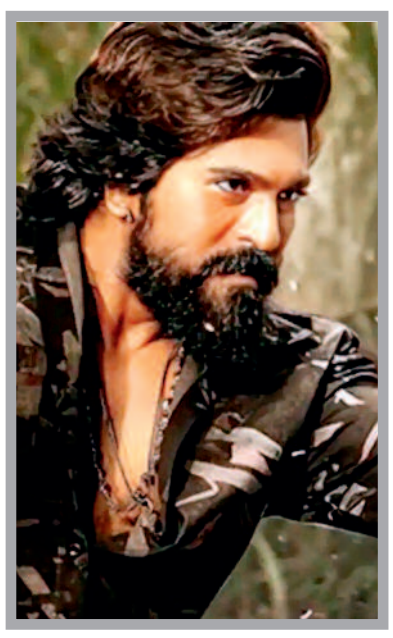

'पेड्डी' को मिली नई रिलीज तारीख...

मुंबई। सुपरस्टार राम चरण और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' एक बार फिर चर्चा में हैं। निर्माताओं ने आधिकारिक ऐलान करते हुए आखिरकार इसकी नई रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। पहले फिल्म अप्रैल में रिलीज करने की तैयारी थी, लेकिन निर्देशक बुची बाबू सना ने इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया। उन्होंने बची हुई शूटिंग का हवाला देते हुए रिलीज को स्थगित करने ऐलान किया था। हालांकि, अब 'पेड्डी' को जून में रिलीज किया जाएगा। संगीतकार एआर रहमान ने 'पेड्डी' का नया पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'दृढ़ संकल्प ही उसकी कहानी है। दृढ़ निश्चय ही उसका हथियार है। #पेड्डी 4 जून, 2026 को विश्वव्यापी रिलीज।' पहले 4 जून को यश अभिनीत फिल्म 'टॉक्सिक' को रिलीज होना था, लेकिन अब उसे टाल दिया गया है।

टीवी मसाला

'सिंगल हूं, कमजोर नहीं', एक शो से रातोंरात स्टार बनी थीं एक्ट्रेस...

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ, करियर और जिंदगी के संघर्षों को कई राज खोले हैं। रश्मि ने बताया कि उन्होंने जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन हर मुश्किल के बाद खुद को और मजबूत बनाया है। रश्मि ने कहा कि वह खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला मानती हैं। उनके मुताबिक जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य है और हर इंसान को बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वक्त के साथ हर चीज बदलती है, इसलिए इंसान को भी आगे बढ़ते रहना चाहिए। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि उन्होंने जिंदगी से सबसे जरूरी बात यही सीखी है कि कभी रुकना नहीं चाहिए। अगर इंसान रुक जाता है तो पीछे छूट जाता है। मुश्किल समय में भी आगे बढ़ते रहना ही असली हिम्मत है। बता दें कि अपने करियर में रश्मि देसाई ने कई हिट और सुपरहिट शोज में काम किया है लेकिन जो पहचान और घर-घर में उन्हें पहचाना गया है, वो शो है 'उतरन'। इस शो में तप्पू का किरदार निभाकर तो वह रातोंरात स्टार बन गई थी। शो में नेगेटिव रोल में उन्होंने जान फूंक दी थी।

कपिल फिर खोलेंगे मस्ती का पिटारा

नई दिल्ली। कॉमेडियन कपिल शर्मा इन दिनों आगामी फिल्म 'दादी की शादी' को लेकर चर्चा में हैं। नीतू कपूर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म सिनेमाघरों में 8 मई, 2026 को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। हालांकि इससे पहले कपिल अपनी कॉमेडी की टोली के साथ वापसी करेंगे और दर्शकों को हंसी की डोज देंगे। अगर आप सोच रहे हैं कि उनका 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' लौट रहा है, तो आप सही हैं, लेकिन यहां एक ट्विस्ट भी है।

विश्व हास्य दिवस पर दर्शकों को मिलेगा तोहफा : नेटफ्लिक्स ने ऐलान किया है कि विश्व हास्य दिवस के खास अवसर पर कपिल का शो एक दिन के लिए वापसी करेगा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मस्ती की कमी खल रही है? हम दोनों को! विश्व हास्य दिवस के अवसर पर इस शनिवार को एक विशेष एपिसोड भी प्रसारित किया गया। बता दें, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के अब तक 4 सीजन आ चुके हैं।

सिनेमा के शौकीनों के लिए मई में धमाल मचाने आएंगी कई फिल्में

मुंबई। फिल्मों के शौकीनों के लिए आने वाला मई का महीना जबरदस्त मनोरंजन से भरपूर होने वाला है। रितेश देशमुख से लेकर आयुष्मान खुराना तक, कई सितारे अपनी फिल्मों के साथ सिनेमाघरों का रुख करेंगे। इन फिल्मों में ऐतिहासिक ड्रामा, कॉमेडी, थ्रिलर और रोमांच से भरपूर कई शैली शामिल हैं, जिन्हें दर्शक अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से देख सकते हैं। चलिए मई, 2026 में सिनेमाघरों में आने वाली सभी फिल्मों की सूची पर एक नजर डालते हैं।

'राजा शिवाजी' और 'एक दिन' : रितेश द्वारा निर्देशित और अभिनीत ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' 1 मई को रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में अभिनेता छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार को पर्दे पर जीवंत करते दिखाई देंगे। उनके साथ जेनेलिया डिसूजा, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। इसी दिन सिनेमाघरों में जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन' भी रिलीज होगी। यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शन के तहत किया गया है।

'कृष्णावतारम', 'आखिरी सवाल' और 'दादी की शादी' : भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित पौराणिक फिल्म 'कृष्णावतारम' का पहला भाग 7 मई को रिलीज होगा। इसमें सिद्धार्थ गुप्ता और संस्कृति जयना मुख्य किरदार में हैं। संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' 8 मई को रिलीज हो रही है। अभिजीत मोहन वारंग द्वारा निर्देशित और निखिल नंदा, संजय दत्त द्वारा निर्मित यह फिल्म देश के संवेदनशील ऐतिहासिक विषयों पर आधारित है। इसी दिन नीतू कपूर और कपिल शर्मा की कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'दादी की शादी' भी रिलीज हो रही है।

'पति पत्नी और वो 2' और 'चांद मेरा दिल' : आयुष्मान, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' 15 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित यह कार्तिक आर्यन की फिल्म ' पति पत्नी और वो' (2019) का सीक्वल है। एक हफ्ते बाद, 22 मई को अनन्या पांडे और लक्ष्य अभिनीत फिल्म 'चांद मेरा दिल' सिनेमाघरों का रुख करेगी। करण जौहर द्वारा निर्मित यह फिल्म प्यार और दर्द के इर्द-गिर्द बुनी गई एक भावनात्मक प्रेम-कहानी है।

'क्रांतिवीर' का वो आखिरी सीन, जिसने नाना पाटेकर को बनाया रील की दुनिया का बादशाह

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता नाना पाटेकर की फिल्म क्रांतिवीर 1994 में रिलीज हुई थी। मेहुल कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म के डायलॉग्स आज भी लोगों के जहन में है। खासकर नाना पाटेकर का 'आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने'. इस सीन को लेकर खुद अभिनेता ने बताया कि यह दृश्य शूट करने का कोई प्लान नहीं था। जानिए फिर कैसे बना यह सीन।

नाना पाटेकर ने क्या कहा?

अभिनेता नाना पाटेकर ने एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया था। उन्होंने कहा कि 'क्रांतिवीर' का आखिरी का सीन जो था वो लिखा हुआ ही नहीं है। आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने, उसे तो ऐसे ही बोल दिया था। फिल्म के क्लाइमैक्स सीन से पहले नाना पाटेकर बीमार हो गए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके दूसरे दिन ही उस सीन की शूटिंग होनी थी। फिल्म के डायरेक्टर मेहुल कुमार अभिनेता ने मिलने पहुंचे और उनसे नाना पाटेकर ने कहा कि वो तय समय पर ही क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग करेंगे। इसके बाद अभिनेता ने अस्पताल से छुट्टी ले ली।

एक ही टेक में पूरा किया सीन

उस सीन के लिए डायरेक्टर ने नाना पाटेकर से कहा कि जो उन्हें मन में आए बोल दें। थोड़ी देर प्रैक्टिस करने के बाद अभिनेता ने अपने बनाए शब्दों को बोल डाला और एक ही टेक में शूटिंग पूरी हो गई। फिल्म रिलीज के बाद यह सीन सबसे यादगार बन गया और आज भी लोगों के रील्स में यह डायलॉग दिख जाता है।

फिल्म के बारे में

इस फिल्म में नाना पाटेकर के साथ डिंपल कपाड़िया, ममता कुलकर्णी, परेश रावल जैसे कलाकार नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी। फिल्म की कहानी की बात करें, तो अपने परिवार द्वारा बेदखल किए जाने पर, एक किशोर जुआरी, प्रताप (नाना पाटेकर) मुंबई आता है, जहाँ उसे लक्ष्मीनाथ (परेश रावल) द्वारा अपनाया जाता है। हालांकि, जब लक्ष्मीनाथ की हत्या हो जाती है, तो प्रताप बदला लेने की कसम खाता है।

जब कुमार सानू से बंदूक की नोक पर गवाया गया एक ही गाना 16 बार...

मुंबई। सन 90 के दशक के सबसे लोकप्रिय गायकों में से एक कुमार सानू अपनी सुरीली आवाज से आज भी कई लोगों के दिलों पर राज करते हैं। गायक ने एक बार ऐसा खुलासा किया था कि सब हैरान हो गए थे. उन्हें बंदूक की नोक पर 16 बार गाना गाने के लिए मजबूर किया गया था और वे बड़ी मुश्किल से वहां से जान बचाकर भागे थे। चलिए जानते हैं वो चौंका देने वाला किस्सा।

'हवा में गोलियां चलाते थे'

गायक कुमार सानू एक बार कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो में शामिल हुए थे। वहां उन्होंने बताया कि वह एक बार बिहार के पटना में अपनी प्रस्तुति देने गए थे। उसी दौरान उन्होंने कहा, 'कुछ देर बाद, मैंने देखा कि उनमें से कुछ लोग एके47 राइफलों के साथ आगे बैठे थे और मैं जो भी गाने गाता था, वे हवा में गोलियां चलाते थे।' गायक ने बताया कि गोलीबारी के कारण कार्यक्रम में लगे तम्बू में लगभग 60 से 70 छेद हो गए थे, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज करते हुए अपना प्रदर्शन जारी रखा।

जब तान दी बंदूक

गायक ने यह भी बताया कि उन्होंने उस व्यक्ति को समझाने की कोशिश की कि वे उससे अलग गाना गाएंगे, लेकिन सब व्यर्थ रहा। कुमार सानू ने बताया कि उस व्यक्ति ने उन पर बंदूक तान दी और उन्होंने फिर से वही गाना गाना शुरू कर दिया। उन्होंने उस दिन वह गाना 16 बार गाया। उन्होंने आगे बताया, 'वे बंदूकें लेकर मंच पर आए और गाना गाने लगे। जब मैंने देखा कि मामला बिगड़ रहा है, तो मैं जल्दी से पीछे से निकल गया और पास के एक होटल में रुक गया। वहां सुबह 5 बजे तक गोलीबारी जारी रही।

जब डर गए सिंगर

आगे बताते हुए गायक ने बताया, 'मैंने 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गाना शुरू किया और जैसे ही मैंने गाना बदला, राइफल लिए एक आदमी आया और मुझसे पूछा कि आपको यह गाना बंद करने के लिए किसने कहा। वह आदमी शराब के नशे में था और उसने यह भी कहा कि यह उसका पसंदीदा गाना है। फिर उसने मुझसे कहा, 'सानू जी, मैं यह गाना एक बार और सुनना चाहता हूं और आपको मेरे लिए यह गाना गाना होगा।' यह सुनकर मैं डर गया।'

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 3 मई 2026

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटरः मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरीः इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिसः सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्गुएंट बिहेवियरः यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

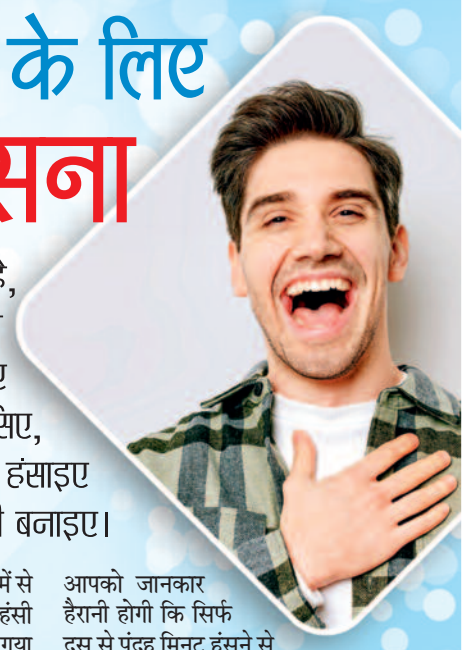

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना हैः अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायकः हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं।

आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूतः हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावरः दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए आंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

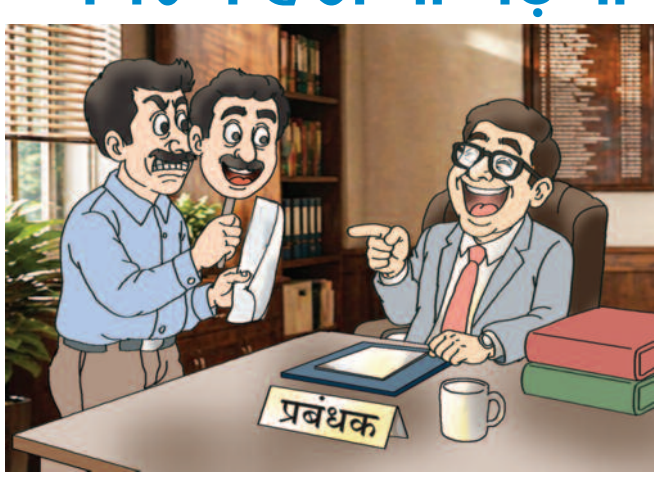

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिकाः पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादकः** देवांशु, **मूल्यः**125 रुपए, **प्रकाशन स्थलः** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

खबर संक्षेप

ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, मौत

धमतरी। नेशनल हाईवे से गुजर रहे बाइक सवार को ट्रक ने चपेट में ले लिया। इस घटना में बाइक

सवार की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम बाइक क्रमांक सीजी 19 पीयू 3321 शहर से गुजरे नेशनल हाईवे से जा रही थी। इसी दौरान रत्नाबांधा चौक में तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक सीजी 07 सीए 1684 के चालक ने बाइक सवार को चपेट में ले लिया। बताया गया है कि बाइक ट्रक के सामने घुस गई। वहीं ट्रक का पहिया चालक के उपर से गुजर गया। इस घटना में युवक बुरी तरह कुचल गया। युवक को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक का नाम छन्नू बताया जा रहा है। वह गुरुर क्षेत्र का रहने वाला है। हटकेशर में उसका ससुराल होना बताया जा रहा है। फिलहाल मृतक के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस को उसके परिजनों के आने का इंतजार है।

महिला की मौत पर मर्ग कायम

कांकेर। थाना बांदे अंतर्गत थानापारा बांदे निवासी 60 वर्षीय सावित्रि बाछड़ा पति कालीपद बाछड़ा का 21 अक्टूबर को मौत हो गया। थाना गोलबाजार रायपुर से बिना नंबरी मर्ग कायम कर असल नंबरी मर्ग कायम करने के लिए बांदे थाना पेश किया गया गया।

मां-बाप के साथ मारपीट

महासमुंद। नशे की हालत में अपने मां-बाप के साथ मारपीट के मामले में बसना थाने में आरोपी के विरूद्ध अपराध दर्ज किया गया है। रामपुर के उद्धव कोसरिया ने पुलिस को बताया कि उसका बड़ा भाई डिग्रीलाल कोसरिया कोई काम नहीं करता है और घर में झगड़ा-विवाद कर मारपीट करता रहता है। एक मई की रात करीब 8 बजे डिग्रीलाल कोसरिया शराब के नशे घर आया और पैसा मांगने लगा। पैसा नहीं देने पर उसने पिता जगदीश कोसरिया एवं माता गणेशी बाई के साथ विवाद कर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और डंडा व पाटा से मारपीट किया।

आरोपियों के जंगल में घेराबंदी कर हिरासत में लिया

जादू टोना के संदेह में दिनदहाड़े की सगे भाइयों ने गला रेतकर ग्रामीण की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- हत्याकांड को अंजाम देने वाले दोनों आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

पखनार चौकी क्षेत्र के मुन्देनार में एक ग्रामीण की उस समय हत्या कर दी गई जब वह अपने घर के सामने कुछ काम कर रहा था। पुरानी रजिंश के चलते जादूटोना का आरोप लगाकर दो सगे भाईयों ने घटना को अंजाम दिया। पखनार चौकी प्रभारी राजेश कुमार राठौर ने बताया कि मुदेंनार निवासी हिड़मो मड़काम ने चौकी में आकर हत्या की सूचना देते हुए बताया कि मुन्देनार के कोटवारपारा में हत्या हुआ है। सूचना मिलते ही एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर टीम तत्काल घटनास्थल रवाना हुई। मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से पूछताछ की गई। प्रत्यक्षदर्शी राजू मड़कामी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मुन्देनार मीठूपारा निवासी सगे भाईयों द्वारा हत्या किया गया है। गुरूवार की सुबह लगभग दस बजे सुखराम मड़कामी पिता भीमा मड़कामी 40 वर्ष व उसका छोटा भाई आयतु मड़कामी 35 वर्ष ने कोटवारपारा निवासी मंगलू मण्डावी को छुरी से सीने व गला काटकर हत्या किया है। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों भाई मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पीएम के लिए रवाना किया। आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1), 3 (5) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

पुरानी रजिंश व शक बनी हत्या की वजह

पुलिस की पूछताछ में इस बात का खुलाशा हुआ कि घटना दिनांक को गांव के बीच में शराब के नशे मे पहुंचे आरोपियों ने मृतक पर जादूटोना व देव करने का आरोप लगाया और दिनदहाड़े नक्सलियों की तर्ज पर ग्रामीणों के सामने ही गला रेतकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि मृतक व आरोपियों के बीच इसी बात को लेकर पुरानी रजिंश चली आ रही थी जो हत्या की वजह बनी। बहरहाल पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। बस्तर में इस तरह की यह पहली वारदात नहीं है इससे पूर्व भी बस्तर के अलग अलग इलाके में जादू टोना के सदेंह में हत्या की कई वारदात हो चुकी है।

जंगल में घेराबंदी कर आरोपियों को किया गिरफ्तार

चौकी प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार राठौर ने बताया कि हत्याकांड को अंजाम देकर फरार हो गए आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी बीच एक मई को आरोपियों के जंगल में होने की सूचना मिली सूचना मिलते ही घेराबंदी कर आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों आरोपी भाईयों ने हत्या करना कबूल किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

पति की प्रेमिका को पीट पीटकर उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिले के थाना कुकदूर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रोकनी में घटित एक महिला की संदिग्ध मृत्यु के मामले में पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए प्रकरण का शीघ्र खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

गत 27 अप्रैल को जिला अस्पताल कवर्धा में उपचार के दौरान सोनकली बैगा, पति जेठूराम बैगा, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम रोकनी की मृत्यु हो गई। घटना की सूचना प्राप्त होते ही थाना कवर्धा में प्रारंभिक रिपोर्ट दर्ज की गई तथा घटना स्थल थाना कुकदूर क्षेत्राधीन होने से मर्ग कायम कर विस्तृत जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतिका का अपने पड़ोस में रहने वाले अर्जुन बैगा के साथ अवैध संबंध था। 21 अप्रैल 2026 को अर्जुन बैगा की पत्नी मंदाकिनी बैगा द्वारा दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देखे जाने के पश्चात विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई। विवाद के दौरान आरोपी मंदाकिनी बैगा ने आवेश में आकर बांस के डंडे से मृतिका के साथ मारपीट की थी, जिससे उसे गंभीर आंतरिक चोटें आईं।

घायल अवस्था में अपने पति के घर पहुंची, जहां परिजनों द्वारा उसे उपचार हेतु जिला अस्पताल कवर्धा में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इस सूचना के बाद पुलिस ने कार्यवाही कर गिरफ्तारी की है।

आरोपी महिला ने पुलिसिया पूछताछ में अपराध किया कबूल

प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मंदाकिनी बैगा, पति अर्जुन बैगा, निवासी ग्राम रोकनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार किया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। यह संपूर्ण कार्यवाही पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया भूपत सिंह, के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक संग्राम सिंह व थाना कवर्धा पुलिस टीम, तथा थाना कुकदुर पुलिस का सराहनीय भूमिका रही।

मसानघाट के जंगल में अधेड़ की टंगिया मारकर हत्या, दूसरे को किया घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

- शराब पीने के दौरान हुए विवाद ने लिया हिंसक रुप, आरोपी गिरफ्तार

मसानघाट के जंगल में बैठकर शराब पीने के दौरान शुरु हुए विवाद के चलते युवक ने टंगिया मारकर अधेड़ की हत्या कर दी। वहीं दूसरे को गंभीर रुप से घायल कर अधमरा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को टंगिया सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार केरेगांव के मसानघाट जंगल में शुक्रवार को पेड़ के नीचे एक अधेड़ की खून से लथपथ लाश मिली थी। सूचना पर केरेगांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान नरेश यादव पिता झिग्नूराम उम्र 50 वर्ष ग्राम बम्हणबाहरा थाना केरेगांव निवासी के रूप में की। इधर तीन दिन से लापता अधेड़ की तलाश रहे परिजनों ने भी शव की पहचान नरेश यादव के रूप में की। अधेड़ के सिर व दोनों कनपटी पर टंगिया से धारदार हथियार के गंभीर चोट के निशान थे। इस पर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि इस घटना का एक गवाह शिशुपाल मरकाम गंभीर रूप से घायल है जो घटना के समय मौके पर मौजूद था। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा और मौके पर मौजूद रहे प्रत्यदर्शियों का बयान लेकर थाना में धारा 105/1, 109/1, 396 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी पुलेश्वर यादव उर्फ सोनू पिता दिनेश उम्र 20 वर्ष ग्राम बाम्हणबाहरा थाना केरेगांव निवासी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त टंगिया को जब्त कर पुलिस उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई में जुट गई है।

सट्टा खिलाने वाले दो गिरफ्तार

खैरागढ़। धर-पकड़ अभियान के तहत पुलिस ने सट्टा खिलाने के दो मामलों में दो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। जिला केसीजी पुलिस टीम के द्वारा जुआ, सट्टा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना खैरागढ़ पुलिस के द्वारा 1 मई को कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि खैरागढ़ थाना क्षेत्र में कुछ व्यक्ति मोबाइल के माध्यम से आईपीएल मैचों में सट्टा-पट्टी लिखकर ऑनलाइन हार-जीत का खेल संचालित कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा दो अलग-अलग स्थान इतवारी बाजार क्षेत्र में घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की गई।

आपरेशन मुस्कान : चार दिन पहले गायब हुई नाबालिग नागपुर में मिली, परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंडई

आपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने नाबालिग बालिका को नागपुर से बरामद किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 28 अप्रैल को प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि 27 अप्रैल से उसकी नाबालिक लड़की घर में नहीं है।

किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर अपहरण कर ले गया कि रिपोर्ट पर थाना गण्डई में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण नाबालिक बालिका के अपहरण से संबंधित होने से गंभीरता से प्रकरण की विवेचना प्रारंभ किया गया।

अपहता के मोबाइल नंबर का साइबर सेल केसीजी से लोकेशन लिया गया जिसका लोकेशन नागपुर महाराष्ट्र का पता चलने से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार विशेष टीम गठित कर अपहता की तलाश हेतु नागपुर भेजा गया। जहां वंजारी नगर नागपुर से संदेही के रिश्तेदार के यहां अपहता को संदेही के कब्जे से बरामद किया गया। विवेचना दौरान संदेही नाबालिक विधि से संघर्षरत बालक होना पाया गया। पीड़िता द्वारा महिला पुलिस अधिकारी के समक्ष अपने कथन में विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा नागपुर घूमने जाने के नाम पर ले गया था और कोई गलत काम नहीं हुआ है बताया है। विधि से संघर्षरत बालक के विरुद्ध अपहरण के धारा पर कार्यवाही किया गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आया डीजे ऑपरेटर, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

- मृतक एक समारोह में डीजे बजाने के बाद अपने घर लौट रहा था

गरियाबंद जिले के राजिम थाना क्षेत्र से एक हृदयविदारक खबर सामने आई है, जहां एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक डीजे ऑपरेटर को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक का सिर बुरी तरह कुचल गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना गरियाबंद जिले के राजिम थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार राजिम के महाड़िक पेट्रोल पंप के सामने गुरुवार रात करीब 10.30 बजे अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को कुचल दिया। हादसे में नवापारा निवासी जागेश्वर ध्रुव 22 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है जागेश्वर डीजे ऑपरेटर का काम करता था। गुरुवार को वह पथर्रा में एक समारोह में डीजे बजाने के बाद अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक का सिर और शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। हादसे के तुरंत बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के लोग और राहगीर बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही राजिम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आठ आरोपी गिरफ्तार, कार समेत लाखों का माल जब्त

महासमुंद। जिले में अवैध शराब बनाने और बेचने वालों के खिलाफ पुलिस ने एक विशेष अभियान चला रखा है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर थाना बसना, पटेवा और पिथौरा की टीम ने 6 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। इस बड़ी कार्यवाही में पुलिस ने कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनसे भारी मात्रा में देशी व अंग्रेजी शराब बरामद की है।

थाना बसना पुलिस ने सबसे अधिक चार अलग-अलग मामलों में सफलता हासिल की है। ग्राम गढ़फुलझर और बसना नगर के वार्ड नंबर 01 से पुलिस ने तीन आरोपियों रामबाई महिलांगे, रज्जु गेंड्रे और कृष्ण महिलाने को रंगे हाथों पकड़ा। इनके पास से कुल 45 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की गई। एक अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई में बसना पुलिस ने एक सफेद रंग की कार सीजी 06 जीजेड 2093 को घेराबंदी कर रोका। कार की तलाशी लेने पर उसमें 27 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब मिली। इस मामले में सरायपाली और ओडिशा के रहने वाले तीन आरोपी हरदीप सिंह, गोविंद मिश्रा और मकरध्वज को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शराब के साथ परिवहन में इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया है।

चाबहार बंदरगाह पर लगी रोक हटेगी...कीर्तिवर्धन करेंगे अमेरिका की यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए अमेरिका द्वारा दी गई छूट की समयसीमा पिछले महीने 26 अप्रैल को समाप्त हो गई है। जिसके बाद ईरान से अफगानिस्तान और मध्य-एशिया तक सीधे पहुंच बनाने की भारत के महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजना पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। साथ ही अब उस पर अमेरिकी प्रतिबंधों का जोखिम भी बढ़ गया है। इन सबके बीच विदेश और पर्यावरण-वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह अगले सप्ताह से अमेरिका की यात्रा करेंगे। जिसमें बहुत संभावना है कि वहां होने वाली उच्च-स्तरीय वार्ताओं में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों (द्विपक्षीय व्यापार समझौता शामिल) के अलावा चाबहार के मामले पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है। बताते चलें कि पूर्व में सिंह ने मिस्र में आयोजित किए गए गाजा शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। अप्रैल महीने की शुरुआत में वह म्यांमार गए थे। जहां उन्होंने म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था।

यूएनजीए करेगी बैठक का आयोजन

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कीर्तिवर्धन सिंह 4 मई से लेकर 8 मई तक अमेरिका की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसमें वह मुख्य रूप से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा आयोजित किए जाने वाले दूसरे अंतरराष्ट्रीय प्रवासन समीक्षा मंच (आईएमआरएफ) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान होने वाले पूर्ण सत्र (प्लेनरी) में उनके द्वारा भारत का राष्ट्रीय बयान दिया जाएगा। इस आयोजन की खास बात यह होगी इससे इतर भारत भी एक कार्यक्रम आयोजित करेगा। जिसका शीर्षक 'लीवरेजिंग डिजिटल इनोवेशन इन माइग्रेशन गवर्नेंसः द ई-माइग्रेट एक्सपीरियंस ऑफ इंडिया' होगा।

4 से 8 मई तक का होगा दौरा, आईएमआरएफ की बैठक में होगी भागीदारी

वरिष्ठ अधिकारियों से होगी मुलाकातः कीर्तिवर्धन सिंह अमेरिका की अपनी इस यात्रा में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और आईएमआरएफ में बतौर सदस्य देश के रूप में शामिल दुनिया के बाकी देशों के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। यह मंच प्राथमिक रूप से एक अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय मंच है। जो कि प्रवासन के वैश्विक मामले और उसके सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) से संबंधित भाग पर चर्चा तथा उसमें हुई प्रगति पर विचार-विमर्श से जुड़ा हुआ है।

2022 में हुआ पहला आईएमआरएफ

पहला आईएमआरएफ चार साल पहले वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। अब इस वर्ष के कार्यक्रम में भारत पूरी सक्रियता के साथ भाग लेगा और प्रवासी समुदाय के हितों की सुरक्षा में अपना योगदान देगा।

चाबहार से लौटे तकनीकी कर्मी

यहां बता दें कि अमेरिका द्वारा दी गई छूट की समयसीमा खत्म होने के बाद अब भारत की चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल के संचालन में कानूनी सुरक्षा समाप्त हो गई है। वहीं, भारत ने इस टर्मिनल के विकास पर कुल करीब 120 मिलियन डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता पूरी कर ली है। अब उसने सतर्कता के साथ आगे बढ़ते हुए चाबहार से अपने तकनीकी कर्मियों को वापस बुला लिया है। इसके अलावा वह टर्मिनल पर अपनी हिस्सेदारी को किसी स्थानीय ईरानी कंपनी को देने पर भी विचार-विमर्श कर रहा है।

राजधानी में शनिवार को हुए एक कार्यक्रम में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

ऑपरेशन सिंदूर सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय, सैनिकों ने दिखाया अद्भुत पराक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश के सैन्य इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। जिसमें जवानों ने अद्भुत वीरता और साहस का प्रदर्शन किया।

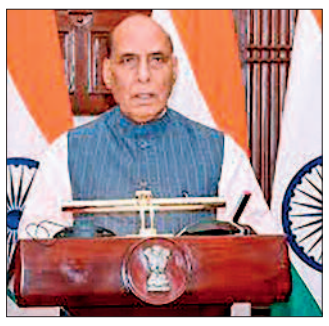

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद का समूल नाश करने के लिए दृढ़ता के साथ संकल्पबद्ध है। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने 2 मई को 'शौर्य' नामक एक कार्यक्रम के दौरान दी। जिसे

मंत्रालय ने सशस्त्र सेनाओं के इस अभियान की पहली वर्षगांठ के 'रन-अप आयोजन' के रूप में मनाया। एक बयान जारी कर रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कार्यक्रम में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, वायुसेनाध्यक्ष एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और उप सेनाप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ मौजूद रहे।

सैन्य परंपरा का यही सिद्धांत

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में सैनिकों के साहस, वीरता, समर्पण और राष्ट्रीयता की उनकी भावना की प्रशंसा की और कहा कि देश की प्राचीन से लेकर समकालीन सैन्य परंपरा के प्रमुख लोकाचारों में राष्ट्र सबसे पहले और अपने आप से पहले देश सेवा शामिल है। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा उदाहरण पेश करता है।

मारे गए 100 से ज्यादा आतंकवादी

उल्लेखनीय है कि पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सशस्त्र सेनाओं द्वारा पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकियों के खात्मे के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर अभियान की पहली वर्षगांठ 7 मई को है। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के आतंकियों ने ली थी। जो कि लश्कर-ए-तैयबा का ही एक छद्म आतंकी संगठन है और अब उसकी जगह पर जम्मू-कश्मीर में आतंक का खूनी खेल, खेल रहा है। सिंदूर अभियान 7 से लेकर 10 मई 2025 को समाप्त हुआ था और उसके साथ ही भारत, पाकिस्तान के बीच 10 मई 2025 की शाम 5 बजे से संघर्षविराम लागू है। जो आज भी चल रहा है। भारत ने पड़ोसी दुश्मन देश को आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई उसकी जीरो टॉलरेंस की नीति के बारे में भी साफ शब्दों में स्पष्ट कर दिया है।

अंडमान निकोबार प्रशासन ने रचा इतिहास

गिनीज रिकार्ड, पानी के नीचे फहराया सबसे बड़ा तिरंगा

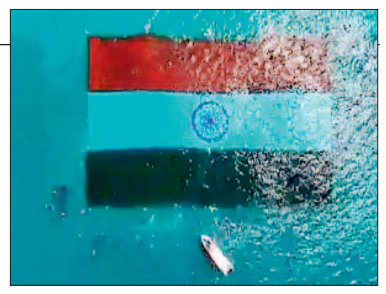

एजेंसी ▶▶| श्री विजय पुरम

अंडमान निकोबार प्रशासन ने शनिवार को राधानगर बीच पर पानी के भीतर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर नया 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाया। यह विशाल तिरंगा स्वराज द्वीप (हैवलॉक द्वीप) में समुद्र के भीतर एक जटिल और सटीक समन्वित अभियान के तहत फहराया गया, जिसमें कई एजेंसियों और प्रशिक्षित गोताखोरों ने भाग लिया। इस तिरंगे की लंबाई 60 मीटर है जबकि चौड़ाई 40 मीटर है। कार्यक्रम को देखने के लिए उपराज्यपाल डी के जोशी, मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार और पुलिस महानिदेशक एचएस धालीवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अंडमान निकोबार पुलिस, वन विभाग, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के कर्मियों के साथ-साथ विभिन्न गोताखारी केंद्रों के गोताखोरों ने पानी के भीतर ध्वज फहराने के इस जटिल अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। सुबह 10:35 बजे, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्णायक ऋषि नाथ ने औपचारिक रूप से इस उपलब्धि की पुष्टि की और जोशी को प्रमाणपत्र प्रदान किया।

एक और रिकार्ड की होगी कोशिश : सभा को संबोधित करते हुए जोशी ने इस उपलब्धि को द्वीपों की विशिष्ट उपलब्धियों में एक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए इसमें शामिल लोगों के समन्वय और समर्पण की सराहना की। प्रशासन रविवार को स्वराज द्वीप के 'लाइटहाउस डाइव साइट' पर 'सबसे ऊंचा मानव पिरामिड' बनाने का एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेगा, जिसमें उपराज्यपाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह उपलब्धि अंडमान निकोबार द्वीप समूह को साहसिक पर्यटन, समुद्री गतिविधियों और वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त आयोजनों के लिए एक उभरते गंतव्य के रूप में दर्शाती है।

आज से तीन कैरेबियाई देशों की यात्रा पर जयशंकर

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर शनिवार से जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद-टोबैगो जैसे तीन कैरेबियाई देशों की एक महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा पर हैं। जो 2 से लेकर 10 मई तक कुल 9 दिनों में पूरी होगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान के जरिए बताया कि यह तीनों देश अपने यहां बड़ी तादाद में मौजूद गिरमिटिया (भारतवंशी) लोगों की आबादी की वजह से भारत के साथ एक विशेष संबंध साझा करते हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान जयशंकर तीनों कैरेबियाई देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ मुलाकात करेंगे। साथ ही उनकी अपने समकक्ष विदेश मंत्रियों के साथ भी जरूरी चर्चाएं होंगी। जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के हर पहलू से लेकर साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

'हम भारत नहीं हैं, हमारे पास सिर्फ 7 दिन का तेल स्टॉक बचा'

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान युद्ध के चलते बंद पड़े होर्मुज जलडमरूमध्य की वजह से बाधित होती तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति के बीच पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक का एक सार्वजनिक कबूलनामा सामने आया है। जिसमें उन्होंने कहा कि हम भारत नहीं हैं। इस्लामाबाद के पास रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) का कोई भंडार मौजूद नहीं है। वर्तमान में हमारे पास केवल कच्चे तेल का 5 से 7 दिन का कमर्शियल स्टॉक ही बाकी बचा हुआ है। यह जानकारी पाकिस्तानी मंत्री ने बीते दिनों 'समा टीवी' के एक लाइव साक्षात्कार में दी थी। पूर्व में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कह चुके हैं कि ईरान युद्ध से देश के तेल आयात के बिल में तीन गुना की बढ़ोतरी हुई है और वह करीब 800 मिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर
Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

ऑफिस इंचार्ज
आवश्यकता है- ऑफिस इंचार्ज (फीमेल) कंप्यूटर का दो साल का अनुभव उम्र 22 साल से 30 साल तक आस्था हियरिंग सेंटर सुपेला भिलाई मोबाइल नंबर - 9926324708. (आरो नं.-262)

कुक/स्टाफ
आवश्यकता है- वीआईपी चौक, तेलीबांधा में, घर में शाकाहारी भोजन बनाने व साफ़-सफाई हेतु कुक/स्टाफ (महिला/पुरुष) की आवश्यकता है। बीड़ी-सिगरेट/शराब-गुटखा आदि निषेध। संपर्कः 9300593000. (आरो-103)

दुकान कार्य
आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल दुकान में कार्य के लिए अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- हितेश अलवानी करमचंद केमिस्ट शॉप नंबर 17 ओल्ड मेडिकल कॉम्प्लेक्स रायपुर 7828639297. (आरो-006)

हरिभूमि

आवश्यकता है- किराना एवं डेली नीड्स की दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारियों की वेतन 10 से 15 हजार योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता। संपर्कः- सी-मार्केट सेक्टर-6 भिलाई मो.- 98266-84859. (आरो नं.-260)

शिक्षक
आवश्यकता है- तुलसी बाराडेरा एवं पिरदा रायपुर में अंग्रेजी माध्यम विद्यालय हेतु अनुभवी PG/BED शिक्षिकाओं, ऑफिस इंचार्ज (PGDCA अनिवार्य) वेतन 7000- 15000 एवं महिला सफाई कर्मी (रहने की सुविधा) गुरु रामदास स्कूल रायपुर- 7898776764. (आरो-159)

आवश्यकता
आवश्यकता है - थेरेपी सेंटर मंदिर हसौद में कार्य करने के लिए इच्छुक लड़कियां/ महिलाओं जो दसवीं/ बारहवीं पास हों किसी भी विषय में संपर्क करें स्थानीय को प्राथमिकता दिया जाएगा संपर्क करें मो.नं. - 8839001470. (आरो-166)

सेल्समैन/हेल्पर
आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में काम करने हेतु होलसेल में काम किया हुआ अनुभवी सेल्समैन एवं हेल्पर की आवश्यकता है, मिलने का समय दोपहर 3:00 से 6:00 बजे तक, पताः चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा, शॉप नं.D-29- 30, प्रथम गेट, टेक्सटाइल मार्केट, पंडरी, रायपुर, संपर्कः 9425506658, 9424200658, 9425206658. (आरो-7270)

ड्राइवर
आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता। न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य। वेतन 15,000 प्रतिमाह। इच्छुक उम्मीदवार तुरंत संपर्क करें:- 9826708233। पता:- 4/17, दक्षिण गंगोत्री, पोस्ट सुपेला, भिलाई (छ.ग.) (आरो-SPD/0042)

क्लासीफाईड

सुपरवाईजर/हेल्पर
आवश्यकता है- राईस मिल हेतु सुपरवाईजर के लिए 2 पद और हेल्पर के लिए 1 पद की आवश्यकता है उरला, रायपुर संपर्क करे 9826136200. (RO-077)

शॉप/सेल्समैन वर्क
आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में काम करने के लिए लड़का/लड़की एंव सेल्समैन की आवश्यकता है मों. - 7067048454. (आरो-165)

आवश्यकता
आवश्यकता है- रायपुर में सड्डू बंजरपारा में स्थित दाल मिल में कार्य हेतु 2 कर्मचारी अनाज लाईन दाल मिल अनुभवी प्राथमिकता वेतन 15000/- से आरंभ, एक दाल मिल मिस्त्री जिसको सारटेक्स/ कम्प्रेशर मशीन चलाने का अनुभवी वेतन योग्यतानुसार, 1 मिल इंचार्ज जो Account/ मिल का भी काम कर सके वेतन 18000से 20000 संपर्क 9826141178. (आरो-162)

मेडिकल स्टोर सटाफ
आवश्यकता है- लक्ष्मी मेडिकल हॉल सुपेला एवं रिसाली भिलाई के लिए अनुभवी मेहनती एवं जिम्मेदार युवको की आवश्यकता है पद, मेडिकल स्टोर स्टाफ अनुभव रखने वाले उम्मीदवार को प्राथमिकता सुविधाए PF, ESIC, अच्छा कार्य वातावरण, ग्रोथ के अवसर संपर्क करें - 9542174220, 8770361081. (आरो नं.-264)

चिकित्साकर्मी
आवश्यकता है- नर्स/ब्रदर की जरूरत. Salary अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करे- अग्रवाल प्लास्टिक सर्जरी सेंटर, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ि नाका, रायपुर। 9575042809 (10am से 7pm) (आरो-40723)

ऑफिस/अकाउंटेंट
आवश्यकता है- छावनी भिलाई स्थित कंपनी में ऑफिस एवं अकांउट कार्य के लिए योग्य लेडिस स्टॉफ की जरूरत है अनुभवी एवं शादीशुदा को प्राथमिकता। संपर्क- 88151336750. (RO-160)

डिलीवरी बॉय
आवश्यकता है- पार्सल छोड़ने हेतु 6 डिलीवरी ब्वाय की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन,लाइसेंस, स्मार्टफोन, पैन कार्ड हो, अनुभवी को प्राथमिकता.पता- कोयना लॉजिस्टिक, लक्ष्मीनगर पचपेढ़ी नाका, रायपुर. मो.- 98274-81755, 99266-22790. (आरो-09)

आवश्यकता है- घर घर बॉटल दूध डिलीवरी हेतु मेहनती लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। समय सुबह 7 बजे से सुबह 11 बजे तक स्थान :- समता कॉलोनी रायपुर संपर्कः-84630-84631. (आरो-08)

फिटर/वेल्डर
आवश्यकता है- BSP भिलाई में मैकेनिकल फिटर एवं वेल्डर की। क्रेशर के मेंटेनेंस का अनुभव अनिवार्य। संपर्क करें: -9425234682, 9993007002. (आरो नं.-263)

सिविल इंजीनियर
Wanted- required Urgent required civil engineer for site work and civil super-vaiser, Nalini Associates mo. 8349993093, 9300112093. (आरो नं.-265)

सर्विस
आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं। कॉल करें - 8929449955. (आरो-63172)

वेल्डर/हेल्पर/इलेक्ट्रीशियन
आवश्यकता है - वेल्डर, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन
1- वेल्डर (2MM एम.एस. शीट के लिए आर्क वेल्डिंग),
2- इलेक्ट्रीशियन (पैनल वायरिंग के लिए),
3- हेल्पर
कृपया संपर्क करें: 9920752657, 7477239283. (आरो-164)

डिजाइनर/ड्रायवर
आवश्यकता है -छत्तीसगढ़ मीडिया एंड इवेंट एडवरटाइजिंग एजेंसी में कार्य हेतु डिजाइनर, ड्राइवर एवं ऑफिस स्टाफ की आवश्यकता है सैलरी योग्यतानुसार बायोडाटा सहित मिलेः- मोवा LIC कॉलोनी सामने मोबाइल- 9575033334, 7879533334. (आरो-010)

मार्केटिंग
Wanted- Required Diploma / BE in Electrical for Marketing Motors & Switch Gears of a reputed brand in Raipur Siltara & Urla Industries ,MV RAJ SALES PVT LTD PLOT NO 300/1, BHANPURI, RAIPUR , EMAIL report@rajsales.net Mobile - 7999185103. (आरो नं.-269)

पंप कर्मी
आवश्यकता है - मैसर्स शारदाप्रसाद साव पेट्रोल पंप अवन्ति बाई चौक कोहका भिलाई में डीजल/पेट्रोल डालने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क मो.- 99261-23539, 76928-88808. (आरो नं.-267)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

मैनेजर/रूम सर्विस
आवश्यकता है - सुपेला SPS लाज में कार्य करने हेतु अनुभवी मैनेजर एवं रूम सर्विस के लिए लड़कों की आवश्यकता है। संपर्क करें:- 9131490059, 9752165555. (आरो नं.-268)

पैकिंग/हेल्पर कार्य
आवश्यकता है- चॉकलेट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है। रूम बिजली की सुविधा फ्री। पता- बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534. (आरो-4022)

Education शिक्षण
प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech,(अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515. (आरो -4146)

Finance फायनेंस
फाइनेंस- महालक्ष्मी फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्कः- 9039310732, 8280401638. (आरो-040)

हरिभूमि क्लासीफाईड

For Rent किराया
किराए पर उपलब्ध- बैंक ऑफिस अस्पताल शोरूम आदि के लिए ग्राउंड फ्लोर 1500 Sqft, फर्स्ट फ्लोर 1500 Sqft., सेकंड फ्लोर 320 Sqft.पता- महाराज चौक से पोटिया चौक के बीच पुलगांव बायपास रोड दुर्ग संपर्क- 8602718819, 9424132360. (आरो-163)

Property प्रापर्टी

प्लाट
मकान बेचना है- मकान EWS 1528-29 हाउसिंग बोर्ड छावनी, भिलाई वार्ड क्रमांक 26 क्रिकेट स्टेडियम के पास बेचना है एवं मैत्री विहार कॉलोनी शिवा पब्लिक स्कूल के पीछे गार्डन से सटा हुआ दुकान का पूर्व मुखी प्लाट क्रमांक 67 फेज बी 30 वर्ग मीटर शीघ्र बेचना है। संपर्कः- 8815155454. (आरो-6646)

मकान बेचना है- रायपुरा सत्यम विहार कॉलोनी में मंजीत ग्रीन सिटी के सामने रोड में 950sf में बना 2BHK मकान बेचना है वास्तविक खरीददार ही संपर्क करे मो. 98264-44400. (आरो-167)

प्लाट
प्लॉट बेचना है - राजनंदगांव से चिचोला मेन रोड, NH 53 पर महाराजपुर राइस मिल के बाजू में प्लाट बेचना है 10000 से 20000 स्क्वायर फीट एरिया, फ्रंट 100 फीट उचित लेनदार ही संपर्क करें. मोबाइल नंबर 9229255000, 7089955000. (आरो-161)

अर्जेंट बेचना है- टाटीबंध सरोना रेल्वे स्टेशन के सामने 13,500 स्क्वायर फीट में डायवर्टेड रेजिडेंशियल प्लॉट। संपर्कः- 9584444523, 9165586666. (आरो-009)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

CLASSIFIED RATE CARD — हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी — 01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

प्लॉट बेचना है - केंद्रीय रेल्वे स्टेशन से लगा 8500 स्क्वायर फीट में सेमी-कमर्शियल प्लॉट बिक्री हेतु। जहां पर 1100 एकड़ में विकसित कमर्शियल आ रहा है। संपर्कः- 9584444523, 9165586666. (आरो-008)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

तरकश

-संजय के. दीक्षित

कलेक्टरों का सीआर, और रिजल्ट

सरकार ने स्कूलों का स्तर सुधारने के लिए 10वीं, 12वीं के रिजल्ट को कलेक्टरों के सीआर में जोड़ा था। याने जिसे जिले का रिजल्ट अच्छा आएगा, उसका क्रेडिट कलेक्टरों को मिलेगा। सरकार की मंशा अच्छी थी...कलेक्टर स्कूलों की निगरानी करें, जिससे स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता सुधरे। मगर कुछ कलेक्टरों ने कमाल कर दिया। रायपुर के पड़ोसी जिले के एक ही स्कूल के नौ बच्चे मेरिट में आ गए। तो बस्तर और सरगुजा के छोटे जिले ने रिजल्ट में खंभा गाड़ दिया। यहां यह स्पष्ट कर दें कि मेधावी बच्चों की प्रतिभा पर सवाल खड़ा करने हमारा कोई इरादा नहीं। निश्चित तौर पर बड़ी संख्या में ऐसे विद्यार्थी होंगे, जिन्होंने अपने परिश्रम से सफलता अर्जित की होगी। मगर यह भी सही है...कई कलेक्टरों ने अपनी पीठ थपथपवाने के लिए कुछ तो जरूर किया। तभी रिजल्ट निकालने के मौके पर माध्यमिक शिक्षा मंडल की एक शीर्ष अफसर ने सरकार के संज्ञान में यह विषय लाया कि परीक्षा के समय कलेक्टरों का काफी प्रेशर रहा...कई जिलों में खुलकर नकल कराए गए। बहरहाल, जिले के मुखिया का ही जब नकल को संरक्षण हो तो माशिमं के उड़नदस्तों की क्या बिसात? उड़नदस्ता का गठन तो आखिर कलेक्टर के बिहाफ में ही किया जाता है। छत्तीसगढ़ के ह्यूमन रिसोर्स की दृष्टि से ये अच्छी बात नहीं है। स्कूल शिक्षा विभाग भले ही अपना पीठ थपथपा ले मगर बच्चों के बाद में होता यही है कि आगे जाकर बच्चे सरवाइव नहीं कर पाते। फिर नाम खराब राज्य का होता है।

खटराल कलेक्टर और पोरा बाई

10वीं, 12वीं के रिजल्ट में खेला करना नई बात नहीं है। दशक भर पहले की बात होगी। जशपुर के एक कलेक्टर ने रिजल्ट में जिले को अव्वल लाने काफी एक्सरसाइज किया। मगर जब देखे कि परीक्षा का रिजल्ट सुधारना गुरूजी के वश की बात नहीं तो उन्होंने स्कूल शिक्षा के अधिकारियों से फ्री हैंड दे दिया...मुझे नहीं मालूम, किसी भी तरह जिले के बच्चे को मेरिट में आना चाहिए। और वैसा ही हुआ। कलेक्टर के आदेश का पालन हुआ, उस साल जशपुर के तीन बच्चे मेरिट में आ गए थे। अब आपका स्वाभाविक प्रश्न होगा कि नकल मारकर भला मेरिट में या टॉप कैसे आया जा सकता है। तो इसी प्रदेश में आखिर पोरा बाई कांड भी हुआ है। पोरा बाई ने जांजगीर के स्कूल से हायर सेकेंड्री एग्जाम के लिए फार्म भरा था। मगर परीक्षा में कोई और बैठा। पोरा बाई को 12वीं मेरिट में टॉप घोषित किया गया। लेकिन, माध्यमिक शिक्षा मंडल के चेयरमैन आईएएस बीकेएस रे को संदेह हुआ और उन्होंने जांच करा दी। मामला पुलिस में पहुंचा और वह जेल गई। सो, तर्क-कुतर्क की बात नहीं। स्कूल शिक्षा में पहले भी फर्जीवाड़ा के उदाहरण रहे हैं। हालांकि, विष्णुदेव सरकार ने स्कूल शिक्षा में कई रिफार्म किया है। कलेक्टर्स और स्कूल शिक्षा विभाग को इस रिफार्म का फायदा उठाते हुए राज्य के मानव संसाधन को मजबूत करने के लिए भगीरथ प्रयास करना चाहिए। क्योंकि, देश के स्कूल शिक्षा में छत्तीसगढ़ की गिनती नीचे से शुरू होती है।

19 से पहले नए डीजीपी

5 अप्रैल को पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति होते-होते रुक गई थी। मगर सुप्रीम कोर्ट में 19 मई को सुनवाई की डेट लग जाने के बाद अब नहीं लगता कि अब मामला ज्यादा दिन तक खींच पाएगा। सुनने में आ रहा, 19 मई से पहले छत्तीसगढ़ में पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति हो जाएगी। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को लेटर जारी कर दिया है। सुनवाई डेट से पहले अगर कोई फैसला नहीं हुआ तो फिर हो सकता है सुप्रीम कोर्ट कोई बड़ा आर्डर पास कर दें या फिर चीफ सिकरेट्री को ही तलब कर ले। सीएस को बुलाने से जाहिर है, मामला काफी बड़ा हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में केंद्रीय गृह सचिव को कोर्ट बुला लिया था। दरअसल, अरुणाचल में सिस्टम की भी अपनी मजबूरियां हैं। कुछ सालों से सीएस, डीजीपी का मसला केंद्र से तय होने लगा है। याद ही होगा, 4 सितंबर 2024 को अशोक जुनेजा का कार्यकाल खत्म होने जा रहा था। स्टेट गवर्नमेंट ने नए डीजीपी के लिए नोटशीट बनाने का आदेश दे दिया था। मगर रिटायरमेंट से 24 घंटे पहले केंद्र से अशोक जुनेजा को छह महीने एक्सटेंशन देने का आदेश आ गया। सीएस के समय भी ऐसा ही हुआ। सरकार मनोज पिंगुआ का आदेश जारी करने जा रही थी कि अमिताभ जैन के एक्सटेंशन के लिए दिल्ली से संदेशा आ गया। दिल्ली ने इसके बाद विकास शील को मनीला से बुलाकर सीएस बनाने रायपुर भेज दिया। हालांकि, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र अब फ्री है, इसलिए लगता है 19 मई से पहले पूर्णकालिक डीजीपी का मामला क्लियर हो जाएगा।

मंत्रियों में तनातनी-1

एक नए मंत्री के साढ़ू भाई लंबे समय से एक विभाग विशेष में सप्लाई का काम करते हैं। मंत्री बनने के बाद उन्हें लगा कि अब बराबरी का मामला है...आखिर डायन भी एक घर छोड़कर चलती है। फिर भी एहतियात बरतते हुए नए मंत्री ने माननीय से बात भी कर ली। बता दिया...साढ़ू भाई का मसला है। मगर मंत्री के मुलाजिमों ने स्पष्ट कह दिया...25 फीसदी एडवांस देना ही होगा। ऐसे में, दोनों मंत्रियों में खटास बढ़नी ही थी। हालांकि, नए मंत्री को जल्दी ही हिसाब चुकता करने का मौका मिल गया। लक्ष्मीजी से अति मोह रखने वाले मंत्री के गृह जिले में डिस्ट्रिक्ट लेवल के एक अफसर की पोस्टिंग में उन्होंने अपने आदमी का नाम बताया। मगर नए मंत्री ने उसके उल्टा अफसर को वहां बिठा दिया।

मंत्रियों में तनातनी-2

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को साड़ी बांटने के मामले में मीडिया ने एक मंत्री से सवाल कर दिया। मंत्रीजी चूकि बार-बार एक ही सवाल से उकता गए थे, इसलिए उनकी जुबां फिसल गई। मुंह से निकल गया, स्कूल शिक्षा में कितना भ्रष्टाचार है...वो आपलोगों को नहीं दिखता। मंत्री का यह लूज टॉक लीक होकर एक दूसरे मंत्री के पास पहुंच गया। जाहिर है, इस पर बवाल मचना ही था। मंत्रीजी तमतमा गए। उन्होंने तुरंत फोन लगवा जमकर सुना दिया...आप दूसरे विभाग में भ्रष्टाचार की बात कैसे कर सकते हो। मंत्रीजी ने हालांकि, सफाई देने का काफी प्रयास किया। मगर वो कोई काम नहीं आया।

सीएस प्रोटोकॉल में नीचे क्यों?

सरगुजा संभाग की एक महिला विधायक का कलेक्टरों को हड़काते एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। विधायक इसलिए नाराज थीं कि उनके कार्यक्रम में एसडीएम नहीं पहुंचे। वीडियो में स्पष्ट देखा गया कि पीछे खड़े उनके चंगु-मंगू जो बोल रहे, विधायक महोदया कलेक्टर को हड़काते समय उसी को दोहरा रही थीं। अलबत्ता, प्रोटोकॉल में ये कहीं नहीं है कि विधायक के हर कार्यक्रम में एसडीएम जाए। मगर विधायक जी को भड़ास निकालना था, उन्होंने निकाल लिया। असल में, अफसरशाही को कमतर करने का काम पिछली सरकार में हुआ...जब जीएडी ने आर्डर निकाल प्रोटोकॉल में चीफ सिकरेट्री को विधायक के नीचे कर दिया। और, राज्य का प्रशासनिक मुखिया ही जब प्रोटोकॉल में नीचे हो गए तो फिर कलेक्टर, एसडीएम को विधायक क्या समझेंगे। जाहिर है, प्रोटोकॉल की दृष्टि से यह एक गलत फैसला था। मुख्य सचिव कार्यपालिका के प्रमुख होते हैं। साथ में कैबिनेट के पदेन सिकेट्री भी। कैबिनेट की बैठकों में वे मुख्यमंत्री के बगल में बैठते हैं, मंत्रियों की सीट उनके बाद होती है। इसी तरह केंद्र में कैबिनेट सचिव को भी राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के बराबर रखा गया है। सांसद का प्रोटोकॉल उनसे काफी नीचे होता है। मगर छत्तीसगढ़ में सब उल्टा-पुलटा चल रहा है।

अफसरों को प्रोटेक्शन

अफसरशाही लाख भ्रष्टाचार से ग्रसित हो, मगर काम तो उनसे ही कराना है। इसलिए, गड़बड़ियों पर कड़ी कार्रवाई हो मगर जो अच्छे काम करने वाले अधिकारी हैं, उन्हें सरकार से प्रोटेक्शन भी मिलना चाहिए। बीते कुछ महीनों में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिसमें अराजकता फैलाने की कोशिशें हुईं। जिला कार्यालयों में घुसकर हंगामा और नारेबाजी के मामले भी कई जिलों में हुए हैं। रसूखदार लोगों को छोड़ दें तो आम आदमी का क्या? वह प्रशासन और पुलिस के पास ही उम्मीद लेकर जाता है। मगर छोटे स्वार्थों के लिए इन्हीं संस्थाओं को डैमेज करने का प्रयास किया जाएगा तो जरा सोचिए आम आदमी का क्या होगा, वह किस चौखट पर उम्मीद लेकर जाएगा?

राजा, मंत्री, चोर, सिपाही

बच्चों में बड़ा लोकप्रिय खेल है राजा, मंत्री,, चोर सिपाही। इसमें राजा मंत्री को आदेश देता है कि चोर को पकड़े। मंत्री अगर सही चोर को नहीं पकड़ पाता तो मंत्री को सजा मिलती है। बहरहाल, छत्तीसगढ़ में उल्टा हो रहा है। एक मिनिस्टर साब चोर याने आरोपी को ही बचाने मौके पर पहुंच गए। बात अंबिकापुर की है। वहां के पैसे वाले बड़े होटल कारोबारी का विस्फोटक पदार्थ का उल्टा-सीधा काम है। दो रोज पहले उसमें अचानक आग लग गई। आग भी ऐसी भीषण की, जिला प्रशासन को एसईसीएल, आदानी के दो दर्जन से अधिक दमकल झोंकना पड़ा। सही समय पर अगर आग पर काबू नहीं किया गया होता, तो आसपास के इलाके उसकी चपेट में आ गए होते। दुकान के पाटे पर सहज-सरल भाव से बैठ आग की लपटों को निहारते हुए मंत्रीजी ने घटना को छोटा बताते हुए मीडिया को बाइट दिया। अब जब मंत्रीजी मौके पर पहुंच घटना को छोटा बता रहे तो फिर अंबिकापुर पुलिस में इतनी हिम्मत कहां? पुलिस ने मामूली जमानती धाराएं लगाकर पल्ला झाड़ लिया। लेकिन विस्फोटक कारोबारी पर अतिशय मेहरबानी करने की बात किसी ने राजधानी रायपुर पहुंचा दी। और राजधानी से सरगुजा आईजी को फरमान जारी हो गया। दरअसल, सुशासन तिहार का वक्त है। ऐसी चीजें अगर सोशल मीडिया में उछलती तो खामोख्वाह सिस्टम की छबि को नुकसान पहुंचता। सो, राजधानी से सरगुजा आईजी को फरमान गया और उन्होंने एसएसपी को नोटिस जारी कर दिया। जाहिर है, सिस्टम के तेवर के बाद अब अग्निकांड में पर्याप्त धाराएं लग जाएंगी। मगर इस मामले में मंत्रीजी बुरी कदर एक्सपोज हो गए।

अफसरों का ट्रांसफर

सुशासन तिहार-02 प्रारंभ हो गया है। जिलों में समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कुछ शिविरों में मुख्यमंत्री भी जाएंगे तो कहीं औचक निरीक्षण के लिए उनका उड़नखटोला भी उतरेगा। सुशासन तिहार शुरू होने के बाद भी अफसरशाही में सबसे बड़ा सवाल ट्रांसफर का है। दरअसल, यह पहला मौका है, जब लंबे समय से अफसरशाही में तबादले नहीं हुए हैं। मंत्रालय में कई सचिवों के ढाई-तीन साल हो गए हैं तो जिलों में कलेक्टर, एसपी के भी ट्रांसफर अवेटेड रहे हैं। कई एसपी के टाईम भी ओवर हो रहे हैं। ऐसे में, ट्रांसफर को लेकर जिज्ञासा लाजिमी है। यह भी सही है कि पिछले साल सुशासन तिहार के दौरान ही अप्रैल एंड में राजनांदगांव के कलेक्टर संजय अग्रवाल को बिलासपुर शिफ्ट किया गया था। मगर इस बार क्या होगा, इस संदर्भ में अभी कुछ फायनल नहीं हुआ है। सरकार का पूरा फोकस इस समय सुशासन तिहार में आम आदमी की समस्याओं के निवारण पर है। इसलिए, जिलों में चेंज का नहीं लगता। मुख्यमंत्री को अगर समय मिला तो सचिवों के विभाग बदलने पर जरूर कोई चर्चा हो सकती है।

कलेक्टर, एसपी का कार्यकाल?

छत्तीसगढ़ में पिछले छह-सात साल से ऐसा हो रहा कि कलेक्टर, एसपी छह महीने, एक साल में बदल जा रहे। रमन सिंह सरकर के दौर तक दो साल अफसरों का न्यूनतम कार्यकाल होता था। राजेश सुकुमार टोप्पो ने आईएएस के कैरियर में एक जिला किया है। मगर राज्य बनने के बाद कलेक्टर के तौर पर उनका रिकार्ड है। वे करीब साढ़े तीन साल तक बलौदा बाजार के कलेक्टर रहे। इसी तरह मध्यप्रदेश के दौर में आईपीएस शैलेंद्र श्रीवास्तव साढ़े तीन साल से अधिक समय तक बिलासपुर के एसपी रहे। इसलिए, सरकार पर निर्भर करता है...वो किस अफसर को कितने दिन जिले में रखती है। वैसे कलेक्टर, एसपी के साढ़े तीन साल के उदाहरण तो इसी प्रदेश में है।

हफ्ते का कोट

'जीवन में आनंद साधन से नहीं, साधना से प्राप्त होते हैं।' और 'किसी को चोट पहुंचाना उतना ही आसान है, जितना पेड़ का एक पत्ता तोड़ना, लेकिन किसी को सुखी करना एक पेड़ उगाने जैसा है, इसमें बहुत समय, देखभाल और धैर्य लगता है।'

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस आईजी के क्रियाकलापों से पुलिस की छबि खराब हो रही है?
2. क्या ये सही है कि अफसरशाही में भी जातिवाद का वायरस घुसने लगा है?

जैकेट के शेष

आत्मसमर्पित नक्सलियों की ....

सुखराम वट्टी, कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा और कॉन्स्टेबल संजय गढ़पाले की मौके पर ही शहादत हो गई। घटना में गंभीर रूप से घायल कॉन्स्टेबल परमानंद कोमरा को तत्काल हेलीकॉप्टर के माध्यम से रायपुर रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

नदी में नहाते ...

1 मई की दोपहर 3 बजे बलरामपुर जिले के सामरी थाना अंतर्गत ग्राम भुताही में तीन से चार बच्चे गांव में मौजूद बोडादह नदी में नहाने के लिए गए हुए थे। गर्मी के बीच बच्चे नदी में उतरकर खेल रहे थे। इसी बीच बच्चे नहाते हुए नदी के जमे हुए गहरे पानी में चले गए। गहराई में जाने के बाद दो बच्चे पानी में डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख उनके साथी ने शोर मचाना शुरू किया और दौड़कर आस पास के ग्रामीणों को बुलाया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे और किसी तरह बच्चों को बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

एक साथ बजे ....

बारे में नागरिकों को सूचित कर दिया था, ताकि किसी तरह की घबराहट न फैले, और लोगों से ऐसे संदेशों को नजरअंदाज करने की अपील की थी। परीक्षण संदेश में कहा गया, अत्यंत गंभीर अलर्ट। भारत ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सेल ब्रॉडकास्ट शुरू किया है। यह एक परीक्षण संदेश है। कोई कार्रवाई आवश्यक नहीं है। यह अलर्ट देशभर के सभी दूरसंचार नेटवर्क पर भेजा गया, हालांकि चुनाव वाले राज्यों को इससे बाहर रखा गया। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह प्रणाली सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ मिलकर विकसित की है। इसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। इस प्रणाली के जरिए आपदा, आपातकाल और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सीधे और तुरंत लोगों के मोबाइल फोन पर भेजी जाएगी।

आज से लगेगी साय की चौपाल ...

की दूरी को समाप्त कर पारदर्शी, त्वरित एवं संवेदनशील प्रशासन सुनिश्चित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जहां मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे।

निर्माण गुणवत्ता में जरा भी ...

एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित सीसी रोड का तकनीकी परीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए तथा निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, कार्य की गुणवत्ता और पर्यवेक्षण व्यवस्था की समग्र जांच की जाए।

रायपुर के 8 ....

प्लांट का मालिक फरार है। एलपीजी अफरा-तफरी करने के आरोप में पुलिस ने अभनपुर निवासी निखिल वैष्णव को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी बयान के मुताबिक एलपीजी गैस से भरे छह कैप्सूल ट्रक की जब्ती खाद्य विभाग ने सिंघोड़ा के पास दिसंबर में की थी। जब्ती के बाद महासमुंद कलेक्टर के निर्देश पर उक्त एलपीजी कैप्सूल ट्रक को सुरक्षा की दृष्टि से अभनपुर स्थित ठाकुर पेट्रो कैमिकल के सुपुर्दनामे में सौंपा गया था।

ईरान-अमेरिका तनाव के कारण नीयत खराब : अमेरिका तथा ईरान के बीच जारी तनाव के चलते केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी गैस में कटौती करने के साथ कीमतों में वृद्धि की है। इसका फायदा उठाते हुए ठाकुर पेट्रो कैमिकल के मालिक संतोष सिंह ने रायपुर के एलपीजी डीलरों के साथ साठ-गांठ कर खपाने की योजना बनाई। योजना के तहत एलपीजी गैस के कमर्शियल गैस सिलेंडर में भरकर डेढ़ से दो गुना ज्यादा कीमत पर बेच कर अतिरिक्त लाभ कमाया।

जीपीएस से मिली खपाए जाने की जानकारी : खाद्य विभाग ने जिन एलपीजी गैस कैप्सूल वाहन को जब्त किया था, उन गाड़ियों में जीपीएस लगा हुआ है। अमानत में खयानत करने वाले 31 मार्च को दो कैप्सूल, एक तथा तीन अप्रैल को एक-एक, पांच अप्रैल को दो कैप्सूल वाहन में लदे एलपीजी को रायपुर के डीलरों की मदद से अन्यत्र खपाया गया।

रिकार्ड में हेरा फेरी : ठाकुर पेट्रो कैमिकल के रिकार्ड की जांच करने पर अप्रैल में महज 47 टन एलपीजी खरीदी का रिकार्ड है। प्रारंभिक स्टाक में सुपुर्दनामे में दिए गए 107 टन एलपीजी का रिकार्ड ही नहीं है। उक्त 107 टन एलपीजी की बिक्री कच्चे बिल और कच्चे रजिस्टर में लिख कर करने का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने फरार पेट्रो कैमिकल प्लांट के मालिक के खिलाफ दस्तावेजों के नष्टीकरण करने की धाराएं लगाई हैं।

आरसीबी और मुंबई ....

मैनेजमेंट ने स्पष्ट किया है कि स्टेडियम में प्रवेश केवल आधिकारिक ऑनलाइन टिकट के आधार पर ही मिलेगा और दर्शकों को उनके निर्धारित सीट नंबर पर ही बैठना होगा। वेबसाइट पर टिकट बिक्री का आधिकारिक समय घोषित नहीं किया गया है, लेकिन पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए दोपहर 3 से शाम 4 बजे के बीच पोर्टल खुलने की संभावना है। टिकटों की शुरुआती कीमत 2000 रुपये तय की गई है, जिसके अलावा 2500, 3500, 5000 और 8000 रुपये तक की कैटेगरी उपलब्ध रहेगी। दर्शकों के बेहतर अनुभव के लिए इस बार प्लेटिनम स्टैंड के सामने लगे कांच के पैनल हटा दिए गए हैं, ताकि फैंस बिना किसी रुकावट के खिलाड़ियों को करीब से देख सकें। सुरक्षा कारणों से मैच खत्म होने के बाद इन कांच के पैनल्स को वापस लगा दिया जाएगा।

मैच के लिए आरसीबी ने बनाए तीन बड़े नियम : सिर्फ एक बार ट्रांसफर होगा टिकट, ऑनलाइन खरीदी गई टिकट को व्यक्ति सिर्फ एक बार ही अपने किसी दोस्त या परिजन को ट्रांसफर कर सकता है। टिकट ट्रांसफर होने के बाद, दूसरा व्यक्ति अपने फोन पर टिकट दिखाकर सीधे एंट्री ले सकेगा, जिससे गेट पर किसी का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

मैच वाले दिन ....

तो लिखा होगा, लेकिन एंट्री के लिए जरूरी क्यूआर कोड स्कैनिंग के वक्त नहीं दिखेगा। यह बारकोड मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले, स्टेडियम के गेट खुलते समय ही आपके ऐप या लिंक पर एक्टिव होगा।

बुकिंग के वक्त ....

सीढ़ियां, मेडिकल सेंटर, एम्बुलेंस और एंट्री गेट की सटीक जानकारी होगी, ताकि दर्शक बिना भटके सीधे अपनी सीट तक पहुंच सकें।

टिकटों की कालाबाजारी ....

है। यहां तक कि मैच की सबसे सस्ती टिकट भी 22 हजार में मिल रही है, जबकि लोअर स्टैंड के टिकटों की कीमत 25 हजार से 35हजार रुपये तक पहुंच गई है। आशंका जताई जा रही है कि आधिकारिक वेबसाइट पर बुकिंग खुलते ही चंद मिनटों में सभी टिकटें बिक जाएंगी। ऐसे में इस बार भी रायपुर में होने वाले आईपीएल मैच की टिकटों को लेकर जमकर कालाबाजारी का खेल होने वाला है। इसे देखते हुए प्रबंधन ने लोगों से विशेष अपील की है कि वे सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट या ऐप से ही टिकट खरीदें। किसी अन्य सोशल मीडिया पेज, अनजान वेबसाइट या व्यक्ति से खरीदे गए टिकट नकली हो सकते हैं, और ऐसे टिकटों के साथ स्टेडियम में प्रवेश नहीं मिल सकेगा।

पेज एक के शेष

खतरनाक पहाड़ी रास्ते से ...

दुर्घटना और जंगली जानवरों का खतरा हमेशा बना रहता है। कई बार रात में भी पानी लाने जाना पड़ता है। इसके बावजूद पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता, जिससे प्यास और परेशानी दोनों बनी रहती हैं। यह स्थिति शासन की योजनाओं और जमीनी हकीकत के बीच गहरी खाई को उजागर करती है। करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद ग्रामीण आज भी बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि बंद पड़े हेडपंप को तत्काल सुधारा जाए, पानी टंकी को चालू किया जाए और गांव में स्थायी जल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

तंबाकू के नशे में भी छत्तीसगढ़ ....

अधिक है। **किन राज्यों से आगे है छत्तीसगढ़**

तंबाकू सेवन के मामले में छत्तीसगढ़ देश के कई बड़े और पड़ोसी राज्यों को पीछे छोड़ चुका है। पुरुषों के आंकड़ों पर गौर करें तो छत्तीसगढ़ (43.1 प्रतिशत) इन राज्यों से कहीं आगे है:

मध्य प्रदेश: 46.4 प्रतिशत (पुरुषों में छत्तीसगढ़ से थोड़ा अधिक लेकिन महिलाओं में छत्तीसगढ़ 17.3 प्रतिशत के साथ एमपी के 10.3 प्रतिशत से बहुत आगे है)।

राजस्थान: 41.9 प्रतिशत

गुजरात: 41.2 प्रतिशत

महाराष्ट्र: 33.8 प्रतिशत

उत्तर प्रदेश: 44.0 प्रतिशत (पुरुषों में लगभग बराबर, पर महिलाओं में यूपी 8.5 प्रतिशत के साथ छत्तीसगढ़ से पीछे है)। हरियाणा और पंजाब: इन राज्यों में औसत क्रमशः 29.1 प्रतिशत और 12.8 प्रतिशत है, जो छत्तीसगढ़ के मुकाबले काफी कम है। इसके अलावा दक्षिण भारतीय राज्यों जैसे तमिलनाडु (20.0 प्रतिशत) कर्नाटक (27.3 प्रतिशत) और आंध्र प्रदेश (22.6 प्रतिशत) की तुलना में छत्तीसगढ़ में तंबाकू का सेवन करने वाले पुरुषों की संख्या लगभग दोगुनी है।

यास्तिका नंदिनी की एंट्री प्रतिका...

हो) खिलाड़ी नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया। जहां विशेषज्ञ बल्लेबाज प्रतिका रावल और हरलीन देओल को टीम से बाहर रखा गया, वहीं ऑलराउंडर अमनजोत कौर और काशवी गौतम चोट के कारण चयन से चूक गईं। हरमनप्रीत कौर सभी टीमों की कप्तानी करेंगी। जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान होंगी। प्रतिका को हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह टेस्ट मैच 10 से 13 जुलाई के बीच लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा, वहीं हरलीन वनडे श्रृंखला में भारत ए टीम की अगुआई करेंगी। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। तेज गेंदबाजभ लाइन-अप में पूजा वस्त्राकर भी शामिल नहीं हैं। रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ के साथ मिलकर तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करती रहेंगी। अनुष्का शर्मा और उमा छेत्री के लिए टीम में कोई जगह नहीं थी जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। मुख्य टीम काफी हद तक वैसी ही है जिसने पिछले साल नवंबर में वनडे महिला विश्व कप जीता था।

तपती गैस, महंगा तेल...समोसा-कचौड़ी ...

स्वीट्स' के मैनेजर विष्णु कुमार 20 रुपये प्रति नग के रेट पर ही बिक्री कर रहे हैं, ताकि ग्राहक न टूटें। न्यू भारत स्वीट्स ने भी अभी दाम नहीं बढ़ाए हैं। लेकिन सभी मानते हैं कि आने वाले दिनों में दाम बढ़ाना मजबूरी होगी।

बिलासपुर: यहां महंगाई की सबसे ज्यादा मार पड़ी है। 'होटल संतोष भुवन' के संचालक मनीष आवटी के मुताबिक सिलेंडर और तेल के दाम बढ़ने से महीने में 80 हजार का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। 'होटल शिवपुरी' के संचालक हर्षित केशरवानी ने बताया कि फिलहाल रेट नहीं बढ़ाते हुए समोसे और अन्य सामानों की साइज छोटी कर दी गई है।

रायगढ़: रामनिवास टॉकिज चौक स्थित 'तुलसी होटल' के संचालक विनय अग्रवाल और 'करणी राजस्थानी भोजनालय' के राहुल अग्रवाल ने बताया कि प्रतिदिन 4-5 सिलेंडर की खपत होती है, ऐसे में पुराने रेट पर सेवा देना संभव नहीं है। यहां दो दिनों के भीतर मेन्यू में 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी की तैयारी है।

शादी का बजट भी बिगड़ा: हलवाई रामजी चौहान के अनुसार, शादी-ब्याह में 500 लोगों की दावत में करीब 20 सिलेंडर लगते हैं, जिससे सीधे 20 हजार रुपये का बोझ बढ़ गया है। मंडप संचालकों का मानना है कि इससे प्रति प्लेट 50 से 250 रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

राशिफल

मेष — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन — मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह — नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

जर्मनी से नाराज ट्रम्प ने वापस बुलाए 5000 सैनिक

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका ने जर्मनी से करीब 5,000 सैनिक हटाने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह प्रक्रिया अगले 6 से 12 महीनों में पूरी होगी। यह कदम सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच बयानबाजी के बाद सामने आया है।

मर्ज ने पिछले महीने एक कार्यक्रम मंस कहा था कि अमेरिका के पास कोई अच्छी प्लानिंग नहीं है। उसे पता ही नहीं है कि वह इस जंग से बाहर कैसे निकलेगा। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत को टालने में माहिर है और अमेरिका को बिना नतीजे के इस्लामाबाद तक आना-जाना पड़ा। इससे अमेरिका को ईरान के सामने अपमानित होना पड़ा। इससे ट्रम्प नाराज हो गए थे। उन्होंने मर्ज को लेकर कहा कि वे बहुत खराब काम कर रहे हैं। उनको लगता है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना अच्छी बात है। उन्हें हकीकत की समझ नहीं है।

जर्मन चांसलर ने कहा था- ईरान ने अमेरिका की बेइज्जती की

अमेरिका के जर्मनी में सैन्य ठिकाने क्यों हैं? : जर्मनी में अमेरिकी सेना की मौजूदगी 1945 से शुरू हुई, जब नाजी जर्मनी की हार के बाद अमेरिका ने वहां कब्जा कर लिया था। शुरुआत में उनका काम जर्मनी के अमेरिकी कंट्रोल वाले हिस्से को संभालना और नाजीकरण खत्म करना था। लेकिन बाद में शीत युद्ध शुरू होने पर ये सोवियत खतरे को रोकने के लिए थे, लेकिन अब ये अमेरिका के लिए 'लॉन्चिंग पैड' और लॉजिस्टिक हब बन गए हैं। यहीं से अमेरिका ने इराक, अफगानिस्तान और हाल ही में ईरान से जुड़े सैन्य अभियानों को चलाया और सपोर्ट किया। असल में समझौता ऐसा है कि अमेरिका यूरोप की सुरक्षा में मदद करता है और बदले में यूरोप उसे ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर देता है जिससे वह दुनियाभर में अपने सैन्य अभियान चला सके। इसलिए यह सिर्फ 'यूरोप की मदद' नहीं, बल्कि अमेरिका की रणनीति का हिस्सा है।

जर्मनी में 36 हजार अमेरिकी सैन्य तैनात

रिपोर्ट मुताबिक दिसंबर तक जर्मनी में 36,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात थे। यह संख्या जापान के बाद दूसरी सबसे बड़ी तैनाती है, जहां करीब 55,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं। इसके अलावा इटली में करीब 12,000 और ब्रिटेन में लगभग 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। जर्मनी में अमेरिकी सैन्य ठिकाने लंबे समय से यूरोप में अमेरिका की रणनीतिक मौजूदगी का अहम हिस्सा रहे हैं।

सोमनाथ : श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, दो की मौत

सोमनाथ। गुजरात में मंगरोल तालुका के रायज गांव के पास शनिवार दोपहर को श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस पलट गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा घायल हो गए। बस में 40 से अधिक श्रद्धालु सवार थे। सभी भावनगर से सोमनाथ ज्योतिर्लिंग जा रहे थे। मिली जानकारी के मुताबिक, रायज गांव के पास हाईवे पर अचानक एक नीलगाय आ गई थी। इसे बचाने के चलते ड्राइवर का स्टीयरिंग पर कंट्रोल नहीं रहा और बस सड़क किनारे पलट गई। राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों को घायलों की मदद की।

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate
साख समीक्षा एवं निगरानी अनुभाग, अंचल कार्यालय, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, साकेत नगर बागसेवनिया भोपाल- 462020

स्टॉक ऑडिटर को सूचीबद्ध करने हेतु

केनरा बैंक रायपुर, बिलासपुर और जबलपुर में शैक्षिक योग्यता और अनुभव संबंधी मानदंडों को पूर्ण करने वाले स्टॉक ऑडिटर नियुक्त कर रहा है। केनरा बैंक केवल कृषि भूमि के लिए वेल्युअर्स/कंपनी सेक्रेटरी को भी नियुक्त कर रहा है।
आवेदन निम्न पते पर प्रेषित करें :-
साख समीक्षा एवं निगरानी अनुभाग, सर्कल ऑफिस, भोपाल: प्लॉट नंबर 04 पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेतनगर, भोपाल 462020, rmscobpl@canarabank.com
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10.05.2026 है।

अंचल प्रमुख
केनरा बैंक
अंचल कार्यालय भोपाल

शब्द पहेली - 6214

बाएँ से दाए-
1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
18. लय, स्वर-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर, घमंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत, जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर, थाती-4
15. तरंग, हिलोर-3
16. निरंकुश, मुंहजोर-4
17. किनारा, तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया, जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान, शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

शब्द पहेली -6213 का हल

■	बं	दा	न	बा	ज	■	आ	स	मा	न
न	दी	■	र	■	ल	बा	दा	■	र	जा
व	■	ज	म	ज	म	■	ब	री	■	क
जी	म	ना	■	■	ह	ठ	■	ता	क	त
व	■	चा	■	जे	ल	■	पे	■	ता	■
न	ग	र	से	ठ	■	फ	ट	का	र	ना
■	री	■	ना	■	स	ना	■	रो	■	म
सु	ब	ह	■	दा	म	■	■	बा	री	क
र	■	क	श	■	झ	न	का	र	■	र
ता	प	■	प	र	दा	■	म	■	क	ण
ल	थ	प	थ	■	र	च	ना	का	र	■

सूडोकु नवताल - 6224

★★★★☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6223 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

टर्म इंश्योरेंस लेते समय रखें ध्यान, वरना टूट जाएगा 'सुरक्षा कवच'

सुझाव | बिजनेस डेस्क

टर्म इंश्योरेंस किसी भी व्यक्ति की वित्तीय योजना का सबसे अहम हिस्सा होता है। यह वह सुरक्षा कवच है, जो आपके न रहने पर आपके परिवार को आर्थिक संकट से बचाता है। लेकिन अक्सर लोग जानकारी के अभाव या थोड़े पैसे बचाने के लालच में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका खामियाजा उनके परिवार को उठाना पड़ता है। कई मामलों में तो क्लेम तक रिजेक्ट हो जाता है और पूरी योजना बेकार साबित हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि टर्म इंश्योरेंस लेते समय कुछ बुनियादी बातों का खास ध्यान रखा जाए।

पर्याप्त कवर न लेना: सबसे बड़ी भूल

अक्सर लोग कम प्रीमियम के चक्कर में कम बीमा राशि चुन लेते हैं। यह सबसे गंभीर गलती है। बीमा का उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि परिवार को पूरी आर्थिक सुरक्षा देना है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपकी बीमा राशि आपकी सालाना आय का कम से कम 15 से 20 गुना होनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन, कार लोन और अन्य देनदारियों को भी इसमें शामिल करना जरूरी है, ताकि आपके बाद परिवार पर कर्ज का बोझ न आए।

बीमा लेने में देरी करना

कई लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस लेने में देरी करते हैं कि वे अभी युवा और स्वस्थ हैं। लेकिन बीमा के मामले में देरी महंगी पड़ती है। कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है और वह पूरे कार्यकाल के लिए लॉक हो जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बीमारियों का खतरा बढ़ता है और बीमा लेना मुश्किल या महंगा हो सकता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, टर्म प्लान लेना समझदारी है।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो को नजरअंदाज करना

सिर्फ कम प्रीमियम या बड़े ब्रांड के नाम पर कंपनी चुनना सही नहीं है। सबसे जरूरी है कंपनी का क्लेम सेटलमेंट रेशियो (सीएसआर), जो बताता है कि कंपनी कितने प्रतिशत क्लेम्स का भुगतान करती है। हमेशा ऐसी कंपनी चुनें, जिसका सीएसआर 95% या उससे अधिक हो। इससे यह भरोसा मिलता है कि जरूरत पड़ने पर आपका परिवार क्लेम पाने में परेशानी का सामना नहीं करेगा।

नॉमिनी की गलत या पुरानी जानकारी

नॉमिनी की जानकारी सही और अपडेट होना बेहद जरूरी है। कई बार लोग नॉमिनी का नाम या अन्य विवरण अपडेट नहीं करते, जिससे क्लेम के समय कानूनी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। शादी, तलाक या नॉमिनी के निधन जैसी स्थितियों में तुरंत जानकारी अपडेट करना जरूरी है। साथ ही, अपडेट का प्रमाण भी संभालकर रखना चाहिए।

राइडर्स व एड-ऑन्स को नजरअंदाज करना

टर्म इंश्योरेंस के साथ मिलने वाले राइडर्स आपके प्लान को और मजबूत बनाते हैं, लेकिन लोग थोड़े पैसे बचाने के लिए इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यह एक बड़ी गलती है। क्रिटिकल इलनेस राइडर गंभीर बीमारियों में आर्थिक सहायता देता है, वहीं प्रीमियम वेवर राइडर विकलांगता या बीमारी की स्थिति में भविष्य के प्रीमियम माफ कर देता है। एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट भी परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। ये छोटे-छोटे एड-ऑन्स मुश्किल समय में बड़ा सहारा बनते हैं।

स्वास्थ्य और जानकारी छुपाना

बीमा लेते समय अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, धूम्रपान की आदत या पहले से चल रही बीमारियों को छुपाना सबसे खतरनाक गलती है। बीमा कंपनी आपके मेडिकल रिकॉर्ड की जांच करती है, और यदि जानकारी गलत पाई जाती है तो क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए पूरी पारदर्शिता रखना बेहद जरूरी है। ईमानदारी ही यह सुनिश्चित करती है कि जरूरत के समय आपका परिवार बिना किसी परेशानी के क्लेम प्राप्त कर सके।

सही कवर चुने

टर्म इंश्योरेंस कोई निवेश नहीं, बल्कि आपके परिवार के भविष्य की सुरक्षा का वादा है। इसे लेते समय छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती हैं। सही कवर चुनना, समय पर पॉलिसी लेना, कंपनी की विश्वसनीयता जांचना और पूरी ईमानदारी से जानकारी देना ये सभी बातें आपके फैसले को मजबूत बनाती हैं। याद रखें, आज लिया गया एक सही निर्णय आपके परिवार को कल आर्थिक संकट से बचा सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- सिर्फ चांदी नहीं, पोर्टफोलियों में डाइवर्सिफिकेशन ही असली ताकत
- ईटीएफ और डिजिटल सिल्वर भी बन रहे हैं निवेशकों की पसंद

40% टूटी चांदी, सावधानी और धैर्य के साथ करेंगे निवेश तो होगा लाभ

चांदी की गिरावट में छिपा मौका लेकिन रणनीति भी बेहद जरूरी

जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है। क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

चांदी (सिल्वर) की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच नई बहस छेड़ दी है। जो धातु साल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई थी, वही अब अपने ऑल टाइम हाई से करीब 40% नीचे फिसल चुकी है। जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

गिरावट के पीछे क्या हैं कारण

चांदी की कीमतों में आई इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य देशों के लिए चांदी खरीदना महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग में कमी आती है और कीमतों पर दबाव बनता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद ने भी निवेशकों के रुझान को बदला है। निवेशक अब ऐसे विकल्पों की ओर झुक रहे हैं जो उन्हें नियमित आय दे सकें। चूंकि चांदी से कोई ब्याज या डिविडेंड नहीं मिलता, इसलिए इसमें निवेश अपेक्षाकृत कम आकर्षक हो जाता है। तीसरा बड़ा कारण है मुनाफावसूली। लंबे समय तक तेजी के बाद निवेशकों ने अपने मुनाफे को सुरक्षित करना शुरू किया, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी और कीमतें तेजी से नीचे आईं।

इंडस्ट्रियल डिमांड: चांदी की ताकत

चांदी की खासियत यह है कि यह केवल निवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका बड़ा उपयोग उद्योगों में भी होता है। इसकी कुल मांग का 60% से अधिक हिस्सा इंडस्ट्रियल सेक्टर से आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, ऑटोमोबाइल और ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सोलर इंडस्ट्री में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है, जो भविष्य में इसकी कीमतों को मजबूती दे सकता है। यही वजह है कि भले ही कीमतों में गिरावट आई हो, लेकिन इसके फंडामेंटल अभी भी मजबूत माने जा रहे हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

वैश्विक तनाव भी चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। आमतौर पर जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्पों जैसे सोना और चांदी की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशकों ने नकदी को प्राथमिकता दी। ऐसे हालात में अक्सर देखा जाता है कि अच्छे एसेट्स भी बिक जाते हैं, क्योंकि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करने के लिए नकदी बढ़ाना चाहते हैं।

क्या यह निवेश का सही समय है?

विशेषज्ञों की राय में इस गिरावट को पूरी तरह नकारात्मक नजरिए से नहीं देखना चाहिए। यदि कीमतों में गिरावट अस्थायी कारणों जैसे डॉलर की मजबूती या बाजार की घबराहट की वजह से है, तो यह निवेश का अवसर बन सकती है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह "बाय ऑन डिप्स" यानी गिरावट पर खरीदारी का अच्छा मौका हो सकता है। हालांकि, इसमें एकमुश्त निवेश करने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

निवेश के लिए सही रणनीति

■ एक बार में पूरी रकम निवेश करने से बचें ■ चरणबद्ध तरीके से निवेश करें (एसआईपी या नियमित खरीदारी) ■ अपने पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें ■ केवल चांदी पर निर्भर न रहें ■ ईटीएफ या डिजिटल सिल्वर जैसे विकल्पों पर भी विचार करें ■ आज के समय में कई निवेशक फिजिकल चांदी खरीदने के बजाय ईटीएफ और डिजिटल माध्यमों को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि ये अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होते हैं।

तकनीकी संकेत क्या कहते हैं?

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, चांदी के कुछ महत्वपूर्ण स्तर सामने आए हैं। अगर कीमतें 2.46 लाख के ऊपर टिकती हैं, तो आगे 2.48 लाख तक तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं, नीचे की ओर 2.35–2.30 लाख का स्तर मजबूत सपोर्ट माना जा रहा है। इसका मतलब है कि यहां से गिरावट सीमित हो सकती है, और कीमतें स्थिर होने की संभावना बनती है।

सप्लाई-डिमांड का समीकरण

चांदी के पक्ष में एक और मजबूत फैक्टर इसका सप्लाई-डिमांड बैलेंस है। पिछले कुछ वर्षों से बाजार में सप्लाई की तुलना में मांग अधिक बनी हुई है, जिससे सप्लाई डेफिसिट की स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, चीन जैसे बड़े बाजारों से लगातार मांग बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कम इन्वेंट्री भी इस बात का संकेत देती है कि आने वाले समय में कीमतों को सपोर्ट मिल सकता है।

घबराएं नहीं, आगे बढ़ें

चांदी में आई हालिया गिरावट निश्चित रूप से चिंता पैदा करती है, लेकिन इसे पूरी तरह नकारात्मक संकेत नहीं माना जा सकता। बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है, खासकर तब जब किसी एसेट में पहले तेज तेजी देखने को मिली हो। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चांदी अभी भी एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है, बशर्ते निवेश सोच-समझकर और रणनीति के साथ किया जाए।

यह रखें ध्यान

- जल्दबाजी में निवेश से बचें
- गिरावट को अवसर के रूप में देखें, लेकिन जोखिम समझें
- चरणबद्ध निवेश सुरक्षित तरीका है
- पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखें
- निवेश का सही समय वही होता है जब आप सही रणनीति और धैर्य के साथ फैसला लेते हैं।

सुरक्षा और ग्रोथ का संतुलन बनाकर महंगाई को दें मात, अपनाएं स्मार्ट निवेश रणनीति

45 के बाद निवेश : डर नहीं, समझदारी से ही बन पाएगी 'गोल्डन' रिटायरमेंट

तैयारी | बिजनेस डेस्क

आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 साल की उम्र को अक्सर निवेश के लिहाज से एक 'टर्निंग पॉइंट' माना जाता है। इस उम्र में पहुंचते ही अधिकांश लोग जोखिम लेने से कतराने लगते हैं और अपनी पूरी बचत को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या पारंपरिक स्कीमों में डालने की सोचने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सोच अधूरी है। दरअसल, 45 की उम्र 'फिनिश लाइन' नहीं, बल्कि रिटायरमेंट की तैयारी का सबसे अहम दौर है। अभी भी आपके पास लगभग 15 साल का समय है, जिसे सही रणनीति के साथ इस्तेमाल कर आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बना सकते हैं। आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें। 45 के बाद निवेश का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है संतुलन। न तो पूरा पैसा जोखिम वाले विकल्पों में लगाना समझदारी है और न ही पूरी तरह सुरक्षित विकल्पों में। इसके लिए 40:40:20 का फॉर्मूला काफी प्रभावी माना जाता है। इस फॉर्मूले के अनुसार, 40% निवेश सुरक्षा के लिए (बीमा और पेंशन योजनाएं), 40% ग्रोथ के लिए (म्यूचुअल फंड या इक्विटी) और 20% स्थिरता के लिए (सोना या सरकारी बॉन्ड) में लगाया जाना चाहिए।

बीमा और पेंशन: मजबूत नींव

45 की उम्र के बाद सबसे पहले आपको अपने और अपने परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। टर्म इंश्योरेंस इस मामले में एक मजबूत ढाल का काम करता है, जो आपके न रहने पर परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस भी बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने लगते हैं और इलाज का खर्च आपकी बचत को तेजी से खत्म कर सकता है। इसके अलावा, एन्युटी या पेंशन योजनाएं रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का भरोसा देती हैं। इससे आपको दूसरों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और आप आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं।

इक्विटी से दूरी बनाना गलती

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि 45 के बाद शेयर बाजार में निवेश करना जोखिम भरा है, इसलिए वे इससे दूरी बना लेते हैं। लेकिन यह एक बड़ी गलती हो सकती है। महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी निवेश जरूरी है। हालांकि, इसमें निवेश सोच-समझकर और लंबे समय के नजरिए से करना चाहिए। यदि सीधे शेयर बाजार की समझ नहीं है, तो म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। जब भी बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, सोना आपके पोर्टफोलियो को संतुलन देता है। इसलिए कुल निवेश का 10-20% हिस्सा सोने में रखना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है।

अनुशासन और धैर्य जरूरी

45 की उम्र में सबसे बड़ा जोखिम 'जल्दी अमीर बनने' की चाह होती है। कई लोग ज्यादा रिटर्न के लालच में गलत निवेश कर बैठते हैं और अपनी पूंजी गंवा देते हैं। इसलिए इस उम्र में निवेश करते समय अनुशासन और धैर्य बेहद जरूरी है। नियमित निवेश लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी हैं।

वित्तीय ज्ञान बढ़ाना भी जरूरी

सिर्फ निवेश करना ही काफी नहीं है, बल्कि निवेश की समझ होना भी जरूरी है। अच्छी वित्तीय किताबें पढ़ना, विशेषज्ञों की सलाह लेना और समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करना आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है। याद रखें, अमीर बनना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है अमीर बने रहना।

समझदारी से मैनेज करें

45 के बाद निवेश का मतलब जोखिम से भागना नहीं, बल्कि उसे समझदारी से मैनेज करना है। यह वह समय है जब आपको अपनी कमाई को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उसे बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए। सही रणनीति, संतुलित पोर्टफोलियो और अनुशासित निवेश के जरिए आप अपने रिटायरमेंट को न केवल सुरक्षित, बल्कि आरामदायक भी बना सकते हैं। आज लिया गया सही फैसला ही आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति देगा।

बच्चों की पढ़ाई के लिए ऐसे तैयार करें 1 करोड़ का फंड

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में शिक्षा सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक बड़ा वित्तीय लक्ष्य बन चुकी है। खासकर अगर आप अपने बच्चे को विदेश में पढ़ाना चाहते हैं, तो खर्च आसानी से 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकता है। ऐसे में माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है। इतनी बड़ी रकम कैसे जुटाई जाए? अच्छी बात यह है कि सही रणनीति, समय पर शुरुआत और अनुशासित निवेश के जरिए यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल किया जा सकता है।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ी ताकत

बच्चे की पढ़ाई के लिए फंड बनाने में समय सबसे अहम फैक्टर है। अगर आपका बच्चा अभी 2–5 साल का है, तो आपके पास 12–15 साल का लंबा समय होता है। यह समय आपको कंपाउंडिंग (ब्याज पर ब्याज) का पूरा फायदा देता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना कम पैसा लगाकर भी बड़ा फंड बना सकते हैं।

सही रणनीति

टर्म प्लान+एसआईपी का कॉम्बिनेशन

टर्म इंश्योरेंस क्यों जरूरी

अगर परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाए, तो बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो—इसके लिए टर्म प्लान सुरक्षा कवच का काम करता है।

एसआईपी कैसे मदद करती है?

म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड बनाया जा सकता है।

ऐसे समझें

- अगर आप हर महीने 20,000 एसआईपी में निवेश करते हैं और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में लगभग 90 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का फंड तैयार हो सकता है।
- सिर्फ शेयर बाजार (इक्विटी) में निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए निवेश को संतुलित रखना जरूरी है।

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)

अगर आप हर साल 1.5 लाख रुपये (महीने के 12,500 रुपये) पीपीएफ में निवेश करते हैं, तो 15 साल में करीब 40 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

एसआईपी+पीपीएफ का कॉम्बिनेशन

- 10,000 मासिक एसआईपी लगभग 60 लाख रुपये
- 1.5 लाख सालाना पीपीएफ लगभग 40 लाख रुपये
- कुल मिलाकर: 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल

बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना

अगर आपकी बेटी है, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) एक शानदार विकल्प है। इसमें सरकार द्वारा तय किया गया आकर्षक ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। लंबे समय में एसएसवाई से लगभग 60–70 लाख रुपये तक का फंड बन सकता है। इसके साथ 3,000–5,000 रुपये की एसआईपी जोड़ने से 1 करोड़ का लक्ष्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान : फायदे और सीमाएं

कुछ माता-पिता चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान भी चुनते हैं, जिसमें बीमा और निवेश दोनों शामिल होते हैं। माता-पिता के न रहने पर भी प्रीमियम जारी रहता है। मैच्योरिटी पर बच्चे को पूरा पैसा मिलता है।

कुछ कमियां भी

- रिटर्न अपेक्षाकृत कम
- लंबा लॉक-इन पीरियड
- कम लचीलापन
- इसलिए विशेषज्ञ आमतौर पर टर्म प्लान+एसआईपी को ज्यादा बेहतर विकल्प मानते हैं। अगर आप हर साल 1–1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और औसतन 10–12% का रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

अनुशासित निवेश व कंपाउंडिंग मामूली बचत को बना देगा बड़ा फंड

रणनीति | बिजनेस डेस्क

हर माह 10,000 के निवेश से बना सकते हैं 3 करोड़ तक, '10x12x30' के फॉर्मूले से समझें अमीर बनने का गणित, छोटी बचत, लंबा समय और कंपाउंडिंग का जादू देगा आर्थिक ताकत

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी रिटायरमेंट लाइफ आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त हो। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि करोड़ों का फंड आखिर कैसे तैयार किया जाए? क्या इसके लिए भारी-भरकम कमाई या कोई बड़ी विरासत जरूरी है? जवाब है नहीं। सही रणनीति, अनुशासन और समय के साथ आप एक सामान्य आय में भी बड़ा फंड बना सकते हैं। इसी सोच को आसान बनाने के लिए वित्तीय जगत में एक लोकप्रिय फार्मूला चर्चा में है '10x12x30' फॉर्मूला। यह कोई जादू नहीं, बल्कि एक साधारण गणित है, जो म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए करोड़ों का फंड तैयार करने का रास्ता दिखाता है।

क्या है '10x12x30' फॉर्मूला?

- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
- 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
- 12 (रिटर्न): औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में संभावित)।
- 30 (समय): लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
- इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

कैसे बनता है 3 करोड़ रुपये का फंड

- मान लीजिए आप 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 60 साल तक जारी रखते हैं।
- मासिक एसआईपी : 10,000 रुपये
- कुल अवधि: 30 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12%
- इस दौरान आपका कुल निवेश होगा करीब 36 लाख रुपये, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से यह रकम बढ़कर लगभग 3.08 करोड़ रुपये तक हो सकती है।
- यानी आपने जितना पैसा लगाया, उससे कई गुना ज्यादा आपको रिटर्न के रूप में मिलता है। यही इस फॉर्मूले का असली आकर्षण है।

कंपाउंडिंग: असली गेम चेंजर

इस पूरी रणनीति की जान है कंपाउंडिंग, जिसे "ब्याज पर ब्याज" भी कहा जाता है। शुरुआती वर्षों में आपका निवेश धीमी गति से बढ़ता नजर आता है। कई लोगों को लगता है कि फायदा कम हो रहा है, लेकिन यही वह समय होता है जब नींव तैयार हो रही होती है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, आपका निवेश तेजी से बढ़ने लगता है। खासकर आखिरी 10-15 सालों में कंपाउंडिंग का असर विस्फोटक हो जाता है। उदाहरण के तौर पर, पहले 15 साल में जो ग्रोथ दिखती है, उससे कई गुना ज्यादा ग्रोथ अगले 15 साल में देखने को मिलती है।

जल्दी शुरुआत का बड़ा फायदा

इस फॉर्मूले का सबसे अहम हिस्सा है समय। अगर आप 30 की बजाय 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 35 साल तक एसआईपी जारी रखते हैं, तो वही 10,000 की राशि करीब 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इसका मतलब साफ है कि जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

स्टेप-अप एसआईपी से लक्ष्य आसान

केवल 10,000 रुपये पर ही टिके रहना जरूरी नहीं है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे एसआईपी राशि भी करीब 10 फीसदी तक बढ़ाई जानी चाहिए। इसे ही स्टेप-अप एसआईपी कहा जाता है।अगर आप हर साल अपनी एसआईपी में 5% से 10% की बढ़ोतरी करते हैं, तो आप 3 करोड़ का लक्ष्य और भी जल्दी हासिल कर सकते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जिनकी सैलरी हर साल बढ़ती है।

निवेश के दौरान रखें ध्यान

1. **अनुशासन बनाए रखें** : बाजार में गिरावट या उतार-चढ़ाव के समय एसआईपी बंद करना सबसे बड़ी गलती हो सकती है।
2. **लंबी अवधि का नजरिया रखें** : शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव सामान्य है, लेकिन लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावना अधिक रहती है। इसलिए हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें।
3. **धैर्य जरूरी है** : पहले कुछ सालों में रिटर्न कम दिख सकता है, लेकिन धैर्य रखने से ही बड़ा फायदा मिलता है।

क्या यह फॉर्मूला हर किसी के लिए सही है

यह फॉर्मूला एक सामान्य गाइडलाइन है, न कि गारंटी। 12% रिटर्न एक अनुमान है, जो बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए निवेश शुरू करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय सीमा को समझना जरूरी है। जरूरत पड़े तो वित्तीय सलाहकार से भी सलाह ली जा सकती है।

सही योजना और अनुशासन जरूरी

'10x12x30' फॉर्मूला यह साबित करता है कि अमीर बनने के लिए असाधारण आय नहीं, बल्कि सही योजना और अनुशासन जरूरी है। 10,000 रुपये जैसी साधारण मासिक बचत भी 30 साल में 3 करोड़ सही योजना और अनुशासन जरूरी से ज्यादा का फंड बना सकती है बस जरूरत है समय, धैर्य और निरंतरता की। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा हथियार पैसा नहीं, बल्कि समय और अनुशासन है। जो व्यक्ति इन दोनों को सही तरीके से इस्तेमाल करता है, वही असली मायने में आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और आपकी आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	8	6	1	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
हैदराबाद	9	6	3	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	9	5	4	10
चेन्नई	9	4	5	8
दिल्ली	9	4	5	8
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	9	2	7	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप | **पर्पल कैप**

लोकेश राहुल 433 रन दिल्ली | भुवनेश्वर कुमार 17 विकेट बेंगलुरु

खबर संक्षेप

फिनिशर की भूमिका का ले रहा हूं आनंद : आशुतोष

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह मौजूदा आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाने का आनंद ले रहे हैं और टीम की जीत में योगदान देकर उन्हें बहुत खुशी होती है। आशुतोष ने कहा, ' मुझे अपनी टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाकर अच्छा लगता है। टीम ने इन परिस्थितियों में मुझ पर भरोसा किया है और मुझे ऐसे मौकों पर खेलना पसंद है। मुझे हमेशा लगता है कि जब तक मैं क्रीज पर हूं, टीम को जीत दिला सकता हूं।'

चेन्नई ने मुंबई को 8 विकेट से किया चित, गायकवाड़ और कार्तिक ने जड़ा अर्धशतक

एमआई को मिली सीजन की 7वीं हार, सीएसके की धमाकेदार जीत

एजेंसी ▸▸ चेन्नई

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस को छोटे स्कोर पर रोकने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 67) और कार्तिक शर्मा (नाबाद 54) के बीच तीसरे विकेट के लिए 75 गेंद में 98 रन की अटूट साझेदारी की मदद से शनिवार को आईपीएल के एक अहम मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज की। स्पिनर नूर अहमद (26 रन देकर 2 विकेट) और अंशुल कंबोज (32 रन देकर 3 विकेट) की अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत सीएसके ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट पर महज 159 रन पर रोक दिया। फिर गायकवाड़ की 48 गेंद में 5 चौके और 2 छक्के जड़ित नाबाद पारी और कार्तिक (40 गेंद में 4 चौके और 3 छक्के) के पहले आईपीएल अर्धशतक से 18.1 ओवर में 2 विकेट पर 160 रन बनाकर आसान जीत हासिल की, जो इस सत्र में उसकी चौथी जीत है। एमआई की यह सीजन में सातवीं हार है।

सीएसके की प्लेऑफ में संभावना बरकरार

लगातार निराशाजनक प्रदर्शनों के बाद पांच-पांच आईपीएल खिताब जीत चुकी दोनों ही टीम का टूर्नामेंट में आगे का सफर इस मैच के नतीजे पर निर्भर था। सीएसके इस जीत से 8 अंक लेकर छठे स्थान पर पहुंच गई, जिससे उसकी प्लेऑफ में कदम बढ़ाने की संभावना बरकरार है जबकि मुंबई इंडियंस चार अंक से नौवें स्थान पर है।

गायकवाड़ ने तोड़ा गेल के रिकॉर्ड

ऋतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 48 गेंद पर 67 रनों की पारी खेली, अपनी नाबाद 67 रनों की पारी के दौरान गायकवाड़ ने आईपीएल में एक बड़ा रिकॉर्ड बना दिया। ऋतुराज गायकवाड़ आईपीएल इतिहास में 79 पारियों के बाद सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। ऐसा कर गायकवाड़ ने क्रिस गेल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। गेल ने आईपीएल इतिहास में 79 पारियों के बाद कुल 23 बार 50+ स्कोर करने में सफलता हासिल की थी। वहीं, अब गायकवाड़ के नाम पहले 79 आईपीएल पारियों के बाद कुल 24 बार 50+ स्कोर बनाने का कमाल कर दिखाया है।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस पारी	रन	गेंद	4	6
[illegible]	01	5	0	0
रिकेल्टन का पटेल बो नूर	37	24	0	5
[illegible]	57	37	4	3
[illegible]	21	12	3	1
[illegible]	05	8	0	0
[illegible]	18	23	2	0
तिलक वर्मा का ... बो कंबोज	05	3	1	0
रॉबिन मिंज बो कंबोज	03	5	0	0
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	07	2	0	1

अतिरिक्त : 05, कुल : 20 ओवर में 159/7 रन
गेंदबाजी : [illegible] 25-0, नूर 4-0-26-2, रामकृष्ण 3-0-24-1, ओवरटन 4-0-23-1

चेन्नई सुपर किंग्स पारी	रन	गेंद	4	6
सैमसन का रिकेलटन बो बुमराह	11	9	2	0
रुतुराज गायकवाड़ नाबाद	67	48	5	2
उर्विल पटेल बो गजनफर	24	12	2	2
कार्तिक शर्मा नाबाद	54	40	4	3

अतिरिक्त : 04, कुल : 18.1 ओवर में 160/2 रन
गेंदबाजी : बोल्ट 3.1-0-37-0, बुमराह 3-0-20-1, भगत 2-0-22-0, गजनफर 4-0-40-1, रघु शर्मा 4-0-24-0, हार्दिक पंड्या 2-0-17-0

पंजाब-गुजरात में भिड़ंत आज

अहमदाबाद। पिछले मैच में पंजाब किंग्स का जीत का सिलसिला टूट गया और वह लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। राजस्थान रॉयल्स ने इस सप्ताह के शुरू में पंजाब किंग्स के अजेय अभियान पर रोक लगा दी थी। हालांकि पंजाब किंग्स की टीम 8 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन आरसीबी, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स उससे सिर्फ एक अंक पीछे हैं। **मैच दोपहर 3.30 बजे से।**

कोलकाता का मुकाबला हैदराबाद से

हैदराबाद। अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से खिताब के दावेदारों में शामिल हुई सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी। सनराइजर्स की टीम लगातार 5 मैच जीत चुकी है और अंकतालिका में 9 मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं जबकि 3 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर की टीम अभी तक संघर्ष कर रही है। **मैच शाम 7.30 बजे। से।**

मैड्रिड ओपन

सिनर ने की 350वीं जीत हासिल, फाइनल में एंट्री

- यानिक ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराया
- फाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▸▸ मैड्रिड

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने कॅरियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

सिनर ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं।

थॉमस कप : क्रिस्टो ने आयुष को हराया, फ्रांस ने बनाई बढ़त

एजेंसी ▸▸ होर्सेंस

आयुष शेट्टी को शुरुआती एकल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिससे भारत थॉमस कप फ़ाइनल के सेमीफाइनल में फ्रांस से 0-1 से पिछड़ा गया। आयुष को शुरुआती सिंगल्स में तब उतारा गया क्योंकि लक्ष्य सेन की दाहिनी कोहनी में सूजन थी। आयुष फ्रांस के पोपोव की रणनीति का मुकाबला करने में नाकाम रहे और 39 मिनट में 11-21, 9-21 से हार गए। यह पोपोव के हाथों आयुष की दूसरी हार थी। इससे पहले 2024 में हायलो ओपन में हुई उनकी एकमात्र भिड़ंत में भी आयुष को हार का सामना करना पड़ा था। आयुष ने शुरुआत में तो धैर्य दिखाया, लेकिन लगातार की गई कुछ गलतियों के कारण फ्रांसीसी खिलाड़ी 8-3 की बढ़त बनाने में कामयाब रहा।

आवश्यकता है

ड्राइवर - 2

कुशल ड्राइवर (ऑटोमेटिक गाड़ी चलाने में सक्षम)
इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा एवं
ड्राइविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करें
समय : सुबह 10 से शाम 6 बजे
एच.आर. विभाग
हरिभूमि | inh | पुजारी पार्क के सामने, टिकरापारा, रायपुर

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर–24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101
ई–नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) व 1 के अधीन अंचल संपत्ति की बिक्री की सूचना

ई–नीलामी तिथि एवं समय : 09.06.2026, प्रातः 11.00 से सायं 5.00 तक

ई–नीलामी उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक के अधिकृत अधिकार द्वारा नीचे उल्लेखित सम्पत्तियों का कब्जा लिया गया था। अधिकृत अधिकारी द्वारा उधारकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया, के निम्न शाखाओं के खातों की वसूली के लिये उक्त अधिनियम के नियम 8 एवं 9 अधीन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का सार्वजनिक नीलामी द्वारा जैसा है जहाँ है एवं जिस अवस्था में है के आधार पर विक्रय करने का निर्णय लिया गया है।

क्रं.	शाखा और उधारकर्ता/जमानतदार के नाम	बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य(लाख में) / ई.एम.डी. (लाख में) / बोली बढ़ोत्तरी (लाख में)	अ) मांग सूचना दिनांक / ब) कब्जा दिनांक / स) बकाया राशि (लाख में)
01	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स गौतम एंटरप्राइजेज, प्रोप.- श्री अखिल कुमार अग्रवाल, जमानतदार- श्री नंद किशोर अग्रवाल	**भूमि** - खसरा नं 136/1, प.ह नं 13, शीट नं 08, **क्षेत्रफल- 14377 वर्गफीट,** वार्ड नं 02, भुज बधान तालाब के पास, **बैकुंठपुर,** रायगढ़ (छ.ग.), मालिकाना हक - श्री नंदकिशोर अग्रवाल पिता श्री सूरजभान अग्रवाल ।सीमाएँ :- उत्तर-किशन मिश्रा की भूमि, दक्षिण - विजय राजपूत की भूमि, पूर्व - तालाब, पश्चिम - महन्त की भूमि । **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 152.75 ₹ 15.27 ₹ 0.50	अ) 04.04.2019 ब) 13.09.2019 स)₹ 838.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
02	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स गुरसुख एग्रो ट्रेडिंग कंपनी, प्रोप.: सुश्री पायल शर्मा	**भूमि एवं भवन** - सामयिक बंधक परिवर्तित पोल्ट्री फार्म भूमि एवं भवन स्थित खसरा नं 46/5, प.ह नं. 15, **भिंभोरी,** तिल्दा रोड के पास, तहसील एवं जिला - रायपुर, **क्षेत्रफल - 39288 वर्गफुट,** मालिकाना हक- सुश्री पायल शर्मा पिता श्री नारायण शर्मा । सीमाएँ: -उत्तर - राम सिंह का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता भूमि, पूर्व - सड़क, पश्चिम - मंत्रम का प्लॉट। **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 83.21 ₹ 8.32 ₹ 0.25	अ) 31.07.2024 ब) 01.10.2024 स)₹ 320.28 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
03	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- 1) मेसर्स मनोज ट्रेडिंग कंपनी, प्रो. सुश्री राधिका अग्रवाल पिता श्री शुशील अग्रवाल, जमानतदार - श्रीमती संगीता अग्रवाल पति स्व. श्री मनोज अग्रवाल, श्री शुशील अग्रवाल पिता स्व. श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, उधारकर्ता- 2) मेसर्स राधिका इंटरप्राइजेज, प्रो. श्री शुशील अग्रवाल पिता स्व. श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, जमानतदार- श्रीमती संगीता अग्रवाल पति स्व. श्री मनोज अग्रवाल	**(अ) खुली डायवर्टेड भूमि-** खसरा नं 1128/10, 1129/9 (भाग), एसबीआई शाखा के सामने, प.ह नं. 20, वीआईपी कॉलोनी के पास, देवकीनंदन दीक्षित वार्ड, वार्ड नं 58, मौजा - सरकंडा, ब्लॉक- बिल्हा, **बिलासपुर,** तहसील / जिला- बिलासपुर (छ.ग), **क्षेत्रफल- 27468 वर्गफुट,** मालिकाना हक- श्रीमती संगीता अग्रवाल पति श्री मनोज अग्रवाल ।सीमाएँ :- उत्तर - मृदुल हरि अग्रवाल की भूमि, दक्षिण – नदी, पूर्व - अन्य भूमि, पश्चिम - चटर्जी गली। **(सांकेतिक कब्ज़ा)** **(ब) खुली भूमि** - खसरा नं 1001/2 , 1002/2, प.ह नं 00032, रामकृष्ण परमहंस वार्ड, वार्ड क्रमांक 68, मौजा - सरकंडा, लोधीपारा, ब्लॉक बिल्हा, तहसील/ जिला - **बिलासपुर** (छ.ग.),**क्षेत्रफल - 20336.4 वर्गफुट** । सीमाएँ :- पूर्व-मनोज अग्रवाल की खुली भूमि,पश्चिम - भावना एवं सड़क की भूमि,उत्तर - कृषि विश्वविद्यालय की भूमि एवं सड़क, दक्षिण - दुबे एवं अन्य की खुली भूमि। **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	अ ₹ 215.00 ₹ 21.50 ₹ 0.50 ब ₹ 312.10 ₹ 31.21 ₹ 0.50	अ) 21.10.2019 ब) 03.01.2020 स)₹ 451.32 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
04	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स सतनाम मिनरल्स, पार्टनर्स - श्री दलजीत सिंह जुनेजा एवं श्रीमती सतनाम कौर जुनेजा	**(अ) ओपन प्लॉट-** खसरा नं 203/18, प.ह नं 00067, मौजा-पुरैना, पंडित विद्या चरण शुक्ल, वार्ड क्रमांक 50, आरएनएम-रायपुर 11, **टिकरापारा,** तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.), **क्षेत्रफल - 2000 वर्ग फुट,** मालिकाना हक- श्री अपूर्व नंदी एवं श्री रवि नंदी। **(सांकेतिक कब्ज़ा)** **(ब) व्यावसायिक दुकान** - दुकान नं एफ-36, प्लॉट नं 4/4, नजूल ब्लॉक-06, श्याम प्लाजा, प्रथम तल, मौजा-पंडरीतराई, रविशंकर शुक्ल वार्ड नं 24, (नया वार्ड 34) आरएनएम-रायपुर 1, तहसील एवं जिला -रायपुर (छ.ग.), **क्षेत्रफल - 361 वर्गफुट,** मालिकाना हक- श्रीमती सतनाम कौर जुनेजा पति श्री दलजीत सिंह जुनेा। **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	अ ₹ 30.60 ₹ 3.00 ₹ 0.25 ब ₹ 28.12 ₹ 2.81 ₹ 0.25	अ) 14.06.2025 ब) 17.04.2026 स)₹ 104.54 + ब्याज एवं अन्य खर्चे

ई– ऑक्शन की तारीख और समय–दिनांक : 09.06.2026, सुबह 11.00 से सायं 05.00 बजे, सीमा रहित 10 मिनट के अंतराल के एक्सटेंशन के साथ, प्रत्येक निरीक्षण की तारीख और समय – 04.05.2026 से 08.06.2026 सुबह 11.00 से दोपहर 03.00 बजे के बीच कार्यालयीन दिवस में।

नोटः–कोई भी बोलीकर्ता/ इच्छुक पक्ष प्लांट एवं मशीनरी के लिये बोली लगा सकता है, परंतु भूमि एवं भवन के लिये बोली लगाने हेतु, बोलीदाता को प्लांट और मशीनरी के लिये अनिवार्य बोली लगानी पड़ेगी क्योंकि किसी भी परिस्थिति में भूमि एवं भवन को स्वतंत्र रूप से बोली नहीं लगायी जा सकती।

उधारकर्ताओं/बंधक–कर्ताओं को 30 दिन का बकाया सूचना
उपरोक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं को यह सूचित किया जाता है की सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को मय ब्याज एव खर्चो के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें अन्यथा बंधक रखी संपत्ति की नीलामी ऊपर दर्शायी गई दिनांक को कर दी जावेगी, उसके पश्चात शेष राशि के लिए अलग से वसूली की जावेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - एआरबी (रायपुर) शाखा: सूरज कुमार - 7717741309, ई.एम.डी. भुगतान तथा तकनीकी जानकारी के लिए जोनल अधिकारी – श्री रमा राव, मो. 99084 84996.

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें: 1. नीलामी बिक्री / बोली, वेबसाइट **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग प्रक्रिया द्वारा की जायेगी। **2. बोलीकर्ताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट https://baanknet.com में जा कर "Guidelines" देख सकते हैं। 3.** बोली राशि आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। 4. सर्वाधिक / सफल बोलीकर्ता का विक्रय के सम्बंध में अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार करने के बाद बोली/क्रय मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की राशि में पहले से जमा बयाना राशि घटाकर शेष बची राशि अगले कार्य दिवस में जमा कराना होगा। अन्यथा उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी। 5. क्रयमूल्य कि 75 प्रतिशत राशि का भुगतान अधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री कि पुष्टि करने से 15 दिन या उससे पहले अथवा उस बढ़ाई हुई अवधि के भीतर शेष राशि जमा नहीं करा पाने कि दशा में जमा राशि को जब्तकर लिया जायेगा एवं अधिकृत अधिकारी बैंक नीलामी को रद्द कर नये सिरे से नीलामी करने हेतु स्वतंत्र होंगे। 6. अधिकृत / सफल बोलीकर्ता की दशा में बयानाराशि का क्रय मूल्य में समायोजित कर दिया जायेगा एवं असफल बोलीकर्ताओं **baanknet** के द्वारा वापस कर दिया जायेगा। बयाना राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा । 7. सम्पत्ति का **जैसा है, जहाँ है** एवं बिना किसी सहारे के आधार पर बेचा जायेगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं नीलामी में शामिल होने में पूर्व सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का देय आदि के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करें। **8. अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास स्व-विवेक से बिना किसी पूर्व सूचना एवं कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने अथवा बिक्री को स्थगित करने / टालने रद्द करने अथवा बिक्री की नियम व शर्तों को संशोधित करने का सम्पूर्ण अधिकार है ।** 9. सम्पत्ति के क्रेता को सरकार को देय सभी वैधानिक देयक एवं सम्पत्ति से संबंधित सभी वर्तमान एवं भविष्य के कर, दर व देयक वहन करना होगा । 10. देय राशि ब्याज और अन्य शुल्कों को छोड़कर है। 11. इस नीलामी से संबंधित किसी भी तरह का संशोधन/त्रुटि सुधार/शुद्धिपत्र भविष्य में अखबार के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जायेगा कृपया इच्छुक नियमित रूप से ऊपर दी गई वेबसाईट से संज्ञान लेवें । 12. इस नीलामी की प्रक्रिया बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी नहीं बोली लगा सकते । 13. इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई डी-व पासवर्ड स्वयं बनाना है। जिसे बनाने में न्यूनतम 2 दिन का समय लगता है। अतः बोलीकर्ता से निवेदन है कि यूजर आई.डी. अंतिम तिथि से पूर्व ही बना लें । 14. एक बोली लगाने वाला (बोलीकर्ता) होने की स्थिति में बोली फॉर्म में उद्धत बोली राशि में न्यूनतम एक बोली वृद्धि मूल्य की बढोत्तरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त / स्थगित किया जायेगा।

किसी भी तरह की विवाद की स्थिति में इस ई–नीलामी जो कि दिनांक 03.05.2026, सेंट्रल क्रॉनिकल का अंग्रेजी संस्करण के प्रकाशन ही मान्य होगा ।

दिनांक : 03.05.2026, स्थान : रायपुर | अधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर–24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101
ई–नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) व 1 के अधीन अंचल संपत्ति की बिक्री की सूचना

ई–नीलामी तिथि एवं समय : 26.05.2026, प्रातः 11.00 से सायं 5.00 तक

ई–नीलामी उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक के अधिकृत अधिकार द्वारा नीचे उल्लेखित सम्पत्तियों का कब्जा लिया गया था। अधिकृत अधिकारी द्वारा उधारकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया, के निम्न शाखाओं के खातों की वसूली के लिये उक्त अधिनियम के नियम 8 एवं 9 अधीन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का सार्वजनिक नीलामी द्वारा जैसा है जहाँ है एवं जिस अवस्था में है के आधार पर विक्रय करने का निर्णय लिया गया है।

क्रं.	शाखा और उधारकर्ता/जमानतदार के नाम	बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य(लाख में) / ई.एम.डी. (लाख में) / बोली बढ़ोत्तरी (लाख में)	अ) मांग सूचना दिनांक / ब) कब्जा दिनांक / स) बकाया राशि (लाख में)
01	सुपेला शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स शब्बीर एग सेंटर, प्रोप.- श्री शब्बीर अहमद कुरैशी	**भूमि-** सामयिक बंधक परिवर्तित भूमि स्थित खसरा नं 346/2 (म्यूटेशन के बाद नया खसरा नं 346/15), प.ह नं 14/19, वार्ड नंबर 16, प्लॉट नंबर 1 एवं 2, कैलाश नगर, **कुरुद, भिलाई,** जिला-दुर्ग (छ.ग), **क्षेत्रफल- 1729.30 वर्गफुट, जिसमें 1400.00 वर्गफुट** भूमि श्री शब्बीर अहमद कुरेशी पिता श्री खलील अहमद कुरेशी के नाम पर डायवर्ट की गई है। सीमाएँ:- उत्तर- सड़क, दक्षिण-चितकू की भूमि, पूर्व-राजीव जैन की भूमि, पश्चिम-यादव का प्लॉट। **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 12.50 ₹ 1.25 ₹ 0.25	अ) 18.12.2024 ब) 20.03.2025 स) ₹25.97 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
02	व्यापार विहार शाखा:- उधारकर्ता- श्री शुभाशीष कुमार मित्रा	**आवासीय फ्लैट-** फ्लैट नंबर एल-204, प.ह नंबर 22/36/29, साकेत अपार्टमेंट, बोधिसत्व ब्लॉक, अग्रसेन चौक के पास, **जूना बिलासपुर,** खसरा नं. 622/5 (भाग), प्लॉट नंबर 272/1, तहसील एवं जिला-बिलासपुर, **क्षेत्रफल- 1350 वर्गफुट** पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री सुभाशीष कुमार मित्रा। सीमाएँ:- उत्तर : कॉलोनी रोड,दक्षिण : सेट बैक,पूर्व : सेट बैक,पश्चिम: फ्लैट नं.एल-203. **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 49.84 ₹ 4.98 ₹ 0.25	अ) 18.09.2025 ब) 09.12.2025 स) ₹24.84 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
03	व्यापार विहार शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स पूनम सेल्स, प्रो.- श्रीमती नागेश्वरी पांडे एवं जमानतदार: श्री रितेश कुमार पांडे	**आवासीय भवन-** खसरा नंबर 398/26, प.ह नं 21, मौजा- कुदुदंड, वार्ड नं 04, कस्तूरबा नगर, वार्ड- जरहाभाठा, **बिलासपुर (छ.ग.), क्षेत्रफल -1206 वर्गफुट** पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती नागेश्वरी पांडे पति श्री विजय पांडे ।सीमाएँ:- उत्तर : 15' चौड़ी सड़क,दक्षिण : सुषमा सराफ का मकान, पूरब : पुरेंद्र सिंह का मकान, पश्चिम: पांडे का मकान। **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 47.91 ₹ 4.79 ₹ 0.25	अ) 24.06.2025 ब) 09.12.2025 स) ₹ 30.78 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
04	भिलाई शाखा:- उधारकर्ता- श्री राजीव कुमार काटझोरी पिता श्री राम सिंह	**फ्लैट** - फ्लैट नंबर 48, ब्लॉक नंबर ई-5 (छठी मंजिल), चौहान हाउसिंग (चौहान ग्रीन वैली), खसरा नं 195, 216/1 एवं 226 का भाग, मौजा-जुनवानी एवं खमरिया, भिलाई, तहसील एवं जिला-दुर्ग, **क्षेत्रफल- 501.99 वर्गफीट** पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति, मालिकाना हक - श्री राजीव कुमार कटझोरी । सीमाएँ:- उत्तर : आसमान की ओर खुला, दक्षिण : मार्ग एवं लिफ्ट, पूर्व: आसमान के लिए खुला,पश्चिम: फ्लैट नंबर ई-47 . **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 15.00 ₹ 1.50 ₹ 0.25	अ) 29.11.2022 ब) 28.02.2023 स) ₹ 11.92 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
05	बेमेतरा शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स पवन ब्रिक्स, प्रो.- श्री मनीराम साहू	**औद्योगिक भूमि एवं भवन-** खसरा नंबर 328/2,328/3 प.ह नंबर 10, **ग्राम- उमरिया,** आरआईसी-खंडसारा, तहसील-दाढ़ी, बेमेतरा (छ.ग) पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति । सीमाएँ:- उत्तर : दुर्गालाल की भूमि,दक्षिण : प्रेम साहू की भूमि,पूर्व: मनीराम की सड़क व भूमि,पश्चिम : जलेश्वर की भूमि . **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 15.95 ₹ 1.59 ₹ 0.25	अ) 01.06.2023 ब) 18.08.2023 स) ₹10.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
06	बिलासपुर शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स श्री साई मोहन फर्नीचर, प्रो.- श्री आशुतोष साहू पिता श्री नेतराम साहू एवं जमानतदार: शिवकली साहू	**आवासीय प्लॉट** - प्लॉट नंबर 121/ए, खसरा नं. 27/19 (27/2 का भाग), वार्ड नंबर 28, बसंत भाई पटेल नगर वार्ड, मधुबन पारा (मुक्तिधाम रोड),प.ह नंबर 22 ब्लॉक -बिल्हा, मौजा-जूना बिलासपुर, तहसील एवं जिला- बिलासपुर (छ.ग.), **क्षेत्रफल -1100 वर्गफीट** पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती शिवकली साहू पति स्वर्गीय नेतराम साहू (जमानतदार)। सीमाएँ:- उत्तर: 20' चौड़ी सड़क, दक्षिण : चेदि कश्यप की भूमि, पूर्व : विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम : देवेन्द्र सिंह की भूमि । **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 18.50 ₹ 1.85 ₹ 0.25	अ) 22.09.2022 ब) 13.12.2022 स) ₹ 9.31 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
07	बेमेतरा शाखा:- उधारकर्ता: श्री अशोक कुमार भार्गव, जमानतदार: श्री अश्वनी कुमार मिरे एवं श्री अशोक कुमार भार्गव	**आवासीय भूमि एवं भवन** - खसरा नंबर 331/49 {पुराना खसरा नं. 331/3 (भाग)}, प.ह नंबर 12, वार्ड नंबर 15, तिलक वार्ड, आदर्श नगर, मुंगेली रोड, **नवागढ़,** तहसील- नवागढ़, जिला- बेमेतरा (छ.ग), **क्षेत्रफल - 1200 वर्गफुट,** मालिकाना हक- श्री अशोक कुमार भार्गव । सीमाएँ:- उत्तर : अश्वनी मिरे का मकान, दक्षिण : देवांगन का प्लॉट, पूर्व: बर्मन का मकान, पश्चिम: सड़क, **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 14.97 ₹ 1.49 ₹ 0.25	अ) 16.04.2018 ब) 07.07.2018 स) ₹ 14.63 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
08	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स ब्लैकस्मिथ कॉर्पोरेशन माइनिंग एंड एलाइड (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड, प्रोप. – श्री विनय श्रीवास्तव पिता एस.पी. श्रीवास्तव	**(अ) औद्योगिक भूमि** - सामयिक बंधक फ्रीहोल्ड औद्योगिक भूमि स्थित खसरा नंबर 399, ग्राम - कोनारी, प.ह नं. 00013, आरएनएम-टंडवा, तहसील -तिल्दा, जिला-रायपुर,(छ.ग), **क्षेत्रफल - 42302.17 वर्गफुट,** मालिकाना हक- श्री विनय श्रीवास्तव । सीमाएँ - उत्तर- सड़क, दक्षिण - कोनारी गांव की सीमा,पूर्व - राजकुमार अग्रवाल की भूमि,पश्चिम - उद्योग विभाग की भूमि। **(सांकेतिक कब्ज़ा)** **(ब) औद्योगिक भूमि-** सामयिक बंधक फ्रीहोल्ड औद्योगिक भूमि स्थित खसरा नं 95/5, 95/6, ग्राम- खम्हरिया, प.ह नं. 00013, आरएनएम-टंडवा, तहसील -तिल्दा, जिला- रायपुर, (छ.ग), **क्षेत्रफल - 21743.10 वर्गफुट,** मालिकाना हक - श्री विनय श्रीवास्तव। सीमाएँ (खसरा नं 95/5 के लिए):-उत्तर-चन्द्रशेखर की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की भूमि,पूर्व - विक्रेता की भूमि,पश्चिम - ग्राम कोनारी की सीमा। सीमाएँ (खसरा नं 95/5 के लिए):-उत्तर-चन्द्रशेखर की भूमि,दक्षिण - विक्रेता की भूमि,पूर्व - विक्रेता की भूमि,पश्चिम - ग्राम कोनारी की सीमा। सीमाएँ (खसरा नं 95/6 के लिए):-उत्तर- विक्रेता की भूमि,दक्षिण - विक्रेता की भूमि,पूर्व - विक्रेता की भूमि,पश्चिम - राजहर्ष. **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	अ ₹ 70.12 ₹ 7.01 ₹ 0.25 ब ₹ 31.42 ₹ 3.14 ₹ 0.25	अ) 12.03.2025 ब) 09.01.2026 स)₹ 163.14 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
09	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स कृष्णनंदन मिल्क एंड डेयरी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, निदेशक: 1. श्री रोमिंदर सिंह अजमानी, 2. श्री नवदीप सिंह अजमानी, जमानतदार- मेसर्स भाटिया बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, पार्टनर - श्री दलजीत सिंह भाटिया	**फैक्ट्री भूमि-** फ्रीहोल्ड फैक्ट्री भूमि स्थित भूखंड नंबर 2, खसरा नं 145/1, प.ह नं 42/14, मौजा - जाली, आरएनएम - रतनपुर, ब्लॉक - कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), **क्षेत्रफल -3.409 हेक्टेयर,** मालिकाना हक- मेसर्स कृष्णनंदन मिल्क एंड डेयरी प्रोडक्ट्स प्राइवेट, निदेशकों - श्री रोमिंदर सिंह अजमानी एवं श्री नवदीप सिंह अजमानी । सीमाएँ: -उत्तर - सुरेंद्र व अन्य की भूमि,दक्षिण - सरकारी भूमि,पूर्व - गुलाब व अन्य की भूमि,पश्चिम - मालिक व सरकार की भूमि । **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 106.50 ₹ 10.65 ₹ 0.50	अ) 30.04.2024 ब) 05.08.2024 स)₹ 167.13 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
10	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स जे बी इंडस्ट्रीज, प्रोप. - श्री विकाश कुमार आहूजा पिता धरम दास आहूजा	**भूमि एवं दो मंजिला आवासीय भवन** स्थित खसरा नं 401/17, प.ह नं 32, ग्राम भेंड़ीकला, राजनांदगांव, **क्षेत्रफल- 10890 वर्गफुट,** मालिकाना हक- श्री विकाश कुमार आहूजा एवं श्री धरम दास आहूजा । सीमाएँ :- उत्तर - बिसेशर की भूमि, दक्षिण - शिव की भूमि, पूर्व - प्रकाश की भूमि, पश्चिम - शिव की भूमि। **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 31.36 ₹ 3.13 ₹ 0.25	अ) 03.01.2022 ब) 10.05.2022 स) ₹104.07 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
11	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स महामाया केमिकल्स, प्रोप. - श्रीमती ज्योति मिश्रा पति श्री फणीन्द्र मिश्रा एवं जमानतदार - श्री फणीन्द्र मिश्रा पिता श्री एम.सी. मिमिश्रा	**(अ) व्यावसायिक दुकान** - सामयिक बंधक अचल संपत्ति स्थित दुकान नं 151, भूतल, एस्के प्लाजा, नजूल भूमि खसरा नं. 2/14, 44/2, 2/76 एवं 2/77 (भाग), ब्लॉक नंबर 95, 96, आनंद टॉकीज के पास, हवलदार अब्दुल हामिद वार्ड नंबर 36, मौदहापारा, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग), **क्षेत्रफल- 205 वर्गफुट,** मालिकाना हक- श्री फणीन्द्र मिश्रा (जमानतदार)। सीमाएँ :-उत्तर-मीटर कक्ष, दक्षिण-सामान्य मार्ग, पूर्व - कार्यालय नं 152,पश्चिम - कार्यालय नं 150. **(सांकेतिक कब्ज़ा)** **(ब) व्यावसायिक दुकान** - सामयिक अचल संपत्ति स्थित दुकान नंबर 152-ए, भूतल, एस्के प्लाजा, नजूल भूमि खसरा नं. 2/14, 44/2, 2/76 व 2/77 (भाग), ब्लॉक नं. 95, 96, आनंद टॉकीज के पास, हवलदार अब्दुल हामिद वार्ड नंबर 36, मौदहापारा, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग), **क्षेत्रफल-115.03 वर्ग फुट,** मालिकाना हक- श्रीमती ज्योति मिश्रा (प्रोप.)। सीमाएँ:- उत्तर- दुकान नं. 157-सी, दक्षिण - दुकान नं. 152, पूर्व - सामान्य मार्ग, पश्चिम - दुकान नं.151. **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	अ ₹ 32.15 ₹ 3.21 ₹ 0.25 ब ₹ 18.50 ₹ 1.85 ₹ 0.25	अ) 21.03.2024 ब) 01.06.2024 स)₹ 74.97 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
12	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता - मेसर्स युग सुपर बाजार, प्रोप.-श्री देवकरण मरकाम	**व्यावसायिक संपत्ति:-** सामयिक बंधक फ्रीहोल्ड व्यावसायिक भूमि एवं भवन स्थित पुराना खसरा नं 983/1 का भाग, नया खसरा नं 983/9, प.ह नं. 52/18, आरएनएम गरियाबंद, डाकबंगला, वार्ड नं 08, गरियाबंद, तहसील एवं जिला-गरियाबंद (छ.ग), क्षेत्रफल- 3500 वर्गफीट, मालिकाना हक- श्री देवकरण मरकाम पिता श्री गीताराम. सीमाएं:- उत्तर-जीतनारायण पाठक का खुला प्लॉट, दक्षिण-डब्ल्यूबीएम रोड, पूर्व: देवकिरण का मकान, पश्चिम: अन्य का खुला प्लॉट। **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 50.08 ₹ 5.00 ₹ 0.25	अ) 24.04.2024 ब) 09.07.2024 स)₹ 54.41 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
13	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स महामाया वैक्सीन्स, प्रोप.- श्री फणीन्द्र मिश्रा पिता स्व. एम.सी. मिश्रा एवं जमानतदार- श्रीमती ज्योति मिश्रा पति श्री फणीन्द्र मिश्रा	**(अ) आवासीय फ्लैट** - फ्लैट नंबर 2/सी, दूसरी मंजिल, ब्लॉक नंबर 05, सिंगापुर सिटी, प.ह नंबर 103/37, रामकृष्ण परमहंस, वार्ड नंबर 02, मौजा - कोटा (महोबा बाजार) रायपुर(छ.ग), **क्षेत्रफल - 861 वर्गफीट,** मालिकाना हक -श्री फणीन्द्र मिश्रा ।सीमाएँ :- उत्तर- खुला स्थान,दक्षिण - फ्लैट नंबर 2D1, पूर्व - खुला स्थान, पश्चिम - सामान्य मार्ग. **(सांकेतिक कब्ज़ा)** **(ब) व्यावसायिक दुकान-** खसरा नंबर 395/1 एवं 396/2 जीएच, शीट नंबर 02, ब्लॉक नंबर 06, प्लॉट नंबर 379, दुकान नंबर ए-308, प्रथम तल, वृन्दावन कॉम्प्लेक्स,तेलीपारा, बिलासपुर (छ.ग), क्षेत्रफल - 336 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्री फणीन्द्र मिश्रा पिता स्वर्गीय एम.सी मिश्रा ।सीमाएँ :-उत्तर-संजय अग्रवाल की संपत्ति,दक्षिण - दुकान नंबर ए-309,पूर्व - दुकान नंबर ए-321,पश्चिम - मार्ग. **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	अ ₹ 26.10 ₹ 2.61 ₹ 0.25 ब ₹ 22.86 ₹ 2.28 ₹ 0.25	अ) 02.02.2024 ब) 23.10.2024 संपत्ति क्रमांक (अ) के लिए अ) 02.02.2024 ब) 13.08.2024 संपत्ति क्रमांक (ब) के लिए स)₹ 429.14 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
14	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स श्री कृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज, प्रोप.- श्री अशोक कुमार अग्रवाल, श्री कृष्णा मित्तल, श्री आशीष कुमार बंसल एवं श्री अंकुर अग्रवाल	**भूमी एवं भवन** - फ्लैट नंबर एमआईजी/03, क्षेत्रफल - 927 वर्गफुट, दूसरी मंजिल, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुकुट नगर बेलादुला, रायगढ़(छ.ग), मालिकाना हक- श्री अशोक कुमार अग्रवाल पिता श्री गोविंद राम अग्रवाल।	₹ 17.00 ₹ 1.70 ₹ 0.25	अ) 05.09.2022 ब) 09.12.2022 स)₹ 460.20 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
15	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स श्री विब्ग्योर कलर लैब, प्रोप.- श्री हरिश्रन अग्रवाल, जमानतदार- श्रीमती शांति अग्रवाल पति स्व. बद्री प्रसाद अग्रवाल एवं श्रीमती अन्नपूर्णा अग्रवाल	**आवासीय फ्लैट-** फ्लैट नंबर बी-103, पहली मंजिल, ओम रेजीडेंसी, खसरा नं 506/5, 508/1, 506/10, 508/5, मौजा - अमेरी, प.ह नं 26/43, शीट नं 15, ब्लॉक नं 19, भूखंड नं 186 का भाग, गुरु घासीदास नगर, वार्ड 07, **बिलासपुर,** तहसील - सकरी, जिला- बिलासपुर (छ.ग), **क्षेत्रफल -980.00 वर्गफुट,** मालिकाना हक- श्रीमती अन्नपूर्णा अग्रवाल । सीमाएँ (रजिस्ट्री के अनुसार) :-उत्तर-फ्लैट नं. बी-102, दक्षिण - आसमान की ओर खुला,पूर्व- आसमान की ओर खुला,पश्चिम- मार्ग. **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 27.50 ₹ 2.75 ₹ 0.25	अ) 17.01.2025 ब) 07.08.2025 स)₹ 84.87 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
16	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- श्री विकाश कुमार आहूजा पिता श्री धरम दास आहूजा, श्री धरम दास आहूजा पिता स्व. मोहल लाल आहूजा एवं श्री रिंकेश कुमार आहूजा पिता श्री धरम दास आहूजा	**भूमि एवं दो मंजिला आवासीय भवन-** खसरा नं 401/21 (खसरा नं 401/13 का भाग), प. ह नं 29/22, **क्षेत्रफल- 3237.00 वर्गफुट,** ग्राम भेंड़ीकला, **राजनांदगांव** (छ.ग), मालिकाना हक- श्री विकाश कुमार आहूजा एवं श्री धरम दास आहूजा। सीमाएँ - उत्तर - बिसेशर की भूमि, दक्षिण - शिव की भूमि,पूर्व - प्रकाश की भूमि, पश्चिम - शिव की भूमि। **(सांकेतिक कब्ज़ा)**	₹ 13.00 ₹ 1.30 ₹ 0.25	अ) 13.05.2022 ब) 02.09.2022 स) ₹ 17.19 + ब्याज एवं अन्य खर्चे

ई– ऑक्शन की तारीख और समय–दिनांक : 26.05.2026, सुबह 11.00 से सायं 05.00 बजे, सीमा रहित 10 मिनट के अंतराल के एक्सटेंशन के साथ, प्रत्येक निरीक्षण की तारीख और समय – 04.05.2026 से 25.05.2026 सुबह 11.00 से दोपहर 03.00 बजे के बीच कार्यालयीन दिवस में।

नोटः–कोई भी बोलीकर्ता/ इच्छुक पक्ष प्लांट एवं मशीनरी के लिये बोली लगा सकता है, परंतु भूमि एवं भवन के लिये बोली लगाने हेतु, बोलीदाता को प्लांट और मशीनरी के लिये अनिवार्य बोली लगानी पड़ेगी क्योंकि किसी भी परिस्थिति में भूमि एवं भवन को स्वतंत्र रूप से बोली नहीं लगायी जा सकती।

उधारकर्ताओं/बंधक–कर्ताओं को 15 दिन का बकाया सूचना
उपरोक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं को यह सूचित किया जाता है की सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को मय ब्याज एव खर्चो के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें अन्यथा बंधक रखी संपत्ति की नीलामी ऊपर दर्शायी गई दिनांक को कर दी जावेगी, उसके पश्चात शेष राशि के लिए अलग से वसूली की जावेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - सुपेला शाखा - सिद्धार्थ प्रसाद- 9131781191, व्यापार विहार शाखा: जीवेश कुमार झा- 7004869424, भिलाई शाखा: ज्योति जो - 9589346235, बेमेतरा शाखा: फलिन्द्र बोरकर - 9309990333, बिलासपुर शाखा: अंशुमन - 8570888498, एआरबी (रायपुर) शाखा: सूरज कुमार - 7717741309, ई.एम.डी. भुगतान तथा तकनीकी जानकारी के लिए जोनल अधिकारी – श्री रमा राव, मो. 99084 84996.

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें: 1. नीलामी बिक्री / बोली, वेबसाइट **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग प्रक्रिया द्वारा की जायेगी। **2. बोलीकर्ताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट https://baanknet.com में जा कर "Guidelines" देख सकते हैं। 3.** बोली राशि आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। 4. सर्वाधिक / सफल बोलीकर्ता का विक्रय के सम्बंध में अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार करने के बाद बोली/क्रय मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की राशि में पहले से जमा बयाना राशि घटाकर शेष बची राशि अगले कार्य दिवस में जमा कराना होगा। अन्यथा उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी। 5. क्रयमूल्य कि 75 प्रतिशत राशि का भुगतान अधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री कि पुष्टि करने से 15 दिन या उससे पहले अथवा उस बढ़ाई हुई अवधि के भीतर शेष राशि जमा नहीं करा पाने कि दशा में जमा राशि को जब्तकर लिया जायेगा एवं अधिकृत अधिकारी बैंक नीलामी को रद्द कर नये सिरे से नीलामी करने हेतु स्वतंत्र होंगे। 6. अधिकृत / सफल बोलीकर्ता की दशा में बयानाराशि का क्रय मूल्य में समायोजित कर दिया जायेगा एवं असफल बोलीकर्ताओं **baanknet** के द्वारा वापस कर दिया जायेगा। बयाना राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा । 7. सम्पत्ति का **जैसा है, जहाँ है** एवं बिना किसी सहारे के आधार पर बेचा जायेगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं नीलामी में शामिल होने में पूर्व सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का देय आदि के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करें। **8. अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास स्व-विवेक से बिना किसी पूर्व सूचना एवं कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने अथवा बिक्री को स्थगित करने / टालने रद्द करने अथवा बिक्री की नियम व शर्तों को संशोधित करने का सम्पूर्ण अधिकार है ।** 9. सम्पत्ति के क्रेता को सरकार को देय सभी वैधानिक देयक एवं सम्पत्ति से संबंधित सभी वर्तमान एवं भविष्य के कर, दर व देयक वहन करना होगा । 10. देय राशि ब्याज और अन्य शुल्कों को छोड़कर है। 11. इस नीलामी से संबंधित किसी भी तरह का संशोधन/त्रुटि सुधार/शुद्धिपत्र भविष्य में अखबार के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जायेगा कृपया इच्छुक नियमित रूप से ऊपर दी गई वेबसाईट से संज्ञान लेवें । 12. इस नीलामी की प्रक्रिया बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी नहीं बोली लगा सकते । 13. इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई डी-व पासवर्ड स्वयं बनाना है। जिसे बनाने में न्यूनतम 2 दिन का समय लगता है। अतः बोलीकर्ता से निवेदन है कि यूजर आई.डी. अंतिम तिथि से पूर्व ही बना लें । 14. एक बोली लगाने वाला (बोलीकर्ता) होने की स्थिति में बोली फॉर्म में उद्धत बोली राशि में न्यूनतम एक बोली वृद्धि मूल्य की बढोत्तरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त / स्थगित किया जायेगा।

किसी भी तरह की विवाद की स्थिति में इस ई–नीलामी जो कि दिनांक 03.05.2026, सेंट्रल क्रॉनिकल का अंग्रेजी संस्करण के प्रकाशन ही मान्य होगा ।

दिनांक : 03.05.2026, स्थान : रायपुर | अधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया

100 साल पुराने दुर्लभ फूलदान ने तोड़े नीलामी के रिकॉर्ड, 53 लाख में बिका

कोट्सवोल्ड। सभी फूलदान फूलों को रखने और घर की सजावट करने के ही काम आते हैं। हालांकि, कुछ को इतनी खूबसूरती से बनाया जाता है कि उनकी कीमत हजारों नहीं, बल्कि लाखों में लगती है। ऐसा ही एक फूलदान बीते दिन नीलाम हुआ है, जिसने नीलामी के पिछले रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। हम बात कर रहे हैं 100 साल पुराने मूरक्रॉफ्ट के फूलदान की, जो 53 लाख रुपये में बिका है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह दुर्लभ फूलदान लगभग 1925 के आसपास बनाया गया था।

इसे मूरक्रॉफ्ट के संस्थापक विलियम मूरक्रॉफ्ट द्वारा डिजाइन किया गया था। मूरक्रॉफ्ट एक प्रसिद्ध ब्रिटिश कंपनी है, जो मिट्टी के बर्तन बनाती है। इस खास फूलदान का निर्माण इंग्लैंड के स्टोक-ऑन-ट्रेंट नामक शहर में किया गया था, जो अपने मिट्टी के बर्तनों के उद्योग के लिए जाना जाता है। इसे फूल रखने के बजाय प्रदर्शित करने के लिए बनाया गया था। इस फूलदान की ऊंचाई 38.5 सेंटीमीटर है और इसे गहरे नीले रंग में बनाया गया है। पूरे फूलदान पर एक खूबसूरत-सा ज्वाला परिदृश्य पैटर्न बनाया गया है, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है। इसमें गहरे नीले, हल्के नीले, गहरे हरे, हल्के हरे और गुलाबी जैसे कई रंगों का इस्तेमाल हुआ है, जिन्होंने मिलकर परिदृश्य को जीवंत बनाया है।

दुनिया के कुछ होनहार और बुद्धिमान कुत्ते, जिनके नाम दर्ज हैं गिनीज विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। कुत्ते सबसे समझदार पालतू जानवरों में से एक होते हैं, जो अपनी वफादारी के लिए जाने जाते हैं। ये सही प्रशिक्षण के साथ न केवल अनुशासित जीवन जीते हैं, बल्कि कुछ हैरतअंगेज कारनामे भी कर दिखाते हैं। आज के लेख में हम आपको कुछ ऐसे कुत्तों के बारे में बताएंगे, जिन्होंने विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। ये सभी रिकॉर्ड उनके कौशल या फिर अनोखे रूप के चलते उनके नाम किए गए हैं।

वीडियो गेम खेलने वाला कुत्ता

इंसानों के दोस्त कहलाए जाने वाले कुत्तों को खेलना-कूदना पसंद होता है। हालांकि, क्या आपने कभी वीडियो गेम खेलने वाले कुत्ते के बारे में सुना है? पांच साल का एक चतुर शीबा इनु कुत्ता आपने मालिक के साथ वीडियो गेम खेलता है। इस कुत्ते का नाम पीनट बटर है और यह गायरोमाइट नामक गेम को सबसे जल्दी पार करने वाला जानवर बन गया है। बता दें कि उसने केवल 23 मिनट 9 सेकंड में यह खेल खत्म कर दिया था।

रस्सा कूदने वाले कुत्ते

रस्सा कूदना बच्चों का पसंदीदा खेल होता है। हालांकि, इसे कुत्ते कर दिखाएं तो हैरान होना लाजमी है। दरअसल, चीन के रहने वाले झू योंगमिंग नामक व्यक्ति ने अपने 10 कुत्तों के साथ रस्सा कूदकर अनोखा विश्व रिकॉर्ड बना डाला है। उन्होंने एक मिनट में सबसे ज्यादा रस्सा कूदने का रिकॉर्ड बनाकर गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। योंगमिंग ने कुत्तों को चारों ओर एक घेरे में खड़ा किया और खुद रस्सा घुमाया।

दुनिया का सबसे छोटा कुत्ता

आमतौर पर एक आइसक्रीम की डंडी का आकार 5 इंच से ज्यादा होता है, लेकिन दुनिया का सबसे छोटा कुत्ता इससे भी छोटा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह कुत्ता आपकी जेब में भी फिट हो सकता है। इसका नाम पर्ल है, जो फ्लोरिडा का एक मादा चिहुआहुआ है। वह 3.59 इंच लंबी है और उसे वैनेसा सेम्लर नाम की महिला पाल रही हैं। इस कुत्ते को दुनिया के सबसे छोटे कुत्ते का गिनीज विश्व रिकॉर्ड मिला है।

स्केटबोर्डिंग करने वाला कुत्ता

आपने शायद ही किसी ऐसे कुत्ते के बारे में सुना होगा, जो स्केटबोर्डिंग कर लेता हो। हालांकि, पेरू का एक बुलडॉग अपने नन्हें-नन्हें पंजों से स्केटबोर्ड पर कमाल के करतब किया करता था। उसने 2015 में स्केटबोर्ड पर सवार हो कर गई सबसे लंबी मनुष्य टनल (30 लोग) पार की थी। इसके बाद उसका नाम गिनीज बुक में शामिल किया गया था। वह अपने स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और सैंडबोर्डिंग कौशल के लिए मशहूर हुआ करता था।

PAINFUL KIDNEY STONES ?
WE OFFER PAINLESS & NON-INVASIVE TREATMENT
• URSL (Semirigid Ureteroscopy)
• Oral Medication
• ESWL (Extra corporeal Shock Wave Lithotripsy)
• Laser Kidney Stone Treatment
• PCNL (Per cutaneous Nephrolithotomy)
(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

होंठों को पतला-मोटा करें और आकर्षक बनायें. इंजेक्शन व लेसर व्दारा.

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के ऊपर, कलर्स माल के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
Mobile 9827143060
Ajay Advt.

अब तक बेची गई सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी, करोड़ों में है जिनकी कीमत करोड़ों में

फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है, जिसे वैश्विक स्तर पर अनुमानित 400 करोड़ लोग देखते हैं। लिहाजा, फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रसिद्धि भी आसमान छूती है। इन खिलाड़ियों ने जिन भी जेर्सी को एक बार पहन लिया, वे बेशकीमती हो जाती हैं। उन्हें खरीदने के लिए लोग लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं।

डिएगो माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड' जर्सी

डिएगो माराडोना अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर थे, जिन्हें इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने 1986 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जो जर्सी पहनी थी, वह इस सूची में पहले स्थान पर है। उन्होंने इसे अपने प्रसिद्ध 'हैंड ऑफ गॉड' गोल के दौरान पहना था। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जर्सी की कीमत 87 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी है।

सर जेफ हर्स्ट की जर्सी

सर जेफ हर्स्ट एक दिग्गज अंग्रेजी फुटबॉलर हैं, जो विश्व कप फाइनल में हैट्रिक बनाने वाले पहले और एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी 1966 वाले विश्व कप फाइनल के दौरान पहनी गई जर्सी इस सूची में चौथे स्थान पर है। इसे साल 2000 में 1.13 करोड़ रुपये में नीलाम किया गया था।

मेसी की विश्व कप फाइनल की जर्सी

लियोनल मेसी को बच्चा-बच्चा जानता है। जाहिर सी बात है कि उनका नाम इस सूची में जरूर शामिल होगा। मेसी की 2022 के विश्व कप फाइनल की जर्सी दुनिया की दूसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है। इस प्रतिष्ठित जर्सी की कीमत 75 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी थी।

पेले की फाइनल की जर्सी

पेले का नाम फुटबॉल के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाता है। उन्हें लोग प्यार से 'राजा' कहकर पुकारते थे। 1970 के विश्व कप फाइनल में पेले द्वारा पहनी गई जर्सी ब्राजील के फुटबॉल के स्वर्णिम युग का प्रतीक है। यह दुनिया की तीसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है, जो 1.94 करोड़ रुपये में बेची गई थी।

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
RAPID ARC • IGRT
ELECTRON BEAM THERAPY
IMRT • 2DRT • 3D-CRT

आधुनिक रेडिएशन थेरेपी के लिए विशेषज्ञों की कुशल टीम

डॉ. रमेश कोठारी
MD, RADIATION ONCOLOGIST

डॉ. सतीश देवांगन
MD, RADIATION ONCOLOGIST
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध–
NABH से पूर्णतः मान्यता प्राप्त कैंसर अस्पताल
DAWDA COLONY, PACHPEDI NAKA, RAIPUR, 7389905010, 4081010

BHIM app से करो पे।
इट्स द माही वे।

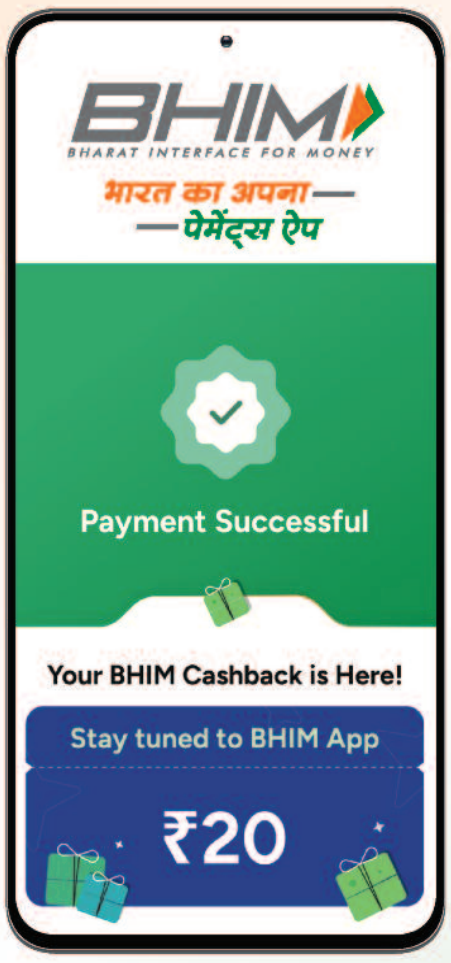

पाइए ₹20 कैशबैक
₹20 और अधिक के अपने पहले भुगतान पर।
Download Now
*सिर्फ नए यूज़र के लिए वैध। नियम व शर्तें लागू।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com